शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सामूहिक बलात्कारी प्रज्वल रेवन्ना को बचाने का लगाया आरोप @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 03 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-123

धर्म आधारित आरक्षण बनाम जाति आधारित आरक्षण

आरक्षण की लूट में मुसलमान, ईसाई और हिंदू जात हैं... लोकतंत्र और स्वाभिमान को खाए जात हैं

शुभ-लाभ विमर्श

भारतवर्ष का लोकतंत्र अजीबोगरीब विरोधाभास में फंसा है। जातिवाद गलत है, जातीय वैमनस्यता अपराध है, जातिवाद समाज का असाध्य रोग है जैसी बातें बोलते हुए हमें तनिक भी शर्म नहीं आती जब हम जाति आधारित आरक्षण की वकालत करने लगते हैं। वोट की राजनीति जो न कराए। इस्लाम में आरक्षण की हमेशा मजम्मत की गई, लेकिन भारत के मुसलमानों को भी दान में दी गई रोटी खाने का स्वाद लग गया। ईसाई धन और सामर्थ्य में सक्षम थे, लेकिन आरक्षण की लाइन में लग कर वे भी उच्छिष्ट पाने के लिए खींसे निपोरने लगे। यह विरोधाभास भारत को खा रहा है। वोट के लिए कांग्रेस और इंडी गठजोड़ ईसाई और मुसलमानों को खुश करने में लगा है तो भाजपा और एनडीए गठजोड़ वोट के लिए दलित आदिवासी और ओबीसी को हथियाने की होड़ में जुटा पड़ा है।

जिसे लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व कहा जाता है, भारत अभी वही चुनावी पर्व मना रहा है। मतदान का औसत प्रतिशत 60 से भी नीचे है, लेकिन लोकतंत्र का महान पर्व मन रहा है। लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरणों का मतदान हो गया है। जबकि अन्य चरणों के चुनाव के लिए राजनीतिक पार्टियां जोर शोर से जुटी हैं। इस बार के चुनाव में आरक्षण का मुद्दा भी उछल कर चर्चा में आ गया है। मुफ्त का राशन, मुफ्त की रेबड़ी, मुफ्त का आरक्षण भारत में इससे बड़ा मुद्दा और क्या हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यह कह रहे हैं कि कांग्रेस धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहती है। पीएम मोदी ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल घटकों को लिखित में यह गारंटी देने की चुनौती दी। मोदी ने कहा कि वे ऐसा कभी नहीं करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, उनकी मंशा मुसलमानों को धर्म के आधार पर आरक्षण देने की है। 30 अप्रैल को तेलंगाना के जहीराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक वह जिंदा हैं, धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होने देंगे। कांग्रेस वाले सुन लें, उनके चट्टे-बट्टे सुन लें, उनकी पूरी जमात सुन ले, जब तक मोदी जिंदा है, मैं दलितों का, आदिवासियों का और पिछड़ों का आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमानों के बीच नहीं बंटने दूंगा।

दरअसल भारत में आरक्षण की व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 16(4) के तहत की गई है, जिसमें कहा गया है कि राज्य सरकारें उन वर्गों को आरक्षण का लाभ दे सकती हैं, जिन्हें वे पिछड़ा मानती हैं। सामान्यत: आरक्षण सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित लोगों के लिए होता है, लेकिन कुछ राज्य सरकारों ने इसे धर्म के आधार पर लागू किया है। जिसमें विशेष रूप से मुस्लिमों को आरक्षण दिया जा रहा है। इसका भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोध कर रहे हैं, जबकि अन्य विपक्षी दल और उनकी सरकारें इसे सामाजिक न्याय का नाम देकर, एससी, एसटी, ओबीसी और वंचित समाज के हक पर डाका डालने का काम कर रहे हैं।

ऐप निवेश घोटाला : 10 राज्यों में सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एचप-ीजेड टोकन ऐप से जुड़ी धोखाधड़ी वाली निवेश योजना में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली समेत 10 राज्यों में 30 ठिकानों छापा मारा। सीबीआई के मुताबिक, इस योजना के अंतर्गत लोगों को उन क्रिप्टो करेंसी माइनिंग मशीनों के कारोबार में निवेश के लिए गुमराह किया गया था, जो असल में अस्तित्व में थी ही नहीं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात देशव्यापी छापों की कार्रवाई पूरी हुई। सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि दो निजी कंपनियों, शिगू टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और लिलियन टेक्नोकैब प्राइवेट लिमिटेड और उनके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। छापों के दौरान दिल्ली-एन-सीआर, राजस्थान के जोधपुर, महाराष्ट्र के मुंबई, कर्नाटक में बैंगलुरु, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओड़ीशा और मध्य प्रदेश में कई जगहों से लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम और डेबिट कार्ड के अलावा बड़ी संख्या में ईमेल खातों समेत डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।

राहुल गांधी की पाकिस्तानी प्रशंसा पर प्रधानमंत्री मोदी का करारा प्रहार

शहजादे को पीएम बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला

उतावलापन बताता है, मोदी को लेकर वहां कितना खौफ है

फेक फैक्ट्री बन गई है कांग्रेस बेच रही है फरेब का सामान

अहमदाबाद, 02 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के आणंद में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की इतनी भी राष्ट्रीयता और नैतिकता नहीं बची कि पाकिस्तान खुलेआम राहुल गांधी की प्रशंसा के गीत गाए जा रहा है और राहुल गांधी इस पर रिएक्ट करने के बजाय उसका आनंद ले रहे हैं। कांग्रेस पाकिस्तान की मुरीद है। शहजादे राहुल गांधी को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। इससे समझा जा सकता है कि पाकिस्तान में नरेंद्र मोदी को लेकर कितना खौफ है।

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पूरा देश आज विश्वास के साथ कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल से भाजपा के 10 वर्षों के कार्यकाल की तुलना की। पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस के कार्यकाल को शासनकाल कहा।

आणंद में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा, देश ने 60 साल तक कांग्रेस का राज देखा है। अब देश ने 10 साल भाजपा का सेवाकाल भी देखा है। वो शासनकाल था, ये सेवाकाल है। कांग्रेस के 60 साल में करीब 60 फीसदी ग्रामीण आबादी के पास शौचालय नहीं था। 10 साल में भाजपा सरकार ने शत-प्रतिशत टॉयलेट बना दिए। 60 साल में कांग्रेस देश में सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण घरों तक ही नल से जल की सुविधा पहुंचा पाई, यानी कि 20 प्रतिशत से भी कम घरों में। 10 साल में ही नल से जल पहुंचने वाले घरों की संख्या आज 14 करोड़ हो गई है, यानी 75 फीसदी घरों में नल से जल पहुंचा है।

पीएम मोदी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने बैंकों पर कब्जा कर लिया और ये कहा कि बैंक गरीबों के लिए होने चाहिए। उन्होंने आगे कहा, बैंकों का राष्ट्रीयकरण गरीबों के नाम पर करने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार 60 साल में करोड़ों गरीबों के बैंक खाते नहीं खोल पाई। मोदी ने 10 साल में 50 करोड़ से ज्यादा जनधन बैंक खाते खोले।

पीएम मोदी ने कहा, 2014 में जब आपने अपने इस बेटे को गुजरात से दिल्ली भेजकर देश की सेवा करने का आदेश दिया, उस समय देश के प्रधानमंत्री बड़े विद्वान अर्थशास्त्री थे।

जब उन्होंने छोड़ा था, तब देश दुनिया में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था था। 10 साल में इस गुजराती ने, चाय वाले ने देश की इकोनॉमी को पांचवें नंबर पर पहुंचा दिया।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने की राहुल की तारीफ भारत में निंदा

इस्लामाबाद, 02 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने राहुल गांधी की जमकर तारीफ की है। फवाद चौधरी ने राहुल गांधी के बयानों की तारीफ करते हुए एक्स पर कहा, राहुल इज ऑन फायर। फवाद चौधरी के इस बयान पर एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया फोरम पर कहा, कहा, 4 जून तक इंतजार करो, पूरा पाकिस्तान जलेगा। साथ भांति-भांति के खिलवाड़ हुए। सरदार वल्लभभाई पटेल का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह बहुत जल्दी चले गए, जिसके कारण देश को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा, मेरे मन में है कि मैं सरदार साहब के सपने भी पूरे करने की कोशिश करूं। आज मोदी देश को एक करने के सरदार साहब के सपने को पक्का कर रहा है। वहीं कांग्रेस देश को बांटने में जुटी है, कांग्रेस समाज में लड़ाई-झगड़ा कराना चाहती है।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र : सीबीआई अपने काम के लिए स्वतंत्र

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआई पर केंद्र का नियंत्रण नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दावा किया है कि सीबीआई ने कई मामलों में जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी नहीं ली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद संघीय एजेंसी एफआईआर दर्ज कर राज्य के मामलों की जांच कर रही है।

संविधान का अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्यों के अधिकार क्षेत्र से संबंधित है। केंद्र सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि संविधान का अनुच्छेद 131 संविधान के सबसे पवित्र क्षेत्राधिकार में से एक है और इसके प्रावधानों का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायिक फैसले लेने को उद्धत हुए सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार

2-जी मामले में केंद्र की याचिका लेने से मना कर दिया

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

2-जी स्पेक्ट्रम घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन की केंद्र सरकार की मांग को सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने झटका देने की कोशिश की। रजिस्ट्रार ने केंद्र सरकार की याचिका रजिस्टर ही नहीं होने दी। केंद्र सरकार की याचिका दाखिल होने में रजिस्ट्रार ने अड़ंगा लगा दिया। अब केंद्र सरकार रजिस्ट्रार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराएगी। केंद्र सरकार ने याचिका के जरिए 2-जी स्कैम मामले में आए पूर्व फैसले में संशोधन की मांग की है।सुप्रीम कोर्ट के नियम-15 के नियम पांच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का रजिस्ट्री विभाग याचिका लेने से इनकार कर सकता है। इस नियम के मुताबिक रजिस्ट्रार कोई उचित कारण न होने के आधार पर याचिका लेने से इनकार कर सकता है। ऐसा किए जाने पर याचिकाकर्ता रजिस्ट्रार के आदेश के खिलाफ 15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए अपने एक आदेश में 2-जी स्पेक्ट्रम के विभिन्न कंपनियों को दिए लाइसेंस निरस्त कर दिए थे, जो ए राजा के बतौर टेलीकॉम मंत्री रहते दिए गए थे।

गृहमंत्री अमित शाह के फेक वीडियो का मामला

कांग्रेस और आपा का नेता पुलिस की रिमांड पर

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भाषण में छेड़छाड़ कर उसे विवादित बनाकर वायरल करने के मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम पुलिस ने कांग्रेस के विधायक जिग्नेश मेवानी के पीए और बनासकांठा कांग्रेस के महामंत्री सतीश वनसोला एवं दाहोद में आम आदमी पार्टी के प्रमुख राकेश बारिया को गिरफ्तार किया है। चुनाव के परिणामों को असर पहुंचाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री का फेक वीडियो वायरल करने वाले दोनों आरोपियों को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया है। वहीं, दिल्ली पुलिस द्वारा तलब किए गए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के सीएम ने पेश होने के लिए समय मांगा

तेलंगाना कांग्रेस के चार अन्य नेताओं को भी समन

और चार अन्य नेताओं के कानूनी सलाहकारों ने दिल्ली पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए और समय मांगा है। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली पुलिस को ईमेल भेजा है।

साइबर क्राइम पुलिस ने दोनों आरोपियों की रिमांड की मांग की थी। पुलिस ने खुलासा किया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तेलंगाना की सभा में दिए गए भाषण को तोड़-मरोड़ कर इस फेक वीडियो में एडिट किया गया था। इसका मकसद चुनाव के परिणामों को प्रभावित करने का था। अलग-अलग राज्यों में गलत संदेश पहुंचाकर भय का वातावरण बनाना एवं शांति भंग हो, इस तरह का कृत्य आरोपियों ने किया है। तेलंगाना में केंद्रीय गृह मंत्री ने आरक्षण के संदर्भ में भाषण दिया था।

जिसमें बात को बदलकर भ्रमित कर देने वाला गलत संदेश लोगों तक फेक वीडियो के जरिये पहुंचाया गया। इस फेक वीडियो को दाहोद में आम आदमी पार्टी के प्रमुख राकेश बारिया ने 27 अप्रैल को फेसबुक पर पोस्ट किया था।

उत्तराखंड में प्रदूषण रोकने की नायाब पहल

यात्रियों को अपने साथ वापस लाना होगा अपना कचरा

देहरादून, 02 मई (एजेंसियां)।

चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को अपना कूड़ा करकट अपने साथ अपने बैग में वापस लाना होगा। तीर्थ यात्रियों के लिए एक गाइड लाइन उत्तराखंड सरकार ने जारी की है, इसमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कुछ वाहनों को चारधाम क्षेत्र में प्रतिबंधित किया गया है।

परिवहन सचिव अरविंद हयांकी ने बताया है कि चारधाम यात्रा मार्ग पर ट्रैक्टर ट्राली डीजे वाहन आदि लाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ ही सार्वजनिक वाहनों को अपना पंजीकरण शुल्क देकर कराना होगा और प्रत्येक वाहन को प्रदूषण प्रमाण पत्र लेना होगा साथ ही एक बैग वाहन में कूड़ा करकट के लिए रखना अनिवार्य किया गया है। टैक्सी चालकों, बस ड्राइवर को तय वर्दी में रहना होगा। बड़े वाहनों में म्यूजिक सिस्टम केवल कंडक्टर सीट से संचालित होगा। ड्राइवर को म्यूजिक सिस्टम चलाने की अनुमति नहीं दी गई है। परिवहन सचिव ने बताया कि यात्री हिमालय क्षेत्र में कूड़ा करकट न फैलाएं इस लिए हर वाहन में एक बैग रखना अनिवार्य किया गया है।

कार्टून कॉर्नर

पाकिस्तान की संसद में उठा हिंदुओं पर अत्याचार का मामला

हिंदू लड़कियों को अगवा कर खुलेआम किया जा रहा निकाह

इस्लामाबाद, 02 मई (एजेंसियां)।

शासन के संरक्षण में कराया जा रहा जबरन धर्मांतरण

शिकायतों का पाकिस्तान सरकार पर कोई असर नहीं

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में हिंदुओं का सरेआम दमन जारी है। लेकिन इस अत्याचार से कांग्रेस पार्टी और उसके इंडी गिरोह के सदस्यों को कोई लेना देना नहीं है। इस मसले को उठाने पर उन्हें वोट नहीं मिलेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं का सम्मान के साथ जीना मुहाल है। सबसे ज्यादा मुसीबत तो गांवों, कस्बों में रहने वाले गरीब हिंदू परिवारों की है जिनकी नाबालिग बच्चियों को मजहबी उन्मादी तत्व खुलेआम उठाकर ले जाते रहे हैं और उन्हें कन्वर्ट करके उनका अधेड़ उम्र के मुस्लिमों से निकाह कराते रहे हैं। पुलिस प्रशासन ऐसे मामलों पर चुप्पी ओढ़ लेता है या पीड़ित हिंदू परिवारों पर केस वापस लेने का दबाव बनाता है। कल पाकिस्तान की संसद में हिंदू सांसद दानेश ने इन सब बातों को खुलकर बयान किया।पाकिस्तान के सीनेटर दानेश कुमार ने पाकिस्तान में हिंदुओं, सिखों के घरों की लड़कियों का जबरन धर्मांतरण कराने की बढ़ती वारदातों की तरफ संसद का ध्यान खींचने की कोशिश की।

बांग्लादेश के मजहबी उन्मादी बना रहे हिंदुओं को निशाना

ढाका, 02 मई (एजेंसियां)।

भारत के पड़ोसी इस्लामी देश बांग्लादेश की राजधानी ढाका से हैरान करने वाला आंकड़ा सामने आया है। गत जनवरी माह में बांग्लादेश में आम चुनाव सम्पन्न हुए थे, जिनमें शेख हसीना एक बार फिर प्रधानमंत्री चुनी गई थीं। इन चुनावों का विपक्षी दल खालिदा जिया की बीएनपी और कट्टर मजहबी जमाते इस्लामी ने बहिष्कार किया था। बावजूद इसके, हसीना को बहुमत मिला और वे वहां प्रधानमंत्री बनी रहीं। अब उनकी सफलता से चिढ़े मजहबी उन्मादी फिर से हिंदुओं को हिंसा का निशाना बना रहे हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,500/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,900/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 37^0

न्यूनतम : 25^0

नीति, नेतृत्व विहीन है इंडिया गठबंधन: सीटी रवि

10 वर्षों में कर क्षेत्र में बड़ा सुधार हुआ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने सवाल किया कि कांग्रेस का नेता कौन है? बेलगावी में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने पूछा कि आपकी इंडी यूनियन का नेता कौन है? आपके पास कोई नैतिकता नहीं है। उन्होंने आलोचना की कि वहां कोई नेतृत्व नहीं है। उन्होंने आपत्ति जताई कि आपकी बातें साबित करती हैं कि आपकी नीति क्या है। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान की बात करते थे। लेकिन हर जगह नफरत फैला रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि भाजपा का घर बर्बाद हो जाए। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसा लगता है कि वे चाहते हैं कि भाजपा, जिसका सबसे ज्यादा राज्यों में सत्ता है, सबसे ज्यादा लोगों ने मतदान किया, सबसे ज्यादा सांसद और विधायक हैं, नष्ट हो जाएं तो भारत नष्ट हो जाए। बुधवार को कांग्रेस पार्टी के कागवाड निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने कहा था कि अगर मोदी मर जाएंगे तो कोई और प्रधानमंत्री बन जाएगा। साथ ही उन्होंने वोटरों को धमकी देते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को कम लीड मिली तो हम बिजली काट देंगे। रवि ने कहा कि राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान के प्यार भरे शब्द हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूरु में अपने अपार्टमेंट में एक बैठक में बात की और बताया कि अगर उन्होंने कांग्रेस को वोट नहीं दिया, तो पानी और स्वच्छता एक समस्या होगी। मंत्री शिवराज थंगाडगी ने मोदी का नाम लेने वाले युवाओं को थप्पड़ मारने की बात कही है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री की तुलना जहरीले सांप से की है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री द्वारा बोले गए शब्दों का इस्तेमाल यहां नहीं किया जा सकता। कर्नाटक में पहले चरण का चुनाव हो गया और कुछ ही दिनों में दूसरे चरण का चुनाव होगा। उन्होंने बताया कि बीजेपी जनता के सामने 3 मुद्दे रखकर वोट मांग रही है। हम अपनी पार्टी की नीति, पार्टी नेतृत्व और अपनी प्रतिबद्धता बता रहे हैं। देश पहले, सबका साथ, सबका विकास हमारी नीति है। गरीबों को सशक्त बनाना हमारी नीति है। उन्होंने बताया कि हमारी नीति प्रशासन में संविधान की इच्छा को लागू करना और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। भारत और भारतीयों को सुरक्षित रखना, भारत को नंबर 1 आर्थिक शक्ति बनाना हमारी नीति है। उसी के अनुरूप हमने अपना प्रदर्शन दिखाया है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में कर क्षेत्र में बड़ा सुधार हुआ और परिणामस्वरूप भारत जीडीपी वृद्धि के मामले में दुनिया की 5वीं शक्ति बन गया। भारत, जो एक कमजोर आर्थिक शक्ति थी, आज इस मुकाम तक पहुंच गया है। जो चीजें देश के लिए हानिकारक थीं, उन्हें हमने आवश्यक संशोधनों के माध्यम से बदला है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाली धारा 370 को हटाकर हमने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारे के साथ भारत को संविधान के तहत प्रशासनिक और भावनात्मक रूप से एकजुट करने का काम किया है।

हमारा नेतृत्व वह नेतृत्व है जिसकी दुनिया प्रशंसा करती है

बैंकिंग सेक्टर में भी बड़ा सुधार हुआ है। गतिशक्ति योजना के तहत हमने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 3 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और भारत को भविष्य की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया है। हमारा नेतृत्व वह नेतृत्व है जिसकी दुनिया प्रशंसा करती है। वैश्विक नेताओं ने हमारे नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रपति ने एक सार्वजनिक सभा में कहा था कि मोदी बॉस हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और यूक्रेन के राष्ट्रपति सहित कई नेताओं ने एक लोकप्रिय नेता के रूप में मोदी की प्रशंसा की है। उन्होंने भरोसा जताया कि लोग बीजेपी का समर्थन करेंगे। इस मौके पर बेलगावी ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुभामी पाटिल, प्रमुख मुरगेंद्र, एमबी जिरली, राज्य मीडिया समिति के सदस्य सरथ हेगड़े, सिद्दन गौड़ा, बेलगावी जिला मीडिया समन्वयक हनुमंत कोंगले, भाजपा नेता चंद्रकांत उपस्थित थे।

अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल रेवन्ना उच्चतम सजा के हकदार: वीरप्पा मोइली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने कहा कि निलंबित जद (एस) नेता प्रज्वल रेवन्ना अश्लील वीडियो मामले में अपनी संलिप्तता के लिए उच्चतम सजा के हकदार हैं। मोइली ने बताया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासन के दौरान देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी दुनिया में सबसे कम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा क्योंकि रेवन्ना लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए के उम्मीदवार हैं। राजनेता होने के नाते हमें इस पर शर्म आती है। वह और जिसने भी उसके साथ मिलीभगत की, वह उच्चतम सजा का हकदार है। वह (पीएम मोदी) कहते हैं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मुझे लगता है कि नरेंद्र मोदी को अपना सिर नीचे कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और जद (एस) के वरिष्ठ नेता एचडी देवेगौड़ा ने मैसूरु में प्रज्वल रेवन्ना के साथ मंच साझा किया। भाजपा और जद(एस) लोकसभा चुनाव सहयोगी के रूप में लड़ रहे हैं। मोइली ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी दुनिया में सबसे कम है। मामले के संबंध में सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ लुक-आउट नोटिस जारी किया गया है, जबकि उन्होंने पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए और समय मांगा है।

मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरिहंत अवेंजर्स ने जीता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांठा प्रांत युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा आयोजित केपीपीएल 6 मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरिहंत अवेंजर्स ने जीत लिया। एमजी कॉलोनी स्थित रेलवे ग्राउंड में आयोजित रोमांचक फाइनल मुकाबले में अरिहंत अवेंजर्स टीम ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाकर श्री स्ट्राइकर को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रवीण सुराणा को प्रतियोगिता का मैन ऑफ द सीरीज, प्रतीक सहलोत को बेस्ट बल्लेबाज तथा प्रवीण सुराणा को बेस्ट गेंदबाज चुना गया।

मुख्य अतिथि भारतीय सेना के मेजर प्रदीप सहलोत ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर मन में कुछ करने का जज्बा हो तो दुनिया का कोई भी कार्य कठिन नहीं है। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने परिषद के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अपने वक्तव्य में कहा स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। खेलकूद से शारीरिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास तो होता ही है भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, मंत्री सिद्धार्थ बोहरा एवं अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों एवं सहयोगियों को सम्मानित किया।

कांग्रेस सरकार ने जैसा कहा वैसा नहीं किया: नारायण स्वामी

दलितों के साथ धोखा किया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के सदस्य चलवाडी नारायणस्वामी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य कांग्रेस सरकार ने वादे के मुताबिक काम नहीं किया है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार वो सरकार नहीं है जैसा वो कहते थे। इसने गारंटी को लेकर कहा कुछ तो किया कुछ। लेकिन उन्होंने लोगों को डिलीवरी की गारंटी नहीं दी। कांग्रेस सरकार ने दलित समुदायों को कोई गारंटी नहीं दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने दलितों के विकास के लिए आवंटित 25,386 करोड़ रुपये का इस्तेमाल गारंटी योजनाओं में कर दलितों के साथ धोखा किया है। इस सवाल का जवाब न तो मुख्यमंत्री और न ही अन्य लोग देने को तैयार हैं। दलितों को गरीब बनाए रखना, सिर्फ वोटों के लिए उनका इस्तेमाल करना और उन्हें गुलाम बनाना कांग्रेस की चाल है। उन्होंने कहा कि यह दलितों के साथ किया गया धोखा है।

यह लोकसभा चुनाव है। यहां राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन सिद्धरामैया को लगता है कि यह चुनाव भी एक राज्य का चुनाव है। वे देश की परवाह नहीं करते, वे केवल गारंटी की बात करते हैं और सुबह से रात तक झूठ बोलते हैं। उन्होंने सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ दुष्प्रचार किया। कांग्रेस ने देश के लिए क्या किया, ये बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बारे में बात किए बिना उन्होंने तुच्छ मुद्दे उठाए और केवल प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का अपमान करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों को बीजेपी या मोदी की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उनका आरोप है कि बीजेपी सत्ता में आने पर संविधान बदल देगी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने खुद स्पष्ट कर दिया है कि संविधान को बदला नहीं जा सकता।

पूर्व मंत्री एन महेश ने आरोप लगाया कि हार की हताशा के कारण कांग्रेस नेता बेवजह शोर मचा रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को एकवचन में बुलाया और कांग्रेस के एक अन्य दिग्गज नेता राजू कागे ने मोदी के बारे में अपमानजनक शब्द कहे। युवा लोग प्यार से मोदी-मोदी बुलाते हैं। उन्होंने कहा कि यह दस साल के स्वच्छ प्रशासन और विश्वास हासिल करने का नतीजा है। यह सवाल करते हुए कि क्या यह संविधान को बदलने की पाठ्यपुस्तक है, उन्होंने कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान संविधान को निलंबित करके अन्याय करने का आरोप लगाया। प्रज्वल रेवन्ना मामले में, महेश ने इंटरनेट पर प्रसारित होने वाले वीडियो क्लिप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

राजनीतिक लाभ के लिए हो रही साजिश: सूरज रेवन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना ने आरोप लगाया कि हासन के पेन ड्राइव मामले में राजनीतिक लाभ के लिए साजिश की गई है। होलेनरसीपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना को कमजोर किए जाने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

उन्हें संकट में डालने की साजिश रची गयी है। उन्होंने कहा कि वह राजनीति के लिए कुछ भी करेंगे। भले ही रेवन्ना के खिलाफ एक हजार एफआईआर दर्ज हों, लोग जानते हैं कि वह क्या हैं, हासन जिले और होलेनरसीपुर तालुक के लोग जानते हैं कि रेवन्ना क्या हैं। रेवन्ना ने इस तरह की राजनीति नहीं की। यह राजनीतिक द्वेष से किया जा रहा है।

उन्होंने दुख जताया कि आरोप उनके परिवार पर लगाए गए। पेन ड्राइव के बारे में कोई जानकारी नहीं है। सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी नियुक्त की है। उस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करुंगा। उन्होंने कहा कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना का हासन में कोई विरोध नहीं है। कोई कुछ भी कहे, जांच के बाद सच्चाई पता चल जायेगी। जेडीएस कार्यकर्ताओं में कोई भ्रम नहीं है, हमने बुधवार को भी पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक की थी। उन्होंने कहा कि हम अपना काम कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सूरज ने कहा चाहे कोई कुछ भी करे, एसआईटी बनती है, किस मकसद से बनती है, इंतजार कीजिए और देखिए इसमें क्या साबित होता है। मैं अनुदान और एलओसी के संबंध में हमारे जिले के प्रतिनिधि के रूप में जनवरी में डी.के.शिवकुमार से मिला। हम पिछले डेढ़ महीने से चुनाव कार्यों में व्यस्त हैं, हम बेंगलूरु नहीं गए। हमें डीके शिवकुमार या किसी अन्य राजनेता से मिलने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह सच है कि हम अपने जिले के विकास को लेकर पहले डीके शिवकुमार से मिले थे।

दो दिवसीय जीतो ग्रोथ समिट 8 जून से

पैलेस ग्राउंड में होगा विशाल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन एक वैश्विक संस्था है जो समाज के आर्थिक सशक्तिकरण, ज्ञान, सेवा और सामाजिक उत्थान को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। इस वर्ष जीतो बेंगलूरु की 17वीं वर्षगांठ है, और इस मील के पत्थर को मनाने के लिए आने वाली 8 और 9 जून को दो दिवसीय जीतो ग्रोथ समिटका भव्य आयोजन बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड स्थित चामरावज्रा में होगा। इस विशाल आयोजन की घोषणा करते हुए जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि 2007 में अपनी स्थापना के बाद से जीतो बेंगलूरु ने पिछले और वर्तमान दोनों अध्यक्षों और निर्देशकों के गतिशील नेतृत्व में लगातार प्रगति की है और राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा अर्जित की है। उन्होंने बताया कि पिछले 17 वर्षों में जीतो बेंगलूरु ने चार प्रमुख कनेक्ट इवेंट आयोजित किए हैं, जिनमें 2010 में जीतो ग्रोथ समिट, 2014 में जीतो कनेक्ट, 2018 में जीतो ग्रोथ समिट एवं 2022 में जीतो ग्रैंड समिट शामिल है। जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा आयोजित होने वाले इस जीतो ग्रोथ समिट जैसे विशाल आयोजन के बारे में बताया कि समिट में कई तरह की गतिविधियाँ शामिल होंगी, जिसमें 2030 के रुझान, एक बिजनेस पवेलियन, बिजनेस कॉन्फ्रेंस, युवा और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, जेपीएफ नेशनल कॉन्क्लेव, प्रेरक वक्ता और एक मेगा ट्रेड फेयर शामिल है। जिसमें विभिन्न व्यवसायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 250 स्टॉल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एक जैन पवेलियन, जीतो पवेलियन और जॉब मेला भी होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले व्यापार मेले व्यवसाइयों के लिए फायदेमंद साबित हुए हैं। शिखर सम्मेलन में उद्योग के नेताओं, विशेषज्ञ पेशेवरों और सलाहकारों की प्रेरक वार्ता भी शामिल होगी, जो व्यापार मेले को पूरक बनाएगी और आवश्यक लोगों को आकर्षित करेगी। जीतो बेंगलूरु साउथ के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने बताया कि ग्रोथ समिट का उद्देश्य उद्योग जगत के दिग्गजों, उद्योगपतियों और नवोन्मेषी उद्यमियों को नवीनतम उद्योग रुझानों और प्रथाओं का पता लगाने और बेहतर व्यावसायिक परिणामों को बढ़ावा देने के लिए एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ समिट में भाग लेने वाले व्यवसाइयों को अनेकों दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे, जिसमें मसलन व्यापार नेटवर्किंग के लिए एक मजबूत मंच, अपने ब्रांड को प्रदर्शित करने का मौका, अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के अवसर, अपने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और अपने व्यवसाय की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के अवसर शामिल है। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ, महिला विंग तथा युवा विंग का पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीएम ने सिर्फ चुनाव के दौरान कर्नाटक दौरे को लेकर पीएम मोदी पर हमला बोला

गीता शिवराजकुमार के समर्थन में मांगे वोट

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर केवल चुनाव के दौरान कर्नाटक को याद करने और दौरा करने के लिए हमला किया, जबकि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की दुर्दशा पर प्रतिक्रिया देने की जहमत नहीं उठाई। शिवमोग्गा में पूर्व मुख्यमंत्री एस बनग्रप्पा की बेटी और कन्नड़ अभिनेता शिवराजकुमार की पत्नी गीता शिवराजकुमार के समर्थन में कांग्रेस पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्प के बेटे के रूप में भाजपा में एक शक्तिशाली व्यक्ति होने के बावजूद भाजपा सांसद बी वाई राघवेंद्र के योगदान पर सवाल उठाया। उन्होंने गीता शिवराजकुमार की जीत की भविष्यवाणी करते हुए कहा जब राज्य को केंद्र से धन के हस्तांतरण या जिले के विकास के लिए अन्याय का सामना करना पड़ रहा था तो भाजपा सांसद बी वाई राघवेंद्र ने संसद में या बाहर अपना मुंह नहीं खोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सांसद के रूप में बी वाई राघवेंद्र का चुनाव बर्बाद था क्योंकि वह राज्य के 25 भाजपा सांसदों के साथ चुप रहे और राज्य के हित के लिए नहीं लड़े। उन्होंने कहा कि मोदी को कर्नाटक और वहां के लोग केवल चुनाव के दौरान याद आते हैं और राज्य को भूल जाते हैं। मोदी ने राज्य के लिए कुछ नहीं किया जब वह बाढ़, जलप्रलय और गंभीर सूखे का सामना कर रहा था। मोदी के 10 साल के शासन में कर्नाटक को अन्याय और सौतेले व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भाजपा अन्य राज्यों में भी हार जाएगी। मोदी ने जिस अच्छे दिन का वादा किया था वह बिल्कुल भी नहीं आया है। महंगाई बढ़ रही है और लोग महंगाई से त्रस्त हैं। किसानों ने अपनी आय दोगुनी नहीं देखी है और इसके बजाय उन्हें जीवित रहने की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सिद्धरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार की केंद्र से सूखा राहत निधि की मांग भीख नहीं बल्कि राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के तहत एक अधिकार है। कर्नाटक को पिछले 100 वर्षों में सबसे खराब सूखे में से एक का सामना करना पड़ा है।

48 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई और कुल नुकसान 35,000 करोड़ रुपये से अधिक हुआ। राज्य ने 18,171 करोड़ रुपये की सूखा राहत निधि मांगी थी। भले ही केंद्र ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद अनुरोध की गई धनराशि का बमुश्किल एक चौथाई हिस्सा जारी किया है, सरकार ने अपने स्वयं के फंड से 34 लाख किसानों को 2,000 रुपये वितरित किए हैं। रैली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केपीसीसी प्रमुख डी के शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य नेता शामिल हुए।

पांच दिवसीय रामोत्सव का शुभारंभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बलिजा श्री बालरामचंद्र मंदिर ट्रस्ट, सुनतकेरे के तत्वावधान में पांच दिवसीय रामोत्सव का शुभारंभ किया गया। श्रीबाल रामचंद्र की प्रतिमा के समक्ष पूजा अर्चना की गई। महिला मंडली ने देवगीत गाए। पूजा आयोजन में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, बलिजा श्रीबालरामचंद्र मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष भरत कुमार, उपाध्यक्ष राघवेंद्र एमएस, सचिव हर्षा एस, कोषाध्यक्ष उदयराजू तथा देविका, सलाहकार गुब्बीगुड़ी रमेश सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

शिवमोग्गा रैली में पीएम मोदी पर बरसे राहुल गांधी

सामूहिक बलात्कारी प्रज्वल रेवन्ना को बचाने का लगाया आरोप

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो मामले को लेकर गुरुवार को पीएम मोदी पर निशाना साधा और सुझाव दिया कि 400 महिलाओं से बलात्कार के आरोपी रेवन्ना का समर्थन करने के लिए पीएम को महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने रेवन्ना मामले की गंभीरता पर जोर दिया, और आरोपी को ऐसे व्यक्ति के रूप में संदर्भित किया जिसने कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से इस मुद्दे को संबोधित करने और प्रभावित महिलाओं से माफी मांगने का आह्वान किया। राहुल गांधी, जो हासन लोकसभा क्षेत्र में एनडीए के उम्मीदवार थे, जहां हाल ही में 26 अप्रैल को मतदान हुआ था, ने रेवन्ना और एनडीए के बीच सहयोग पर प्रकाश डाला, और पिछले साल सितंबर से एनडीए के साथ जद (एस) के गठबंधन की ओर इशारा किया। कर्नाटक में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी पर एक सामूहिक

बलात्कारी का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक की हर महिला को रेवन्ना के खिलाफ गंभीर आरोपों के बावजूद पीएम के समर्थन के बारे में पता होना चाहिए। इसके अलावा, राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं को रेवन्ना के कार्यों के बारे में पूरी जानकारी थी, फिर भी उन्होंने प्रज्वल से जुड़े विवाद के बावजूद जद (एस) के साथ गठबंधन बनाकर उनका समर्थन करना चुना। यह कहते हुए कि पीएम, गृह मंत्री अमित शाह और सभी भाजपा नेताओं को देश की हर महिला से माफी मांगनी चाहिए, राहुल गांधी ने सामूहिक बलात्कार के आरोपी के लिए वोट मांगने के कृत्य की निंदा की। राहुल गांधी ने भाजपा की विचारधारा की भी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी सत्ता के लिए गठबंधन करने और सिद्धांतों से समझौता करने को तैयार है। पूर्व प्रधान मंत्री और जद (एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना पर यौन शोषण के आरोप हैं, जिसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) शुरू किया है। हाल के दिनों में हासन में 33 वर्षीय सांसद से जुड़े कई स्पष्ट वीडियो क्लिप सामने आए हैं। हालांकि प्रधानमंत्री के पास

नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए

गृहलक्ष्मी के मॉडल पर राष्ट्रीय स्तर पर महालक्ष्मी योजना लागू की जाएगी। जैसे ही हम सत्ता में आते हैं, इसे लागू करने और देश के हर गरीब परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पहले से ही एक सूची तैयार की जा रही है। प्रत्येक परिवार से एक महिला का नाम लिया जा रहा है और उसके खाते में प्रति वर्ष 1 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा और हर महीने 8,500 रुपये का भुगतान सीधे उसके बैंक खाते में किया जाएगा। राज्य में गृहलक्ष्मी की महिला लाभार्थियों को प्रति वर्ष 24 हजार रुपये और महालक्ष्मी की ओर से 1 लाख रुपये के साथ कुल 1.24 लाख प्रति वर्ष भुगतान कर दिया जायेगा। राहुल गांधी ने मांग की है कि संविधान पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के हमले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि शिवमोग्गा में कांग्रेस उम्मीदवारों की ओर से प्रचार करने वाले नक्सली हैं जो दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और पीड़ितों के लिए बोलते हैं। उन्होंने कहा कि इससे संविधान पर हमला किया गया है।

खुफिया एजेंसी और विदेश मंत्रालय सहित कई संगठन हैं, लेकिन उन्होंने प्रज्वल रेवन्ना को विदेश भागने की इजाजत दे दी। हमारी सरकार इस घोटाले में निष्पक्ष कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि लोग बदलाव चाहते हैं। मोदी ने पिछले 10 साल से सिर्फ 22 लोगों के लिए काम किया है। बजट का पैसा अडानी अंबानी जैसे लोगों की जेब में गया है। उनके 16 लाख करोड़ कर्ज माफ हुआ। अगर मोदी कुछ लोगों को करोड़पति बना रहे हैं तो हमारा लक्ष्य देश में हर किसी को करोड़पति बनाना है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पंचखत्री योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया है।

चुनावी सीजन के दौरान

जात-पात का मुद्दा उठाकर आम जनता को बहला रहे प्रधानमंत्री: पाटिल

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो।

बागलकोट लोकसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी संयुक्ता पाटिल के क्षेत्र के नरगुन्द में चुनावी सभा का आयोजन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए राज्य के कपडा एवं एपीएमसी मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को देश के आर्थिक हालत के बारे में नगण्य जानकारी है। चुनावी सीजन के दौरान हर जगह जात-पात का मुद्दा उठाकर आम जनता को बहला फुसला रहे है। प्रधानमंत्री जब सरकार में आये थे तब एक जुमला दिया था कि वे 2 करोड़ लोगों को रोजगार देंगे। वह बात तो युवाओं के लिए स्वप्न मात्र बन कर रह गई। लोगों से संयुक्ता पाटिल को वोट देने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा बागलकोट लोकसभा के साथ कांग्रेस कर्नाटका से 20 से ज्यादा सीटे जीतेगी। कर्नाटका प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्याध्यक्ष, धारवाड़ विधायक विनय कुलकर्णी ने कहा भाजपा सीबीआई, ईडी सहित अन्य सरकारी एजेंसियों के माध्यम से लोगों को डरा धमका कर जितना चाहती है। परन्तु आम जनता इस बार समझ गयी है और वो कांग्रेस को वोट देकर जिताएगी। इस दौरान राज्य के पूर्व मंत्री बी आर. यावगल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्पसंख्यक कल्याण कार्यक्रम समिति के सदस्य महेन्द्र सिंघी, हुडा के पूर्व चयरमैन अनवर मुधोल, पारसमल जैन, विवेक यावगल, गिरीश सुंकड सहित अन्य उपस्थित थे। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी संयुक्ता पाटिल ने सभी से ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने का आग्रह किया।

एसआईटी की नोटिस पर प्रज्वल रेवन्ना पेश नहीं हुए तो होगी गिरफ्तारी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कथित अश्लील वीडियो मामले में हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने के लिए समय मांगने के एक दिन बाद, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने जद (एस) नेता की गिरफ्तारी की संभावना का संकेत दिया। उन्होंने कहा यदि सांसद पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं होते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। यहां गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि मामले में लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। यह सूचित किया गया है कि उन्हें (प्रज्वल रेवन्ना को) एसआईटी के सामने पेश होना होगा। नोटिस दिए जाने के बाद उन्हें (एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना को) पेश होना होगा। अगर वे पेश नहीं होते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। यह

घटनाक्रम प्रज्वल रेवन्ना द्वारा जांच टीम के सामने पेश होने के लिए और समय मांगने के एक दिन बाद आया है। रेवन्ना पर उनकी पूर्व नौकरानी की शिकायत के बाद 28 अप्रैल को कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। यौन उत्पीड़न, धमकी और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में आईपीसी की धारा 354ए, 354डी, 506 और 509 के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, पीड़िता ने दावा किया है कि प्रज्वल रेवन्ना और उसके पिता एचडी रेवन्ना ने उसका यौन उत्पीड़न किया। रेवन्ना पार्टी सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। इस मामले में आरोपी एचडी रेवन्ना ने पहले कहा था मुझे पता चला है कि नोटिस दिया गया है। मैं किसी भी चीज का सामना करने के लिए तैयार हूं। मैं एसआईटी का सामना करने के लिए तैयार हूं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जारी राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने और कानून का सामना करने के लिए उनकी वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश दें।

एसआईटी ने हवाई अड्डों पर प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर किया जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने गुरुवार को लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। ऐसा रेवन्ना को मंगलवार को दिए गए उपस्थिति के नोटिस के बाद अधिकारियों के सामने उपस्थित होने में विफल रहने के बाद हुआ है। लुकआउट सर्कुलर पूरे भारत में सभी आव्रजन बिंदुओं पर जारी किया गया है, जिसका अर्थ है कि जैसे ही प्रज्वल हवाई अड्डों, समुद्री बंदरगाहों या सीमा चौकियों पर किसी भी आव्रजन बिंदु पर रिपोर्ट करेगा, उसे हिरासत में ले लिया जाएगा। यह घटनाक्रम प्रज्वल द्वारा एसआईटी के उस नोटिस का पालन करने में विफल रहने के बाद आया है, जिसमें उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था। 1 मई को, प्रज्वल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया कि वह इस समय बेंगलूरु से बाहर हैं और उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेंगलूरु सीआईडी को यह बता दिया है। उन्होंने

लिखा चूंकि मैं पूछताछ में शामिल होने के लिए बेंगलूरु में नहीं हूं, इसलिए मैंने अपने वकील के माध्यम से सीआईडी बेंगलूरु को सूचित कर दिया है। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। उन्होंने अपने वकील अरुण द्वारा लिखा गया एक पत्र भी पोस्ट किया, जिसमें मामले की जांच के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा गया था। प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं, और कई महिलाओं द्वारा उन पर यौन शोषण करने और उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए दुर्व्यवहार का वीडियो बनाने का आरोप लगाने के बाद उन्होंने कथित तौर पर देश छोड़ दिया। कथित तौर पर प्रज्वल के राजनीतिक विरोधियों द्वारा महिलाओं के धुंधले चेहरों वाले वीडियो को व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। अनुमान है कि क्लिप की संख्या 3,000 तक है जिसमें 70 से अधिक महिलाओं की धुंधली फुटेज है, जिनमें जद (एस) पार्टी कार्यकर्ता, जद (एस) कार्यकर्ताओं की पत्नियां, लोक सेवक, मीडियाकर्मी और कई अन्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 27 अप्रैल को इस मामले की जांच के लिए एसआईटी से जांच कराने की घोषणा की कि वीडियो किसने फैलाया। पार्टी कार्यकर्ताओं की कोर कमेटी की बैठक में उन्हें हटाने की मांग के बाद प्रज्वल को 30 अप्रैल को जद (एस) से निलंबित कर दिया गया था। जून 2023 में, सांसद ने अदालत से एक प्रतिबंध आदेश प्राप्त किया, जिसमें अधिकांश मीडिया को उनके खिलाफ अपमानजनक लेख, वीडियो की रिपोर्ट करने से रोक दिया गया। वह एनडीए उम्मीदवार के रूप में हासन से सांसद के रूप में फिर से चुने जाने को देख रहे हैं, और देवराजे गौड़ा, जो 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा के होलेनरसिपुरा के उम्मीदवार थे, ने कहा कि उन्होंने 8 दिसंबर, 2023 को प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को पत्र लिखकर प्रज्वल को उसके हिंसक व्यवहार के कारण नामांकित नहीं करने की चेतावनी दी थी।

मामला दर्ज होने के डर से युवक ने की आत्महत्या

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कमलापुर तालुक के लदामुगुली गांव में जातिगत दुर्व्यवहार का मामला दर्ज होने के डर से एक युवक ने आत्महत्या कर ली। निखिल पुजारी (23) नामक युवक ने लदामुगुली गांव के बाहरी इलाके में एक खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस गांव में चार दिन पहले मेला लगा था। इसी दौरान मामूली बात को लेकर दोनों समुदाय के युवकों के बीच हंगामा हो गया। हंगामे के बाद ग्रामीणों की मौजूदगी में समझौता हो गया। समझौते के बाद भी दूसरे गुट ने निखिल पुजारी व अन्य के खिलाफ नरोना थाने में शिकायत दर्ज करायी। निखिल व अन्य के खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार का मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के डर से निखिल पुजारी नाम के युवक ने गांव के बाहर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

सूरज की गर्मी से 2 हजार मुर्गियां मरीं

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

सूरज की प्रचंड गर्मी से लोग बिलबिला रहे हैं और घरेलू जानवर भी धूप से मर रहे हैं। इसी बीच कोलार जिले के बंगारपेट तालुक में लू से दो हजार से ज्यादा मुर्गियां मर गईं। मुरुगन नामक व्यक्ति के मुर्गी फार्म में धूप के कारण मुर्गियां मर गईं और आजीविका के लिए

मुर्गियां पालने वाला मुरुगन परिवार तबाह हो गया। अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण कुत्ते, बिल्ली, भेड़, मुर्गियां और पक्षी जैसे घरेलू जानवर भी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मर रहे हैं। राज्य भर में गर्म हवा देखी गई है, तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

सूरज की बढ़ती तपिश ने लोगों को किया हैरान

तरबूज, शीतल पेय की बढ़ी मांग

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिक्कबल्लापुर जिला वर्तमान में धूप वाली भूमि में बदल रहा है और जिले में धूप का तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो रहा है। धूप के तापमान के संपर्क में आने वाले झील-तट के रेक सूख गए हैं। मवेशियों समेत जानवरों के पीने के पानी पर भी असर पड़ा है। सूरज की गर्मी को सहन करने में असमर्थ लोगों ने अपनी प्यास बुझाने के लिए तरबूज फल और ठंडे पेय का सहारा लिया है, लेकिन वे अभी भी गर्म तापमान से जूझ रहे हैं। पिछले वर्षों में एक-दो बार बारिश हुई थी और जमीन ठंडी हो गई थी। लेकिन इस बार मई का महीना आ जाने के बावजूद सूरज की चमक दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक तरफ जहां लोग घर से बाहर निकलने के लिए बेचैन रहते हैं, वहीं घर में ठंड होने पर भी

इंसान के शरीर से एक पल के लिए पसीना छूटने लगता है। जिले का तापमान जो पहले 26-28 डिग्री था, कुछ दिनों से अचानक 36 से 38 डिग्री तक पहुंच गया है और चिलचिलाती धूप से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। चिलचिलाती धूप के कारण लोगों को सड़क पर चलने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है और महिलाओं व युवतियों के अलावा पुरुष भी छाते का इस्तेमाल कर रहे हैं। डामर की सड़कें तेज धूप उगल रही हैं। सूरज की बढ़ती तपिश ने लोगों को हैरान कर दिया है और बिजली कटौती के कारण लोग बिना पंखा और एसी चलाए न तो घर में रह सकते हैं और न ही बाहर आ सकते हैं। चिक्कबल्लापुर-कोलार-बेंगलूरु ग्रामीण जिला एक मैदानी इलाका है, जहां कोई नदी प्रवाह नहीं है और बच्चों से लेकर वयस्कों तक हर जगह सूरज की तपिश है। दिनभर चिलचिलाती धूप से बचने की जद्दोजहद करने वाले लोग रात में घर के अंदर ही सोने को मजबूर हैं। तेज धूप के कारण चर्म रोग सहित संक्रामक रोगों का भय रहेगा। शरीर में पानी की कमी से मांसपेशियों में ऐंठन,

सन स्ट्रोक, किडनी, हृदय रोग का खतरा होता है। सनबर्न के लिए पानी की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में उल्टी और पेचिश जैसी बीमारियाँ सामने आ रही हैं। अशुद्ध जल के सेवन से हैजा जैसी बीमारियाँ फैलने का डर रहता है। जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. महेश कुमार समय-समय पर प्रकाशन के माध्यम से जागरूकता पैदा कर रहे हैं। सूरज की किरणें निकलते ही शुरू होने वाली चिलचिलाती गर्मी को सहन करने में असमर्थ लोग अपने शरीर को ठंडक देने और अपनी प्यास बुझाने के लिए तरबूज के फल, ताजा पानी, छाछ, शीतल पेय और जूस की तलाश में रहते हैं। धूप से होने वाली प्यास और प्यास को बुझाने के लिए लोग तरबूज फल का सहारा ले रहे हैं तो वहीं जूस और आइसक्रीम की मांग भी बढ़ रही है। पूरे शहर में भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बस अड्डों, सड़कों के किनारे, कार्यालयों, बैरंगों के पास तरबूज बेचने वाली गाड़ियों पर तरबूजों के ढेर लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। हालाँकि, एक ऐसी स्थिति बन गई है जो सूर्य के तापमान को सहन नहीं कर सकती है।

कर्नाटक के मंत्री ने प्रज्वल रेवन्ना की तुलना भगवान कृष्ण से करके खड़ा किया विवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के आबकारी मंत्री रामप्पा तिम्मापुर ने हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जो वर्तमान में यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, और भगवान कृष्ण के बीच कथित तौर पर समानताएं दिखाकर विवाद को जन्म दे दिया है। उन्होंने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना भगवान कृष्ण से आगे निकलना चाहते थे, जो अपनी भक्ति के कारण महिलाओं से घिरे रहते थे। हमने देश में इतनी गंदी सोच कभी नहीं देखी, उन्होंने शायद सोचा था कि वह गिनीज रिकॉर्ड बना सकते हैं। महिलाएं अपनी भक्ति के कारण श्रीकृष्ण के साथ रहती थीं, लेकिन इस तरह नहीं। प्रज्वल रेवन्ना शायद उनका रिकॉर्ड तोड़ना चाहते थे। जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने और उन्हें अपने फोन पर रिकॉर्ड करने का आरोप लगाया गया है। 28 अप्रैल को, एक 47 वर्षीय महिला ने सांसद, जो पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते भी हैं, के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उन पर उसे और उसकी बेटी को परेशान करने का आरोप लगाया। कुछ ही देर बाद और भी महिलाएं शिकायत लेकर सामने आईं। प्रज्वल को 30 अप्रैल को पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। उन पर यौन कृत्य करते समय 70 से अधिक महिलाओं की लगभग 3,000 वीडियो क्लिप फिल्माने का आरोप है। एडीजीपी बीके सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) आरोपों की जांच करेगी और यह भी जांच करेगी कि वीडियो प्रसारित करने के लिए कौन जिम्मेदार था। एसआईटी की ओर से उनके परिवार को नोटिस भेजा गया था और उन्हें टीम के सामने पेश होने के लिए कहा गया था।

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने खोले कई राज

स्कूल भर्ती घोटाले के बारे में जानती थीं ममता

कोलकाता, 02 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बीच टीएमसी के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष के दावे से सियासी पारा चढ़ गया है। टीएमसी के महासचिव पद से हटाए जाने के बाद घोष ने पार्टी के राज खोलने शुरू कर दिए हैं। उन्होंने दावा किया है कि विधानसभा चुनाव 2021 से पहले ही पार्टी और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को स्कूल भर्ती घोटाले के बारे में पता था। घोष का पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाला यह बयान लोकसभा चुनाव के बीच आया है, इससे संसदीय चुनाव में एसएससी घोटाला एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

कुणाल घोष टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाते हैं। घोष ने बुधवार को भाजपा उम्मीदवार के साथ मंच साझा किया था। इस दौरान उन्होंने भाजपा उम्मीदवार की तारीफ भी की, जिसके कुछ घंटों बाद ही पार्टी ने घोष को पद से हटा दिया था। कुणाल घोष ने एक इंटरव्यू में कहा, 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी जानती थी कि स्कूल शिक्षा विभाग

में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। नौकरी के बदले वसूली की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि 2021 में पार्टी के लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद और भ्रष्टाचार का पता होने के बाद पार्थ चटर्जी को उद्योग विभाग से शिक्षा मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया।

घोष की यह टिप्पणी कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के एक सप्ताह बाद आई है, जिसमें कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) को अमान्य करार दिया था। साथ ही एसए-लएसटी के माध्यम से की गई सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया था। कोर्ट के फैसले के बाद 26 हजार लोगों की नौकरी चली गई है। इस मामले में टीएमसी नेतृत्व ने कहा था कि 2022 में चटर्जी की गिरफ्तारी होने तक पार्टी को घोटाले के बारे में जानकारी नहीं थी।

टीएमसी नेता पार्थ चटर्जी की एसएससी घोटाले में संलिप्तता पाए जाने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें जुलाई 2022 में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद टीएमसी ने भी उन्हें पार्टी से निकाल दिया और मंत्रिमंडल से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं, घोटाले में कथित संलिप्तता पाए जाने पर सीबीआई ने कई टीएमसी नेताओं, टीएमसी विधायक माणिक भट्टाचार्य और जीवन कृष्ण साह को भी गिरफ्तार किया था।

आईएसआईएस में भर्ती होने जा रहा कश्मीरी पकड़ा गया

जम्मू सीमा पर घुसपैठिया मारने के बाद बीएसएफ अलर्ट

जम्मू, 02 मई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया से जुड़ने जा रहे एक स्थानीय युवक वसीम अहमद शेख को गिरफ्तार कर लिया। वसीम को कश्मीर में ऐसे युवकों को चिह्नित करने का जिम्मा सौंपा गया था था। जो आईएसआईएस से जुड़े रहे कश्मीर के पुराने संगठन अंसार उल गजवा ए हिंद (एयूजीएच) में शामिल होने के लिए तैयार हों। दूसरी ओर जम्मू सीमा पर एक घुसपैठिए को ढेर करने के बाद बीएसएफ का कहना है कि पाक सेना सीमा पर लूप होलों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि वसीम अहमद शेख जिला बडगाम के अंतर्गत बीरवाह का रहने वाला है। वह इंटरनेट मीडिया के जरिए पाकिस्तान व अन्य मुल्कों में सक्रिय आतंकी हैंडलरों के साथ लगातार संपर्क में था। उससे पूछताछ से जुड़े सूत्रों ने बताया कि वसीम अहमद शेख कट्टर जिहादी मानसिकता रखता है। वह कोई तर्क नहीं मानता।

पुलिस प्रवक्ता ने वसीम अहमद शेख की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि तीन दिन पहले एक मुखबिर से पता चला था कि आईएसआईएस ने कश्मीर में एयूजीएच का नेटवर्क फिर से तैयार करने का षडयंत्र रचा हुआ है। इसके लिए वह नए सिरे से कैडर की भर्ती की कोशिश हो रही है। इस बीच जम्मू सीमा पर घुसपैठिए को ढेर करने के मामले को लेकर बीएसएफ जम्मू फ्रंटियर के आईजी डीके बूरा ने कहा किहमारे जवानों ने सीमा पार कुछ हलचल देखी और उस पर नजर रखी। उसने (घुसपैठिए ने) पहले सीमा पार की और जब उसने अंदर घुसने की कोशिश की, तो हमारे जवानों ने उसे चुनौती दी और रुकने को कहा, लेकिन वह सीमा की ओर आता चला गया। इसके बादी जवानों ने गोलीबारी की।

घुसपैठिये से कोई बड़ी बरामदगी नहीं हुई है। ऐसा लगता है कि उसे सिर्फ रेकी के लिए भेजा गया था। बीएसएफ के अधिकारी भी सीमा पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। पाकिस्तान की पोस्ट चक भूरा के सामने से घुसपैठ करवाई जा रही थी। पाक की ओर से अब तक कोई जवाबी कार्रवाई की सूचना नहीं मिली है और कोई अन्य मामला भी सामने नहीं आया है।

पंजाब में संत समाज के प्रवक्ता बाबा बलविन्द्र सिंह खालसा की हत्या

बटाला, 02 मई (एजेंसियां)। पंजाब के सीमावर्ती बटाला इलाके में विगत देर रात्रि थाना घुमाण के अंतर्गत आते गांव अठवाल में दमदमी टकसाल के 13वें मुखी संत करतार सिंह खालसा के भजीते, संत समाज के मुख्यवक्ता और गुरुद्वारा गुरु अमरदास साहिब अठवाल पुल के मुखी बाबा बलविन्द्र सिंह खालसा की उनके ही एक सेवादार ने तेजधार हथियार से हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलने के बाद डीआईजी राकेश कौशल, एसपी (डी) रमनिन्द्र सिंह, डीएसपी श्री हरगोबिन्दपुर साहिब राजेश कक्कड़, थाना घुमाण के एसएचओ बिक्रमजीत सिंह व अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया

और बाबा बलविन्द्र सिंह के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस संबंधी और जानकारी देते हुए डीआईजी राकेश कौशल ने बताया कि रमनजीत सिंह निवासी सलाहपुर जो कि बाबा बलविन्द्र सिंह जी का सेवादार था, विगत रात्रि बाबा बलविन्द्र सिंह जी के कमरे में उनकी सेवा कर रहा था।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि बाबा बलविन्द्र सिंह व रमनजीत सिंह की किसी बात को लेकर तकरार हो गई थी जिसके बाद रमनजीत सिंह ने बाबा बलविन्द्र सिंह की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि बाकी रमनजीत सिंह की गिरफ्तारी के बाद ही इस हत्या के असल कारणों का पता चल सकेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बाबा बलविन्द्र सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सिविल अस्पताल बटाला में भेज दिया है। पुलिस ने रमनजीत सिंह के विरुद्ध थाना घुमाण में हत्या का केस दर्ज कर दिया है और जल्द ही पुलिस द्वारा उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अनंतनाग-राजौरी सीट पर वोटिंग की तारीख बढ़ाने की मांग जारी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 02 मई।

अनंतनाग-राजौरी सीट की मतदान तारीख बढ़ाने पर शुरू हुआ बवाल अभी भी थमा नहीं है। तारीख आगे बढ़ाने पर बवाल इसकी घोषणा के साथ ही शुरू हो गया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव आयोग ने तारीख आगे बढ़ाई, उन्हें बधाई। उन्होंने इस सीट से पार्टी की जीत की संभावनाओं पर कहा, हमें लोगों पर और अल्लाह पर पूरा भरोसा है। इतना ही नहीं, चुनाव तारीख आगे बढ़ाने के फैसले के खिलाफ पीडीपी प्रदर्शन भी कर रही है। पीडीपी नेता नईम अख्तर ने यह भी आरोप लगाया है कि अनंतनाग-राजौरी सीट को धार्मिक और जातिगत मतभेदों का फायदा उठाने के मकसद से भाजपा के आदेश पर बनाया गया था।

जानकारी के लिए जम्मू कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर वोटिंग की तारीख आगे बढ़ गई है। पहले इस सीट पर तीसरे चरण यानी 7 मई को वोटिंग होनी थी। लेकिन अब चुनाव आयोग ने इसे आगे बढ़ाकर छठे चरण यानी 25 मई कर दिया है। चुनाव आयोग का तर्क था कि जम्मू कश्मीर की कई राजनीतिक पार्टियों ने अनंतनाग-राजौरी सीट पर वोटिंग की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी। इस सीट पर कुल 21 उम्मीदवार मैदान में हैं!

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट में अब कुल 18 विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें से 11 कश्मीर और 7 पुंछ और राजौरी में हैं। इस सीट पर कुल 18.30 लाख वोटर्स हैं, जिनमें से लगभग 11 लाख कश्मीर और 7.35 लाख जम्मू रीजन में हैं। अनंतनाग सीट में जम्मू के कुछ इलाकों को शामिल करने से यहां की डेमोग्राफी भी बदलने की बात कही जा रही है।

अनंतनाग में जो कश्मीरी इलाके पड़ते हैं, वहां ज्यादातर आबादी मुस्लिम है। जबकि, पुंछ और राजौरी में गुज्जर और बक्करवाल समुदाय के लोग ज्यादा हैं। पुंछ और राजौरी में जो गुज्जर-बक्करवाल के लोग हैं, उन्हें अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया गया है। पुंछ और राजौरी की अनुमानित 11.19 लाख आबादी में 5 लाख गुजर-बक्करवाल हैं। इनके आने से मुस्लिम बहुल अनंतनाग सीट में करीब 20 फीसदी आबादी गुजर और बक्करवाल की होने की संभावना है। उनके अलावा पुंछ और राजौरी में पहाड़ी, डोगरा, हिंदू और सिख समुदाय की भी अच्छी-खासी आबादी है। अनंतनाग राजौरी सीट पर 50 फीसदी कश्मीरी और 50 फीसदी पहाड़ी और गुज्जर-बक्करवाल वोटरों के होने का अनुमान है।

भाजपा अनंतनाग-राजौरी सीट पर किसी उम्मीदवार को नहीं उतारा है। इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती मैदान में हैं. उनके अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी ने जफर इकबाल मन्हास तो नेशनल कॉन्फ्रेंस ने मियां अल्ताफ को यहां से उतारा है। इस सीट पर वोट कटने के भी आसार हैं। अपनी पार्टी को पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वोट में सेंधमारी करने की उम्मीद है। वोट बंटने की इसलिए भी संभावना है, क्योंकि इंडिया ब्लाक की दो पार्टियां- नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, दोनों ही यहां से चुनाव लड़ रहीं हैं।

पीडीपी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भी तारीख आगे बढ़ाने की आल-ोचना करते हुए जम्मू कश्मीर प्रशासन पर गलत रिपोर्ट भेजने का आरोप लगाया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि चुनाव आयोग ने वोटिंग की तारीख आगे बढ़ा दी, जिससे मेरे लिए प्रचार करना मुश्किल हो गया है। पार्टी के गरीब कार्यकर्ता अपनी जेब से खर्च कर रहे हैं और हमारे लिए प्रचार कर रहे हैं। अब उन्हें 25 दिन और काम करना होगा। परिसीमन आयोग ने जब अनंतनाग-राजौरी सीट को नए सिरे से तय किया तो उस वक्त भी कश्मीर घाटी में खासा हंगामा हुआ था। तब जम्मू कश्मीर में पहले से स्थापित पार्टियों ने आरोप लगाया कि कश्मीर घाटी में अपनी राजनीतिक उपस्थिति को दर्ज करवाने के लिए भाजपा ने ये पैंतरा आजमाया है, ताकि जम्मू रीजन के वोट के जरिए वो कश्मीर में भी दाखिल हो सके।

दिल्ली महिला आयोग की 223 कर्मचारी बर्खास्त

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली महिला आयोग के कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई की है। एलजी विनय कुमार सक्सेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली महिला आयोग के 223 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। एलजी के आदेश पर दिल्ली महिला आयोग ने अपने 223 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।

दरअसल, ये सभी कर्मचारी वो कर्मचारी हैं जिनकी नियुक्ति दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल

ने की थी। आरोप है कि दिल्ली महिला आयोग की तत्कालीन अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने नियमों के खिलाफ जाकर बिना इजाजत उनकी नियुक्ति की थी। आदेश में दिल्ली महिला आयोग अधिनियम का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है कि आयोग में केवल 40 पद ही स्वीकृत हैं और डीसीडब्लू को अनुबंध पर कर्मचारी रखने का अधिकार नहीं है। दिल्ली महिला आयोग विभाग के एडिशनल डायरेक्टर की ओर से जारी इस आदेश में यह भी कहा गया है कि नई नियुक्तियों से पहले जरूरी पदों का कोई मूल्यांकन नहीं किया गया और न ही अतिरिक्त वित्तीय बोझ के लिए अनुमति ली गई। बता दें कि यह कार्रवाई फरवरी 2017 में तत्कालीन उपराज्यपाल को सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

दिल्ली महिला आयोग के कर्मचारियों को हटाने के आदेश ऐसे समय में आया है, जब लोकसभा इलेक्शन चल रहे हैं। साफ तौर पर आम आदमी पार्टी की तरफ से उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की इस कार्रवाई पर विरोध के स्वर उठ सकते हैं। अब सबसे जरूरी सवाल यह खड़ा होता है कि हर सरकारी नियुक्ति के लिए वित्त विभाग समेत कई दूसरे विभगों से परमिशन लेनी होती है। ऐसे में किस तरह से 200 से ज्यादा कर्मचारियों की नियुक्त कर लिया गया। इतना ही नही, इन सभी को इतने दिनों से काम कैसे करने दिया गया।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने 5 जनवरी, 2024 को डीसीडब्ल्यू के पद से इस्तीफा दे दिया था। उनको आम आदमी पार्टी ने नॉमिनेट करके राज्यसभा भेजा था। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जिन 223 कर्मचारियों को पद से हटाने का आदेश दिया है, उन्हें स्वाति मालीवाल के कार्यकाल के दौरान रखा गया था। स्वाति मालीवाल यह आरोप हैं कि उन्होंने नियमों की अनेदखी करके कर्मचारियों की भर्ती की थी।

पश्चिम बंगाल के पांच में से तीन इलाकों में भाजपा भारी

कोलकाता, 02 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण में पश्चिम बंगाल की 42 में से 4 सीटों पर 7 मई को मतदान होगा। राज्य में मुख्य मुकाबला टीएमसी और भाजपा के बीच है। बंगाल की राजनीति में क्षेत्रीय समीकरण कितना मायने रखता है और इसका क्या असर पड़ेगा, यह जानना भी जरूरी है।

भारतीय जनता पार्टी का पश्चिम बंगाल में 42 संसदीय क्षेत्रों में से 18 पर जीत हासिल करना 2019 के लोकसभा चुनावों में काफी आश्चर्यजनक था। 2014 के चुनावों में भाजपा ने राज्य में केवल दो सीटें जीतीं थी। उस लिहाज से पश्चिम बंगाल में 2019 के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए काफी उत्साहजनक थे। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन फिर वैसा नहीं रहा। इस लिहाज से 2024 का लोकसभा चुनाव पश्चिम बंगाल में काफी दिलचस्प रहने वाला है। पश्चिम बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सीट शेयर 42.9 प्रतिशत था, लेकिन 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में यह केवल 26.2 प्रतिशत रह गया।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा की ताकत राज्य को अगर पांच भागों में बांट कर आंकी जाए तो पता चलता है कि दक्षिण बंगाल को छोड़ कर तृणमूल कांग्रेस का गढ़ कहीं नहीं है। बाकी सभी जगह भाजपा हावी है। एक बर्दवान में दोनों बराबरी पर हैं। देखें नीचे का टेबल

इस विश्लेषण में पश्चिम बंगाल के 19 जिलों के आधार पर राज्य को पांच क्षेत्रों में बांटा गया।

हालांकि, राज्य में जिलों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। जिन 19 जिलों के आधार में राज्य को पांच इलाकों में बांटा गया है वे इस तरह हैं- उत्तर बंगाल (कूच बिहार, दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी), मध्य बंगाल (मालदह, मुर्शिदाबाद और उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर), दक्षिण बंगाल (हुगली, हावड़ा, कोलकाता और उत्तर और दक्षिण 24 परगना), बर्दवान (बर्धमान, बीरभूम और नादिया) और जंगलमहल (बांकुरा, पुरुलिया और पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर)। राज्य के 42 लोकसभा क्षेत्रों में से 15 दक्षिण बंगाल में हैं। यहां 2019 में तृणमूल ने 13 और भाजपा ने केवल दो सीटें जीती थीं। टीएमसी के दबदबे वाला यह राज्य का एक मात्र इलाका है। यह इलाका टीएमसी और भाजपा दोनों के लिए ही अहम है।

2019 के लोकसभा चुनाव में जिन क्षेत्रों में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को पछाड़ दिया था, वहां 2021 में टीएमसी आगे निकल गई। इसके साथ, दक्षिण बंगाल में उसने अपना दबदबा बनाए रखा। बस, उत्तर बंगाल में वह भाजपा से आगे नहीं निकल सकी। यह देखते हुए 2024 के चुनावों में भाजपा की चुनौती बहुत बढ़ जाती है। पार्टी को 2019 जैसा परिणाम पाने के लिए दक्षिण बंगाल के बाहर टीएमसी पर अपनी बढ़त हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए।

अफसरों को माथे पर चढ़ा कर शैक्षिक माहौल खराब कर रहे हैं नीतीश

बिहार में सुधार के नाम पर शिक्षा का बंटाधार

पटना, 02 मई (एजेंसियां)। साहब ईमानदार से कामदार होने के बाद नामदार हो गए। संकटमोचक की जगह संकटकारक बन गए। यहां चर्चा हो रही है बिहार कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) केके पाठक की, जो अपने अड़ियल और अलोकतांत्रिक रुख, गैर-जरूरी हस्तक्षेप और तुगलकी फरमानों की वजह से पिछले दस महीनों से सुर्खियों में हैं। पाठक की कार्यशैली और उनके खिलाफ कार्रवाई का मामला मुख्यमंत्री सचिवालय, राजभवन, विधानमंडल के बाद अब केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव तक पहुंच गया है। बीते दिनों स्कूलों की समय सारिणी को लेकर पाठक की जिद के चलते सदन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी फजीहत झेलनी पड़ी थी।

सूबे की बदहाल शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर पटरी पर लाने के उद्देश्य से केके पाठक को अपर मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था। पिछले वर्ष जून में उनके पदभार संभालने के बाद उम्मीद की किरण भी जगी, लेकिन कुछ दिनों के बाद ही उनके काम करने के तौर-तरीकों से लगने लगा कि शिक्षा में सुधार की जगह शिक्षा का बंटाधार हो रहा है। आलम यह है कि कड़ाके की सर्दी में स्कूलों को बंद रखने का जिलाधिकारी का आदेश मानने से इनकार करने वाले पाठक आज शिक्षक-छात्र से लेकर जन प्रतिनिधियों तक की आंखों की किरकिरी बन चुके हैं। एक ओर राजभवन और शिक्षा विभाग के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर जारी टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है, तो दूसरी ओर शिक्षा विभाग के आदेश से सरकारी शिक्षण संस्थानों का वित्तीय संकट गहराता जा रहा है। पाठक की अजीबोगरीब कार्यशैली से विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है।

ताजा मामला बिहार के विश्वविद्यालयों के बैंक खाते फ्रीज किए जाने का है। इसके चलते तीन महीने से 3,500 प्राध्यापक, 2,800 शिक्षकेत्तर

कर्मचारी, 3,000 से अधिक सेवानिवृत्त प्राध्यापक, 1,400 अतिथि प्राध्यापक और 2,500 संविदा कर्मचारियों का वेतन और पेंशन बंद है। उनके दैनिक कार्यों पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इसका सीधा असर छात्रों के पठन-पाठन पर पड़ा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल के अनुसार, पाठक का अड़ियल रवैया 26 लाख विद्यार्थियों का भविष्य बिगाड़ रहा है। विश्वविद्यालयों के निर्णयों में उनकी अनावश्यक दखलंदाजी से अकादमिक और प्रशासनिक संकट पैदा हो गया है। बैंक खातों पर रोक से उत्पन्न वित्तीय संकट के कारण पहले से तय परीक्षाएं स्थगित हो गई हैं। विश्वविद्यालयों और उससे संबद्ध महाविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियों, शैक्षणिक सत्रों, परीक्षा कार्यों एवं प्रशासनिक कार्यों पर प्रतिकूल असर दिख रहा है।

शिक्षा विभाग के मातहत आने वाले जिला शिक्षा कार्यालय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुके हैं। केंद्र सरकार समग्र शिक्षा अभियान के तहत हर साल सरकारी स्कूलों को विकास के लिए अनुदान देती है। इस राशि से स्कूलों की रंगाई-पुताई, बेंच-डेस्क की मरम्मत और पंखे-स्टेशनरी की खरीद-री की जाती है। स्कूल के खाते में पैसा आने के बाद जिला शिक्षा कार्यालय के अधिकारी कमीशनखोरी के लिए हेडमास्टर पर अपने चहेते ठेकेदार (वेंडर) से ही विकास का काम कराने का दबाव डालते हैं। मधुबनी के मधेपुर स्थित एक विद्यालय के हेडमास्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कमीशनखोरी की वजह से काम की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भविष्य में कोई विवाद न हो, इसके चलते पिछले साल उन्होंने सिर्फ 12 प्रतिशत राशि खर्च की। 88 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार के खाते में लौट गई। हेडमास्टर ने बताया कि केके पाठक जितना ध्यान शिक्षकों और स्कूलों पर दे रहे हैं, उसका एक तिहाई भी जिला शिक्षा कार्यालय पर दे दें तो पूरे बिहार की शिक्षा व्यवस्था सुधर जाएगी। इस दिशा में वे अब तक नाकाम साबित हुए हैं।

पाठक का एक और फैसला संदेह के घेरे में है। उन्होंने चार एजेंसियों को हर जिले में आउटसोर्सिंग के जरिये अतिथि शिक्षकों और अस्थायी कर्मचारियों की बहाली का ठेका दे दिया। इसमें पारदर्शिता और आरक्षण के रोस्टर का पालन तक नहीं किया गया। भाकपा (माले) के विधायक संदीप सौरभ ने सरकार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि बहाली में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितता की जा रही है। कुछ शिक्षकों ने भी दबी जुबान से माना कि आउटसोर्सिंग के जरिये पैसे लेकर क्षेत्र विशेष के लोगों को नौकरी दी गई। यह सब पाठक की नाक के नीचे हुआ।

हिंदू आस्था से खिलवाड़ के पीछे हार की खिसियाहट: सीएम योगी

भगवान श्रीराम और भगवान शिव पर कांग्रेस के वक्तव्य की निंदा

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा भगवान राम और शिव पर दिए गए वक्तव्य पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 में बुरी तरह पराजित हो रही है और हार की इसी खिसियाहट को वह बहुसंख्यक हिंदू समाज की आस्था को अपमानित कर, उसके साथ खिलवाड़ कर व्यक्त कर रही है। मैनपुरी, एटा और फिरोजाबाद में चुनावी जनसभा के लिए निकलने से पूर्व अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास इस प्रकार के कृत्यों से भरा पड़ा है, लेकिन इन सबके बावजूद चुनाव के समय इस तरह के संवेदनशील मुद्दों को उठाकर कांग्रेस भारत की आस्था के साथ-साथ बहुसंख्यक समाज को अपमानित करने का काम कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि आपस में बांटों और राज करो ये कांग्रेस की पुरानी प्रवृत्ति रही है और अंग्रेजों की उस विरासत को ही अब वह आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उसने जाति के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया है और आगे भी लगातार वह इस प्रकार के कृत्यों को अपना रही है। उसके इलेक्शन मैनिफेस्टो में भी समाज को जातीय आधार पर बांटने का प्रयास किया गया है। देश के अंदर एससी, एसटी, ओबीसी के अधिकार को वह कैसे अल्पसंख्यकों को बांटने की कुत्सित चेष्टा का हिस्सा बन रही है, इसका स्पष्ट उदाहरण कांग्रेस के मैनिफेस्टो में नजर आता है। इसीलिए कांग्रेस अपनी हार की खिसियाहट को किसी न किसी रूप में हिंदू आस्था के साथ खिलवाड़ करके व्यक्त करना चाहती है।

सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म की उपासना विधि में राम और शिव दोनों अलग-अलग नहीं हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने स्वयं शिव की उपासना की और रामचरित मानस में देखेंगे तो भगवान शिव ने भी श्रीराम की उपासना की। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रभु राम कहते हैं कि 'शिवद्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा', यानी यदि कोई भगवान शिव का द्रोही है और वह मेरा दास, मेरा भक्त कहलाने का दंभ पाल रहा है तो मैं सपने में भी उसे प्राप्त नहीं हो सकता। ऐसा ही भगवान शिव भी कहते हैं। स्वाभाविक रूप से कांग्रेस की वास्तविकता सामने आ रही है। भारत की सनातन परंपरा को अपमानित करना, उसको लांछित करना, भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करना, ये कांग्रेस की प्रवृत्ति है और कांग्रेस अध्यक्ष को जो कांग्रेसी संस्कार प्राप्त हुए हैं वही बात वह अपने भाषणों में कर रहे हैं। वो भगवान राम और भगवान शिव को आपस में लड़ाने का कार्य कर रहे हैं। उनका यह वक्तव्य अत्यंत ही निंदनीय है।

सीएम योगी ने साथ ही ये भी कहा कि हम इस बात को जरूर ध्यान में रखें कि हमारे शास्त्र इस बात का प्रमाण हैं कि शिव का द्रोही हो या राम का द्रोही, उसका पराभव, उसका पतन अवश्य हुआ है। ये कांग्रेस के पतन की एक नई शुरुआत है और कांग्रेस इस प्रकार के स्तरहीन वक्तव्यों को देकर हिंदू आस्था के साथ तो खिलवाड़ कर ही रही है लेकिन अपने कृत्यों से कांग्रेस को इतिहास की वस्तु बनाने की ओर भी कांग्रेस का नेतृत्व उसे धकेल रहा है। मुझे लगता है प्रभु श्रीराम और देवाधिदेव महादेव शिव इनको सद्बुद्धि देंगे कि कम से कम जब कांग्रेस को लोग विसर्जन करने पर तुले ही हैं तो अब तो वह सच का रास्ता अपना ले।

गोंडा से मिला बृजभूषण के बेटे करण भूषण को टिकट

गोंडा, 02 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को कैसरगंज प्रत्याशी घोषित कर तमाम तरह के कयासों पर विराम लगा दिया। कैसरगंज के बहुचर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट दिया गया है। उनके बेटे करण भूषण सिंह को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में करण भूषण सिंह पहली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर किस्मत अजमाएंगे।

शुक्रवार नामांकन के लिए आखिरी तिथि निर्धारित है। करण भूषण सिंह उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। इससे पहले वह भारतीय कुश्ती महासंघ के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों के यौन शोषण जैसे गंभीर आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के मामले की दिल्ली के एक कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पिछले कई दिनों से कैसरगंज सीट पर भाजपा की ओर से प्रत्याशी की घोषणा नहीं हो सकी थी। गुरुवार को भाजपा ने कैसरगंज की सूची जारी कर दी।

छह बार के सांसद व 12 साल तक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे बृजभूषण शरण सिंह के स्थान पर उनके बेटे करण भूषण सिंह (33) को अपना उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के टिकट पर करण भूषण सिंह पहली बार लोकसभा चुनाव में दावेदारी करेंगे। शुक्रवार को नामांकन की आखिरी तिथि के दौरान अपना पर्चा दाखिल करेंगे। भाजपा की सूची जारी होने से पूर्व संकेत मिलते ही करण भूषण सिंह के नाम पर उनके प्रतिनिधि जनार्दन तिवारी ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर चार सेट नामांकन पत्र खरीदा। कैसरगंज सांसद के बड़े बेटे और गोंडा सदर से भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने ह्वाट्सएस ग्रुप पर जानकारी साझा की थी।

भाजपा ने दिनेश सिंह को रायबरेली से प्रत्याशी बनाया

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन की तारीख खत्म होने के एक दिन पूर्व भाजपा ने दिनेश प्रताप सिंह को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। 2019 के चुनाव में दिनेश प्रताप सिंह सोनिया गांधी के खिलाफ इसी सीट से ताल ठोंक चुके हैं। इस बार ऐसा माना जा रहा था कि प्रियंका गांधी के लड़ने की दशा में भाजपा कोई बड़ा चेहरा उतार सकती है। रायबरेली सीट पर नामांकन की अंतिम तारीख 3 मई है लेकिन अभी तक पार्टी की ओर से कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है।

प्रदेश के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह को दूसरी बार भाजपा ने चुनाव मैदान में उतारा है। इससे पूर्व 2019 के लोकसभा चुनाव में भी दिनेश प्रताप सिंह को ही भाजपा ने टिकट दिया था। 2019 लोकसभा का चुनाव भले ही दिनेश जीत न पाएं हों, लेकिन उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सोनिया गांधी को कड़ी टक्कर दी थी। इससे सोनिया गांधी की जीत का अंतर कम हो गया था।

रायबरेली लोकसभा सीट पर चुनाव जीतने के लिए भाजपा इस बार शुरुआती दौर से ही जोर आजमाइश कर रही है। काफी समय से टिकट घोषणा को लेकर असमंजस की स्थिति चल रही थी। कभी वरुण गांधी तो कभी पूर्व मंत्री मनोज कुमार पांडेय समेत अन्य दावेदारों के चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थी। इन अटकलों पर बृहस्पतिवार को पूर्ण विराम लग गया।

भाजपा ने स्थानीय चेहरे पर दूसरी बार दांव लगाते हुए दिनेश प्रताप सिंह को ही चुनाव मैदान में उतार दिया। दिनेश प्रताप सिंह कभी कांग्रेस में थे, लेकिन वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर लिया था। पार्टी ने उन्हें चुनाव मैदान में भी उतारा था। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दिनेश ने तीन लाख 64 हजार 450 मत हासिल किए थे, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी सोनिया गांधी को पांच लाख 31 हजार 741 मत मिले थे।

दिनेश के नाम का ऐलान होते ही भाजपाइयों में खुशी की लहर दौड़ गई। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा किया। साथ ही सभी ने एक स्वर में कहा कि वर्ष 2024 लोकसभा का चुनाव भाजपा ही जीत हासिल करेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी ने दिनेश प्रताप सिंह को टिकट दिए जाने की पुष्टि की।

अवैध मदरसे से 21 बच्चों को मुक्त कराया गया

छोटे बच्चों को दी जा रही थी जेहाद की तालीम

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। दुबग्गा के अवैध मदरसे से बाल आयोग की टीम ने 21 बच्चों को मुक्त कराया। इनमें से अधिकतर बिहार के हैं, जिन्हें दस दिन पहले ही यहां लाया गया था। ग्रामीणों की शिकायत पर टीम ने यह कार्रवाई की। उन मासूम बच्चों को कट्टरपंथ और जेहाद की तालीम दी जा रही थी।

अंधे की चौकी के कशमंडी रोड स्थित लालनगर खेड़ा गांव में बिना रजिस्ट्रेशन के मदरसा जमी आतुल कासिम अल इस्लामिया चल रहा था। ग्रामीणों ने बाल आयोग को शिकायत कर बताया कि मदरसे में छोटे-छोटे बच्चों को रखकर कट्टरपंथी तालीम दी जा रही है। दो कमरों के मदरसे में बच्चे मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। इस पर बाल आयोग की टीम बुधवार शाम यहां पहुंची। टीम ने देखा कि दो कमरों में 24 बच्चे रह रहे हैं। इनमें से 21 को मुक्त करवाकर बाल आयोग भेजा गया। बचे तीन बच्चे मदरसा संचालक मौलाना इरफान के हैं, जो उन्हें सौंप दिए गए। मौलाना का साथी शिक्षक सैफुल्लाह भी यहां काम करता है। दोनों बिहार के दरभंगा के गयारी थाना बिरौल के रहने वाले हैं।

बाल आयोग की सदस्य सुचिता चतुर्वेदी ने बताया कि इरफान आजमगढ़ के दरियापुर गांव निवासी जीशान का मकान किराये पर लेकर मदरसा चला रहे थे। टीम की पूछताछ में बच्चे अपना पता नहीं बता सके। हालांकि, यह कहा कि वे बिहार के रहने वाले हैं। बच्चों ने यह भी बताया कि मौलाना जन्नत जाने की तालीम देते थे। कहते थे कि इससे मां और पिता की याद नहीं आती।

बाल आयोग की सदस्य ने बताया कि मदरसे को मिलने वाली फंडिंग, आर्थिक संसाधन सहित अन्य की गहनता से जांच की जाएगी। टीम ने जब डायरी में हिंदी में लिखने के लिए कहा तो मदरसा संचालक और मौजूद शिक्षक ने बताया कि उन्हें सिर्फ उर्दू आती है। बाल आयोग की टीम को मदरसे का पंजीकरण नहीं मिला। यहां शौचालय, पीने के पानी, अग्निशमन उपकरण, प्राथमिक इलाज आदि का इंतजाम भी नहीं था। महिला आयोग की सदस्य सुचिता चतुर्वेदी का कहना है कि इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, पुलिस प्रशासन, रेलवे, जीआरपी, परिवहन के साथ संयुक्त बैठक हो और रणनीति बनाकर कार्रवाई की जाए। मदरसों में बच्चों पर अत्याचार से जुड़े हुए कई प्रकरण सामने आ रहे हैं।

बसपा ने जारी की छह और उम्मीदवारों की लिस्ट

लखनऊ, 02 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इसमें छह प्रत्याशियों के नाम है। कैसरगंज सीट पर बसपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला है। साथ ही आजमगढ़ सीट पर बसपा ने अपना उम्मीदवार बदल दिया है।

गुरुवार को जारी लिस्ट में बसपा की इस लिस्ट में कैसरगंज, डुमरियागंज, गोंडा, संत कबीरनगर, बाराबंकी और आजमगढ़ सीट से प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट पर हो रहे उप-चुनाव के लिए भी उम्मीदवार के नाम का एलान किया है। बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में है।

बसपा ने कैसरगंज सीट पर ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए नरेंद्र पाण्डेय को उतारा है। आजमगढ़ में प्रत्याशी बदलकर मशहूद अहमद को उम्मीदवार घोषित किया है। गोंडा से सौरभ कुमार मिश्रा, डुमरियागंज से मोहम्मद नदीम मिर्जा, संतकबीर नगर से नदीम अशरफ और बाराबंकी से शिव कुमार दोहरे को मैदान में उतारा है।

गौरतलब है कि बसपा ने आजमगढ़ सीट से तीसरी बार प्रत्याशी बदला है, सबसे पहले इस से सीट पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को मैदान में उतारा गया था, लेकिन बाद में उन्हें सलेमपुर सीट से टिकट दिया गया।

इसके बाद बसपा ने आजमगढ़ सीट से शबीहा अंसारी को टिकट दिया था। अब उनकी जगह उनके पति मशहूद अहमद को बसपा ने टिकट दिया है।

बसपा ने इस लिस्ट में तीन मुस्लिम चेहरों पर दांव लगाया है। दो ब्राह्मणों को टिकट दिया है। एक आरक्षित सीट पर अनुसूचित जाति के प्रत्याशी को टिकट दिया है। बसपा की ओर से उम्मीदवारों की यह 11वीं सूची है। इससे पहले 10 सूची जारी की गई हैं, अब तक बसपा 75 से ज्यादा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी है।

इससे पहले, 29 अप्रैल को बसपा ने यूपी की तीन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की थी। इस लिस्ट में पार्टी ने अमेठी, प्रतापगढ़ और झांसी के उम्मीदवार घोषित किए थे।

अमेठी से नन्हे सिंह चौहान, प्रतापगढ़ में प्रथमेश मिश्रा और झांसी में रवि प्रकाश कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया था। नामांकन से पहले पार्टी ने अमेठी से उम्मीदवार बदला था। एक दिन पहले 28 अप्रैल को ही अमेठी सीट पर रवि प्रकाश मौर्या को प्रत्याशी बनाया गया था। वह अयोध्या से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनकी जगह पर अब नन्हें सिंह चौहान पार्टी के प्रत्याशी होंगे।

पीएम मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ेगा विदूषक

वाराणसी, 02 मई (एजेंसियां)। मिमिक्री कलाकार श्याम रंगीला लोकसभा चुनाव में भी अपनी मजाकिया हरकतों से बाज नहीं आए। हास्य कलाकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेगा।

वाराणसी के लोगों ने कहा, जोकर के चुनावी मौसम में आने से मजा आएगा। कॉमेडियन श्याम रंगीला ने कहा, पीएम मोदी को उनकी ही बोली में जवाब देने के लिए वाराणसी आ रहा हूं। रंगीला चुनाव लड़ने की वजह में लोकतांत्रिक अधिकार गिनाना नहीं भूलते जबकि लोग उन्हें मजा लेने के लिए जानते हैं। रंगीला पहले आम आदमी पार्टी (आपा) में भर्ती हुआ था, कुछ समय बाद ही उसे लगने लगा कि वह तो प्रधानमंत्री से बराबरी कर सकता है।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने खाया विषाक्त पदार्थ, उपचार के दौरान तोड़ा दम

हाथरस , 02 मई (एजेंसियां)। कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के कस्बा मेंडू में पत्नी से विवाद के बाद पति ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कस्बा मेंडू निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति का 30 मई की देर रात को किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। इसके बाद इस व्यक्ति ने किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। यह देख परिजनों के होश फाख्ता हो गए। आनन-फानन परिजन उसे इलाज के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां 1 मई को इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

रील्स बनाने का विरोध किया तो पत्नी ने भाइयों संग मिलकर पति को पीटा, मौत

कानपुर , 02 मई (एजेंसियां)। पत्नी के देर रात तक घर से बाहर रहना और रील्स बनाने पर आपत्ति करना पति के दो सालों को नागवार गुजरा। दोनों ने बहन के साथ मिलकर अपने ही बहनोई को इतना पीटा की उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बहनोई के भाई की तहरीर पर पत्नी व सालों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। बेकनगंज निवासी मोहम्मद अफजाल (35) कपड़ों की सिलाई का काम करते थे। भाई शाह फैसल ने बताया कि 30 अप्रैल को मोहम्मद अफजाल अपनी पत्नी कायनात उर्फ सोनी और उसके भाइयों मन्नू व लल्लू के साथ जाजमऊ में नुमाइश देखने गया था। वहां से वह किवदईनगर लाल कॉलोनी स्थित ससुराल चले गए। यहीं पर देर रात तक घर से बाहर रहने और रील्स बनाने को लेकर उसकी पत्नी कायनात से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर पत्नी ने उसकी कमाई पर सवाल करते हुए उल्टा जवाब दे दिया तो नौबत धक्का मुक्की तक आ गई।

इस बीच कायनात के दोनों भाइयों मन्नू और लल्लू ने अफजाल को पीटना शुरू कर दिया। पिटाई से हालत बिगड़ने पर सभी उसे इलाज के लिए उर्सला अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फैसल का कहना था कि उर्सला में डॉक्टरों ने हैलट रेफर कराने की बात कही थी लेकिन आरोपियों ने जानबूझकर रेफर नहीं किया। मौत की सूचना पर बेकनगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पति देर रात तक घर से बाहर रहने और रील बनाने का विरोध करने पर पीटने की आरोपी कायनात और दोनों साले घर छोड़कर भाग गए। एसीपी अनवरगंज ने बताया कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

मृतक मोहम्मद अफजाल के भाइयों की तहरीर पर पत्नी और उनके सालों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गायनीकोमैस्टिया का भी है कारगर इलाज

कुछ पुरुषों के सीने पर फैट टिश्यूज बहुत ज्यादा संचित हो जाते हैं। इस कारण उनका सीना बेडौल नजर आने लगता है। इस स्थिति को गायनीकोमैस्टिया कहा जाता है, जिसका अब कारगर इलाज उपलब्ध है... गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त या फिर किसी पर्यटनस्थल पर शर्ट उतारते वक्त। इस स्थिति में उनका आत्मविश्वास घट जाता है और उन्हें बेडौल सीने को लेकर शर्म महसूस होती है।

न हों परेशान: गायनीकोमैस्टिया को आसानी से ठीक किया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और सर्जिकल विधियों द्वारा अतिरिक्त वसा और ग्रंथि युक्त टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट करना पड़ता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निप्पल एरिया के निचले भाग में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला या ट्यूब को भीतर डाला जाता है। कितनी वसा निकालनी है, इसके आधार पर सर्जरी में 1 से 2 घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थीसिया देकर सर्जरी करनेपर मरीज को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

आधुनिक सर्जरी-पुल-थ्रू प्रोसीजर: यह एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए वसा या चर्बी और ग्रंथियुक्त टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान बाकी नहीं रहता। इससे तेजी के साथ रोगी ठीक होता है और कम से कम निशान दिखाई देते हैं। रोगी को उस जगह पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन का अनुभव होता है, किंतु ये सब परेशानियां कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती हैं। मरीज को कुछ दिनों के लिए काम से छुट्टी लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। शरीर को कस के रखने के लिए एक विशेष प्रकार का इलास्टिक कपड़ा चार से छह हफ्ते के लिए पहनाया जाता है। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है।

स्मार्ट बैंडेज से जल्द भरेगा जख्म

इन दिनों वैज्ञानिक ऐसा बैंडेज बनाने में जुटे हैं जिससे जख्म तेजी से भर सके। आमतौर पर घाव भरने में देरी के कारण संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। इसी वजह से वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने पर काम शुरू किया है। स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने स्मार्ट बैंडेज बनाने के लिए इलेक्ट्रोस्पिनिंग तकनीक का सहारा लिया है।

ऐसे काम करेगा: नई प्रक्रिया में विद्युत आवेशित नॉजल से मानव बाल से भी सौ गुना पतले पॉलीमर फिलामेंट को निकाला जाता है। इससे एक जाली बनाई जाती है जो जख्म में मौजूद बैक्टीरिया को अपनी ओर खींचते हैं। पहले चरण में पॉलीमर नैनोफाइबर को घाव के ऊपर लगाया जाएगा जो उसमें मौजूद संक्रमणकारी बैक्टीरिया को खत्म करने में सहायक होगा। फाइबर बैक्टीरिया से भी छोटे होंगे और इसमें चिपकते ही मर जाएंगे। दूसरे चरण में नैनोफाइबर पर अनेक यौगिक पदार्थों का लेप चढ़ाकर उसका एशरीकिया कोली बैक्टीरिया पर परीक्षण किया जाएगा। तीसरे चरण में टिश्यू-इंजीनियर्ड स्किन मॉडल पर इसका इस्तेमाल किया जाएगा।

रेनाड्स सिंड्रोम

उंगलियों की करें हिफाजत

रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग का प्रकोप सर्दियों के मौसम में ज्यादा होता है। वैसे तो इस बीमारी की रोकथाम संभव है, लेकिन अगर कोई शख्स किन्हीं कारणों से इस रोग से ग्रस्त हो ही गया, तो इसका समुचित इलाज संभव है। क्या है रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज...? जैसे-जैसे नए व्यवसाय खुलते जा रहे हैं, वैसे-वैसे रेनाड्स रोग फैलता जा रहा है। खाद्य संरक्षण उद्योग से जुड़े कर्मचारियों में रेनाड्स रोग की संभावना बढ़ रही है। ऐसा इसलिए, के हाथों का ठंडे और गर्म पानी से जल्दी-जल्दी संपर्क होता रहता है। आइसक्रीम फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों में रेनाड्स रोग का खतरा हमेशा मंडराता है।

रेनाड्स रोग की संभावना उन लोगों में भी होती है, जो चक्करदार गतिशील उपकरणों का बहुत इस्तेमाल करते हैं। जैसे ड्रिलिंग मशीन, मिक्सी व ब्यूटी पार्लर में काम आने वाला हेयर ड्रायर। पियानो, हारमोनियम व टाइपिंग मशीन पर ज्यादा समय बिताने वाले लोग भी रेनाड्स रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। रेनाड्स सिंड्रोम से ग्रस्त 50 प्रतिशत मरीज आटोइम्यून रोग (शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी से होने वाले रोग) से पीड़ित होते हैं। इनमें स्क्लीरोडर्मा नामक आटोइम्यून रोग रेनाड्स सिंड्रोम का बहुत बड़ा कारण हैं। इसके अलावा गर्दन की मांसपेशियों पर अनावश्यक रूप से अत्यधिक दबाव पढ़ने पर भी रेनाड्स हो सकता है।

रोग का स्वरूप: इस रोग में आमतौर पर हाथ और पैर की अंगुलियों की धमनियां (आर्टरीज) ही प्रभावित होती हैं। ये धमनियां हाथ और पैर को शुद्ध खून और ऑक्सीजन की सप्लाई करती हैं। अधिक ठंड होने या अत्यधिक मानसिक तनाव होने पर हाथ और पैर के निचले हिस्से की धमनियां अचानक थोड़ी देर के लिए सिकुड़ जाती हैं। इससे शुद्ध रक्त का बहाव और ऑक्सीजन की सप्लाई एकाएक रुक जाती है। इसके बाद अशुद्ध और ऑक्सीजन रहित खून के एकत्र हो जाने की वजह से अंगुलियां धीरे-धीरे नीली पड़ जाती हैं। कुछ देर के बाद धमनियां पूर्वावस्था में लौट आती हैं। अंगुलियों का पीला, फिर नीला और उसके बाद लाल हो जाने की प्रक्रिया बार-बार होती रहती है।

क्या करें: रेनाड्स रोग से ग्रस्त व्यक्तियों को शीघ्र ही किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करना चाहिए। डॉक्टर की निगरानी में जरूरी जांचें करवाकर अपना इलाज शुरू कराना चाहिए।

जांचें: डॉप्लर स्टडी की विशेष तकनीक, डिजिटल फोटोप्लेथिस्मोग्राफी और ऑक्ल्यूसिव डिजिटल हाइपोथर्मिक चैलेंज टेस्ट आदि आधुनिक जांचों का भी सहारा लेना पड़ता है। कभी-कभी हाथ की एंजियोग्राफी करने की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके अलावा एक्स रे और सीटी स्कैन से भी रेनाड्स के कारणों का पता चलता है।

इलाज

रेनाड्स सिंड्रोम का इलाज आमतौर पर दवाओं से किया जाता है। इसके अलावा हाथों का तापमान नियंत्रित करने के लिए 'बॉयो फीडबैक' की तकनीक का सहारा लिया जाता है। अगर दवाओं से इसके लक्षण नियंत्रित नहीं होते हैं, तो सरवाइकल सिम्पेथेक्टॅमी नामक ऑपरेशन करना पड़ता है। इस ऑपरेशन से छोटी धमनियों के सिकुड़ने की प्रक्रिया ढीली पड़ जाती है।

लक्षण

- अगर सर्दियों के मौसम में आपके हाथों या पैरों की अंगुलियों की त्वचा का रंग बदलता हो। जैसे पहले पीला फिर हल्का नीला और उसके बाद लाल हो जाता हो।
- अंगुलियों में हल्की सूजन और झनझनाहट रहती हो।
- सुबह के वक्त हाथ या पैर की अंगुलियों में लाल रंग के गोल चकत्ते उभर आते हों।
- उपर्युक्त लक्षण रेनाड्स सिंड्रोम नामक रोग से संबंधित हैं। यह बीमारी आमतौर पर 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों खासकर 40 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक होती है।

बचाव

रेनाड्स सिंड्रोम से बचने के लिए लोगों को धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों के सेवन से परहेज करना चाहिए। इस रोग से ग्रस्त महिलाओं को गर्भ निरोधक गोलियों का सेवन और ब्लडप्रेशर के इलाज के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा बीटा ब्लाकर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए बीटा ब्लाकर की बजाय अन्य दवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। हाथों को बार-बार डिटर्जेंट, साबुन से नहीं धोना चाहिए और त्वचा को मुलायम रखने के लिए तेल और क्रीम का प्रयोग करना चाहिए। अगर अंगुलियों में घाव हो, तो गुनगुने पानी में हाथ डुबोकर साफ करें और डॉक्टर के परामर्श से मलहम का प्रयोग करें।

सावधानियां बरतें: ■ हर हाल में ठंडे पानी के संपर्क में न आएं। सर्दी के मौसम में हाथों व पैरों में गर्म ऊनी दस्ताने व जुराब का इस्तेमाल करें। ■ रेफ्रिजरेटर में अपना हाथ न डालें। खुले फ्रिज के आगे न खडे हों। डीप फ्रीजर(बर्फ जमाने वाला फ्रिज का ऊपरी हिस्सा में से अपना हाथ डालकर कोई सामान न निकालें। ■ घर में बर्तन व प्लेट धोने के वक्त या रसोईघर में सिंक में काम करते समय रबर के दस्ताने अवश्य पहनें। ■ घर में कभी नंगे पैर न चलें। ■ डिटर्जेंट पाउडर व कपड़े धोने वाले साबुन का हाथों से इस्तेमाल न करें।

मस्कुलर डिस्ट्राफी का माकूल इलाज

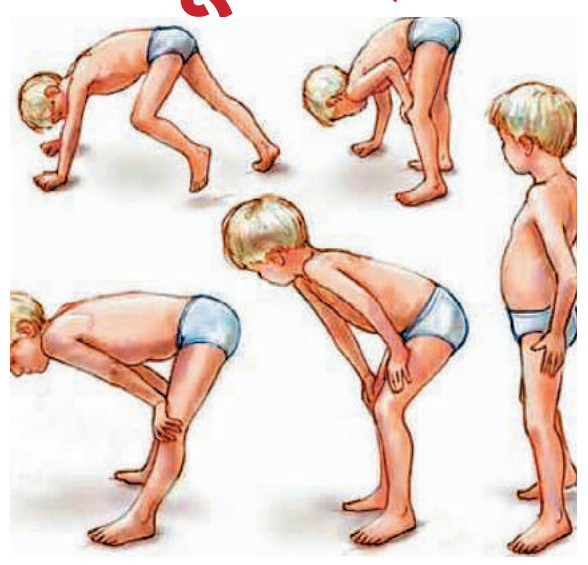

मस्कुलर डिस्ट्राफी मूल रूप से मांसपेशियों के रोगों के एक समूह को कहते हैं, जिसमें लगभग 80 प्रकार की बीमारियों को शामिल किया जाता है। इन रोगों में सबसे खतरनाक और जानलेवा बीमारी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी है। दुनिया भर में 3500 बच्चों में से एक बच्चा इस रोग से ग्रस्त होता है। दुनिया में भारत को स्टेम सेल थेरेपी के डेस्टिनेशन (उपयुक्त स्थान) के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए जब मारीशस स्थित मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन को भारत में इस सुविधा की जानकारी मिली, तब उन्होंने ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित बच्चों को इलाज के लिये भारत भेजना शुरू किया। बीते दिनों 10 वर्षीय टोशन रामखिलावन स्टेम सेल थेरेपी के लिए देश में लगभग दो माह तक रुका था और इस छोटे से समय में भी उसकी मांसपेशियों की ताकत लगभग 25 प्रतिशत तक वापस आ चुकी है, जबकि वह पिछले एक वर्ष से अपने बिस्तर पर ही सीमित रह गया था।

राहत की दरकार: चूंकि मारीशस के मरीज वहां की सरकार और मस्कुलर डिस्ट्राफी एसोसिएशन से मदद पाते हैं। इसलिए किसी प्रकार अपना इलाज करवा लेते हैं, लेकिन अपने देश के गरीब मरीजों का बुरा हाल है। स्टेम सेल थेरेपी ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी के अलावा अन्य प्रकार की मस्कुलर डिस्ट्राफी के इलाज में अन्य चिकित्सकीय विधियों की तुलना में बेहतर है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस रोग के इलाज में ज्यादातर चिकित्सक कॉर्टीसोन या स्टेरायड नामक दवाओं का प्रयोग करते हैं, लेकिन अंत में ये दवाएं अपने दुष्प्रभावों के चलते बच्चों में डाइबिटीज, शरीर में पानी भरना और हड्डियों का खोखलापन आदि विकार उत्पन्न कर देती हैं। जबकि स्टेम सेल थेरेपी में शरीर में ऊर्जा और स्फूर्ति के साथ नई मांसपेशियों का निर्माण होता है।

मुख्य लक्षण

- शुरू में बच्चा तेज चलने पर गिर जाता है।
- पीड़ित बच्चा जमीन से उठने में घुटने का सहारा लेकर या फिर घुटने पर हाथ रखकर उठता है।
- वह मुश्किल से सीढ़ियां चढ़ पाता है या फिर धीमे-धीमे चढ़ता है।
- पैर की पिंडलियां मोटी हो जाती हैं।
- बच्चा थोड़ा सा भी दौड़ने पर थक जाता है।

कारण

मस्कुलर डिस्ट्राफी जीन में आयी विकृति के कारण होता है, लेकिन इसके लक्षण सिर्फ लड़कों (मेल चाइल्ड) में ही पाए जाते हैं। जबकि लड़कियों में जीन विकृति आने पर वे कालांतर में विवाह के बाद अपनी संतानों को ये बीमारियां दे सकती हैं।

रोकथाम

गर्भवती महिलाओं को 10 से 12 हफ्ते के गर्भकाल के दौरान एमनिओटिक फ्लूड्स की जेनेटिक जांच करानी चाहिए।

शरीर में इसकी पूर्ति के लिए करते रहें जरूरी चीजों का सेवन

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कैल्शियम को हमेशा से ही मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक माना जाता रहा है, लेकिन नए शोधों के अनुसार इसके अतिरिक्त भी कैल्शियम हमारे शरीर के लिए कई बीमारियों को दूर रखने में सहायता करता है। हड्डियां हमारे शरीर के लिए कैल्शियम के स्टोर का कार्य करती हैं, जहां से आवश्यकतानुसार शरीर कैल्शियम लेता रहता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

कैसी हो प्रोफाइल पिक्चर?

सोशल नेटवर्किंग साइट पर आपकी प्रोफाइल पिक्चर आपके बारे में बहुत कुछ बयान करती है। जब भी आप किसी से बात करते हैं तो आपका यही चेहरा दूसरों के सामने होता है। एक अच्छी प्रोफाइल तस्वीर से आपका प्रभाव बेहतर होता है। आपकी प्रोफाइल पिक्चर में आपका मुस्कुराता हुआ चेहरा होना चाहिए। प्रोफाइल में ग्रुप फोटो लगाने से बचना चाहिए। इस तरह की तस्वीर से किसी के लिए आपको पहचानना कठिन होता है। अपने पालतू जानवर के साथ प्रोफाइल पिक्चर लगाना भी ठीक नहीं माना जाता है. पेट्स के साथ खींची पिक्चर्स को एल्बम में रखना ठीक है लेकिन प्रोफाइल पिक्चर बनाना ठीक नहीं।

जॉब छोड़ने के पहले क्या करें...?

क्या आप अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ कर किसी अन्य कंपनी में नौकरी करने की तैयारी कर रहे हैं? अगर ऐसा है, तो जॉब छोड़ने की प्रक्रिया के दौरान कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए, ताकि कोई समस्या पैदा न हो। अगर आप कंपनी छोड़ रहे हैं, तो नोटिस या इस्तीफा देने से पहले बोनस आदि के नुकसान के बारे में जानकारी जुटा लें। अगर पेपरवर्क सही नहीं होगा, तो वित्तीय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आपको कंपनी की अपेक्षाओं को समझने का प्रयास भी करना चाहिए।

बात पर कायम रहें: आपने अपनी पुरानी कंपनी से जो वायदा किया है, उसे निभाएं। आपकी पहचान आपके कमिटमेंट्स से होनी चाहिए। अगर आप किसी कंपनी को बीच में ही छोड़ते हैं, तो इससे कंपनी की योजनाओं पर नेगेटिव असर पड़ता है। सो, अपना प्रोजेक्ट पूरा करके ही कंपनी छोड़ें।

प्रोटोकॉल फॉलो करें: आपको कंपनी छोड़ने के बारे में एचआर या बॉस को सबसे पहले बताना चाहिए। ऐसा न हो कि दोस्तों और कलीग्स को इसके बारे में पहले पता लगे और बॉस को बाद में। अगर कंपनी के प्रति गुस्से को सबके सामने जाहिर करेंगे, तो गैर-पेशेवर माना जाएगा।

रेफरेंस तैयार करके जाएं: आपको आईटी, एचआर और बॉस को रेफरेंस, प्रूफ ऑफ सर्विस, सैलेरी सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट आदि के लिए तैयारी करनी चाहिए। कई बार नई कंपनी लिखित में रेफरेंस मांगती है या मौजूदा बॉस से बात करवाने के लिए कहती है। इसलिए आपको प्रोफेशनल तरीके से इसका प्रबंध पहले ही कर लेना चाहिए।

दरवाजे खुले रखें

ध्यान रखें कि अगर नई कंपनी में आपकी चाहत के मुताबिक नहीं हुआ तो आपको कुछ महीने या सालभर बाद वापस अपनी पुरानी कंपनी में लौटना पड़ सकता है। इसलिए कंपनी छोड़ते समय कोई भी गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए।

बात पते की

ज्यादातर लोग कंपनी छोड़ते वक्त सभी लोगों से मिल कर धन्यवाद कहना भूल जाते हैं। यह गलत असर डालता है। इसलिए सभी से मिल कर जाएं। इस्तीफा देने के बाद कई लोग कंपनी या बॉस के खिलाफ हर तरफ जहर उगलने लगते हैं। उनकी बुराई करने लगते हैं, यह गलती करने से बचें।

संपादकीय

घटते मतदान के सबब

यदि लोकतंत्र को वाकई जिंदा और प्रासंगिक रखना है, तो भरपूर मतदान कीजिए। चुनाव ही लोकतंत्र की जीवन-रेखा हैं। मताधिकार हमारा संवैधानिक, मौलिक अधिकार है, क्योंकि हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं। मतदान छुट्टी या सैर-सपाटे का दिन नहीं है, क्योंकि हम पर देश की संसद और सरकार चुनने का गुरुत्तर दायित्व है। इस दायित्व की लगातार अनदेखी की जा रही है। आम चुनाव, 2024 के दूसरे चरण में भी मतदान अपेक्षाकृत घटा है। अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4.5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66.7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6.9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3.39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है। कुछ महत्वपूर्ण सीटों में से राहुल गांधी की वायनाड पर 6 फीसदी से ज्यादा और प्रख्यात अभिनेत्री हेमामालिनी की मथुरा सीट पर करीब 11 फीसदी मतदान घटा है। टीवी धारावाहिक 'रामायण' में प्रभु राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के मेरठ में करीब 6 फीसदी, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम में करीब 10 फीसदी मतदान कम हुआ है। दरअसल 2019 के दूसरे चरण में जिन सीटों पर भाजपा जीती थी, उन पर 3 फीसदी तक मतदान कम हुआ है। जो सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, उन पर 5-10 फीसदी मतदान घटा है। हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्यों में मतदान औसतन 7 फीसदी तक घटा है। ये राज्य ही भाजपा के दुर्गनुमा चुनावी गढ़ हैं। क्या यह घटा हुआ मतदान भाजपा के खिलाफ एक 'खामोश चुनावी लहर' है? सवाल यह भी है कि फिर यह लहर किस राजनीतिक दल के पक्ष में है? कांग्रेस ने तो 300 सीटों पर भी उम्मीदवार नहीं उतारे हैं और गठबंधन के तौर पर 'इंडिया' छिन्न-भिन्न स्थिति में है। तो फिर जनादेश कैसा होगा और केंद्र सरकार का स्वरूप भी कैसा होगा? चुनाव का जो रुझान दिखाई दे रहा है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के प्रति गंभीर नाराजगी का भाव महसूस नहीं होता। यदि सरकार बदलने के लिए मतदान होना था, तो लबालब भीड़ पोलिंग स्टेशनों के अंदर-बाहर दिखाई देती और मतदान भी 70 फीसदी से ज्यादा होता। कांग्रेस के पास काडर, बूथ कार्यकर्ता और मतदाता को पोलिंग स्टेशन तक पहुंचाने वाले संगठन की कमी देखी जाती रही है, लेकिन मतदाताओं का ऐसा सैलाब भी गायब है, जो 400 पार के जनादेश को सुनिश्चित कर दे। हालांकि प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र और मुसलमान वाले अभियान के बाद ध्रुवीकरण महसूस किया गया है। जुमे की नमाज के बाद मुसलमान भी पोलिंग स्टेशनों की ओर गए हैं। क्या वह सारा मतदान भाजपा-विरोधी हुआ है? गंभीर सवाल यह है कि मतदान एक स्तर के बाद उठ क्यों नहीं रहा है? पूरे देश में गर्मी अभी इतनी भीषण नहीं है कि सुबह और शाम में मतदान न किया जा सके। क्या युवाओं और नए मतदाताओं ने मतदान कम किया? उनकी दिलचस्पी कम दिखाई दी है। ऐसे कई लाख मतदाताओं ने वोट नहीं दिए। सवाल यह भी है कि किस राजनीतिक पक्ष के मतदाता अपने घरों से बाहर नहीं निकले? चूंकि मतदान शुक्रवार हो हुए हैं, लिहाजा यह भी एक कारण हो सकता है कि लंबे सप्ताहांत के मद्देनजर लोग छुट्टी पर निकल गए हों! लोकतंत्र की अनदेखी यहां भी हुई है। बहरहाल तीसरे चरण के मतदान के मद्देनजर भाजपा ने अपनी रणनीति बदलने का फैसला लिया है। करीब 500 नेता और पदासीन कार्यकर्ता मतदान वाले क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। वे सुबह और शाम में मुख्य चुनाव केंद्र को रपट देंगे कि मतदाता की स्थिति क्या है? तीसरे चरण में अपने कोटे के मतदाताओं के वोट डलवाने को भाजपा ने कमर कस ली है। क्या कम मतदान का सबब यही है? हम इस सवाल से सहमत नहीं हैं।

अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4.5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66.7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6.9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3.39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है।

दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीददारी होती थी

वैश्विक ऊंचाई पर खिलौना कारोबार

डा. जयंती लाल भंडारी

भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। नि:संदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है।

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निःसंदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीददारी करने वाले कई खरीददार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं हैं कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीददारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खास तौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं। अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो

रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढक़र 2600 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमरीका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है, लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगे लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं। सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें दि इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चली आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है।

दृष्टि कोण

बदलाव की बयार वैसे बहने लगी पूर्वोत्तर में

पूर्वोत्तर में उग्रवादी घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत के मामलों में 85 प्रतिशत की कमी आई है। सुरक्षाबलों की मृत्यु की घटनाएं 71 प्रतिशत घटकर 458 से 132 रह गईं, नागरिकों की मृत्यु में 86 प्रतिशत की कमी आई है। बदलाव की बयार वैसे बहने लगी पूर्वोत्तर में बीती 26 अप्रैल को लोकसभा की देशभर के अलग-अलग राज्यों में पैली 88 सीटों के लिए मतदान हुआ, पर एक खास बात की कमोबेश अनदेखी ही हुई। दूसरे चरण की पोलिग में मणिपुर में 77.18 फीसद और त्रिपुरा में 78. 53 फीसद तक मतदान हुआ। इन दोनों राज्यों जितना अधिक मतदान देश में कहीं नहीं हुआ। इससे पहले, पहले दौर के मतदान में मेघालय में 70.26 फीसद, मिजोरम में 54.18 फीसद, नगालैंड में 56.77 फीसद, त्रिपुरा और मणिपुर में त्रामश: 89 फीसद से वुछ कम और लगभग 70 फीसद मतदान हुआ। यही नहीं, कहीं कोई हिसा भी नहीं हुई। मतदान के ये आंकड़े बहुत वुछ साफ-साफ कहते हैं। ये उन तमाम लोगों को शांत करवाने के लिए काफी हैं जो दावा करते थे कि पूर्वोत्तर राज्यों में शांति अभी दूर की संभावना है। सच तो यह है कि पूर्वोत्तर भारत की सफलता की कहानी बनकर उभरा है। पूर्वोत्तर से देश भर संदेश गया है कि कोशिश हो तो जटिल विवाद हल हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में कईं खूंखार उग्रवादी संगठनों के साथ शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और 9,500 से अधिक उग्रवादी आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए। बेहतर सुरक्षा स्थिति के कारण, पूर्वोत्तर के 80 प्रतिशत हिस्से से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) हटा लिया गया है। पिछली सरकारों द्वारा वास्तविक समस्याओं का समाधान किए बिना सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (एएफएसपीए) को लगातार बढ़ाया गया। इसे त्रिपुरा और मेघालय से पूरी तरह हटा लिया गया है और मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश जिलों में इसका अस्तित्व समाप्त हो गया है। बेशक, यह क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की सुधरती स्थिति की ओर इशारा करता है। देश के लिए सिरदर्द बनने वाले उल्फा, यूएनएलएफ, डीएनएलएफ, एनएलटीएफ जैसे संगठन शांति स्थापित करने के लिए तैयार हुए और उनके वैडर देश- प्रदेश की मुख्यधारा में शामिल हो गए। इन उग्रवादी संगठनों के हजारों वैडरों ने आत्मसमर्पण कर दिया और उन्हें पुनर्वासित किया जा रहा है। दरअसल पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति का लंबा इतिहास रहा है। यहाँ उग्रवाद, अवैध घुसपैठ और अन्य समस्याओं के कारण पूरा क्षेत्र पक्षाघात की स्थिति मे ला कर खड़ा कर दिया गया था। कहना पड़ेगा कि पिछली सरकारों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। यही नहीं, पूर्वोत्तर राज्य की पुरानी समस्याओं को हल करने की तरफ ध्यान नहीं दिया गया, जिसका परिणाम यह हुआ की यह सारा क्षेत्र जलने लगा। ऐसा प्रतीत होता हैं जैसे वहां की जनता को मूर्ख बना कर उनका ध्यान भटकाया जाता रहा। नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल से ही पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष ध्यान दिया है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो विकास के लिए वेंद्र सरकार पर बहुत अधिक निर्भर है। यह सब होने के बावजूद इसकी घोर उपेक्षा की गईं। अगर पूर्वोत्तर राज्य अब अमन की तरफ पूरी तरह से बढ़ रहे है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके तेज तर्रार गृह मंत्री अमित शाह को देना होगा। अमित शाह के पास एक रणनीतिक दृष्टिकोण है जो उनके सभी पूर्ववर्तियों को भी मात देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास मंत्र को अमित शाह ने पूर्वोत्तर में मन से लागू किया। वेंद्रीय गृह मंत्रालय की सक्षम मध्यस्थता के कारण अग्रवादी संगठनों को शांति का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह साबित होता है कि, अगर इरादे हों तो जटिल मुद्दों को भी हल किया जा सकता हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद और विद्रोह के बढ़ते मामलों के कईं कारण रहे हैं। लेकिन सबसे मुख्य कारण क्षेत्र के विकास के प्रति लापरवाही बरतने का है। जिसके लिए लगातार कांग्रेस की सरकारें ही जिम्मेदार रही हैं। एक बात जान लेना होगा कि अगर किसी मसले का ईंमानदारी से हल खोजा जाए तो फिर हल निकलता ही है। पिछले दसेक सालों के दौरान पूर्वोत्तर में उग्रवादी घटनाओं में 89 प्रतिशत की कमी और नागरिकों की मौत के मामलों में 85 प्रतिशत की कमी आईं है। सुरक्षाबलों की मृत्यु की घटनाएं 71 प्रतिशत घटकर 458 से 132 रह गईं, नागरिकों की मृत्युमें 86 प्रतिशत की कमी आईं है। शांति अपने साथ विकास लाती है और विकास स्थायी शांति स्थापित करती है। मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए पिछले 10 सालों में रेलवे में 81000 करोड़ रूपए, सड़क संपर्व में 48000 करोड़ रूपए और भारतमाला परियोजना के तहत 5196 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया है। उड़ान योजना के तहत 8 नए हवाईअड्डों का निर्माण हुआ है और 71 नए हवाईं मार्ग शुरू किए गए हैं। इसके अलावाबेहतर कनेक्टिविटी के लिए सड़क नेटवर्व की मरम्मत और सुधार किया जा रहा है। शीशे की तरह साफ है कि नरेंद्र मोदी सरकार पूर्वोत्तर भारत में समग्र रूप से विकास करना चाहती है, चाहे वह सड़क कनेक्टिविटी, रेल कनेक्टिविटी, बिजली उत्पादन, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, दूरसंचार, आदिवासी कल्याण आदि हो। 2014 के बाद से उत्तर-पूर्व भारत की कहानी एक नीति के तौर पर एक महत्वपूर्ण केस-स्टडी होगी जिसमे गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका को उचित महत्व दिया जाएगा।

कुछ अलग

आब-ए-तल्ख की तिजारत अपराध को दावत

इतिहास साक्षी रहा है कि मदिरा की तिजारत, खपत व मांग में कभी कमी नहीं आई है। मद्यपान का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। सुरापान का प्रचलन समाज में हर वर्ग के लोगों में व्यापक रहा है। आचार्य चार्वाक जैसे महान्दार्शनिक ने सदियों पूर्व अपने श्लोकों में सुरापान का उल्लेख किया था। मदिरा की नशीली तासीर को कई शायर व फनकार अपने अंदाज में बयान करते आए हैं। 'हंगामा है क्यों बरपा थोड़ी सी जो पी ली है'- अकबर इलाहाबादी के इन अल्फाज को पाकिस्तान के मशहूर गायक 'गुलाम अली' ने अपनी आवाज से बयान करके सुरा प्रेमियों को नसीहत देकर चेताया था। जाहिर है मदिरा का सेवन हो, अवैध तिजारात हो या देर रात तक खुली रहने वाली मधुशालाओं में आब-ए-तल्ख बोतलों में सजी हो, मदिरा हंगामा जरूर मचाती है। aवर्तमान में आब-ए-तल्ख के घोटाले को लेकर देश की राजधानी चर्चा का मरकज बन चुकी है। देश में चुनावों का दौर चल रहा है। आबकारी विभाग व अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अवैध शराब को कब्जे में लेने की खबरें समाचारपत्रों की सुर्खियां बन रही हैं। मद्यपान के प्रति निगाह-ए-नाज के जज्बात रखने वाला मदिरा प्रेमी वर्ग सुरापान को आब-ए-हयात मानता है, चूंकि आब-ए-तल्ख सुरा प्रेमियों को एक काल्पनिक दुनिया के हसीन ख्वाब दिखाती है। मदिरा की तिजारत को हमारी हुकूमतें अर्थतंत्र की मजबूती का जरिया मानती हैं। अल्कोहल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी से राज्य सरकारों को एक बड़ा राजस्व हासिल होता है। इसलिए सियासी निजाम शराब को नशा नहीं मानता। मगर शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बिगाडने वाली शराब किस हद तक अपना दुष्परिणाम दिखाती है, यह छिपा नहीं है। गत ग्यारह अप्रैल 2024 को हरियाणा के महेंद्रगढ़ में एक निजी स्कूल वैन के भीषण हादसे का शिकार होने से आठ मासूम छात्रों की मौत हो गई, क्योंकि स्कूल वैन का चालक शराब के नशे में धुत था। अवैध शराब के जहरनुमां कारोबार ने कई घरों के चश्म-ओ-चिराग बुझाकर लाखों लोगों की शब-ए-महताब को जुल्मत में तब्दील कर दिया है। 22 मार्च 2024 को पंजाब के संगरूर जिले में बीस से ज्यादा लोगों की मौत का कारण जहरनुमां शराब बनी। संगरूर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग व चुनाव आयोग भी हरकत में आ गए। जहरीली शराब देश में एक मुद्दत से मौत का तांडव मचा रही है। लेकिन नशे के अजाब से उपजे मातम को शांत करने के लिए पीड़ितों के आब-ए-चश्म पर मुआवजे व सियासी आश्वासनों का मरहम लगा कर मसले को रफा दफा किया जाता है। चश्म-ए-पलक की रौशनी छीनकर चश्मों की सौगात बांटने की कोशिश होती है। शराब तस्करी पर प्रशासन व सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी को छुपाने के प्रयास किए जाते हैं। आर्थिक तंगी के कारण कई लोग शराब माफिया के प्रलोभन में आकर सस्ते दामों पर मिलने वाली नकली शराब खरीद लेते हैं। अवैध शराब ही मौत का कारण बनती है। गुरबत में जीवनयापन करने वाले लोग अदालतों में कानूनी लड़ाई लडने में असमर्थ होते हैं। इसी कारण सैकड़ों लोगों को मौत की आगोश में सुलाने वाले नशे के सरगना कानूनी दांवपेंच से बच निकल कर अपनी नशे की सल्तनत को बेखौफ होकर चलाते हैं। देश में नशा उन्मूलन के नाम पर कई विशेष दिवस मनाए जाते हैं। नशा मुक्ति केन्द्रों का संचालन भी हो रहा है। वहीं मयखानों की संख्या में भी रिकार्ड वृद्धि दर्ज हो रही है। शादी समारोहों में होने वाला फसाद व सडक़ों पर कहर मचाती तेज रफ्तार से बढ़ती दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा तथा सामाजिक परिवेश में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों के पीछे ज्यादातर पसमंजर मद्यपान का ही है। त्योहार, पर्व के अवसर पर मदिरा की डिमांड जोर पकड़ लेती है।

देश दुनिया से

मजदूर और चिलचिलाती गर्मी...

जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

भीषण गर्मी से झुलसते हुए जोधपुर में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने नगर निगम के सहयोग से अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक कूलिंग स्टेशन बनाया है। इस कूलिंग स्टेशन का उद्देश्य चिलचिलाती गर्मी में शहरी गरीबों को आश्रय देना है। यह जोधपुर के हीट ऐक्शन प्लान का हिस्सा है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें ठंडक बढ़ाने के लिए पारंपरिक तरीकों को अपनाया गया है, जैसे खस से बने पैनल, सोलर पैनल से चलने वाले बल्ब और पंखे तथा फुहार के लिए स्प्रिंकलर। यहां पीने का पानी, प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) किट भी उपलब्ध है। ऐसे समय में जब बड़े शहरों में रहने वाले लोगों सहित ज्यादातर भारतीय परिवारों के पास हर कमरे में एयर कंडीशनर (एसी) नहीं है, जोधपुर का यह प्रयोग बेहद दिलचस्प है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के दौर में अत्यधिक गर्मी, मौसम में उतार-चढ़ाव पूरे भारत और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। ज्यादातर लोग इस भीषण गर्मी में एयरकंडीशनर का इंतजाम नहीं कर सकते। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह अब भी चुनावी मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि इसके प्रभाव स्पष्ट हैं। हाल में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सहायक महानिदेशक और एशिया और प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक चिहोको असदा मियाकावा ने बताया कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में श्रमिकों को प्रचंड गर्मी से लेकर खराब वायु गुणवत्ता तक का सामना करना पड़ता है और इसके प्रभावों का खामियाजा भुगतना पड़ता है। अक्सर पर्याप्त सुरक्षा के बिना काम करते रहने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होता, भले ही स्थितियां कितनी ही खतरनाक हों। भीषण गर्मी शायद सबसे स्पष्ट चुनौती है और इस बारे में मियाकावा ने कहा कि बढ़ते तापमान में जैसे कृषि, निर्माण, मछली पकड़ने और परिवहन जैसे बाहरी काम करने वाले श्रमिकों को गर्मी से संबंधित बीमारियों और लू का खतरा रहता है। यहां तक कि घर के अंदर काम करने वाले उन श्रमिकों को भी खतरा रहता है, जहां भीषण गर्मी हो और वेंटिलेशन की व्यवस्था न हो। फैक्टरियों, खाद्य प्रसंस्करण संयंत्रों, ईंट भट्ठों और गोदामों में तेज धूप के दौरान काम करना श्रमिकों के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। बेहतर नियमन, प्रवर्तन, शमन रणनीतियों, प्रशिक्षण और जागरूकता से स्थितियों में काफी बदलाव लाया जा सकता है। स्पष्ट है कि इसके लिए श्रमिकों का सशक्तीकरण जरूरी है, जो उन्हें नौकरी या मजदूरी खोने के डर के बिना प्रचंड गर्मी में काम रोकने की अनुमति प्रदान करे। लेकिन भारत जैसे देश में ऐसा कहना आसान है, करना कठिन, जहां ज्यादातर लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जिन्हें न तो रोजगार अनुबंध और न ही स्वास्थ्य संबंधी सहयोग उपलब्ध है। मियाकावा लिखते हैं कि 'जलवायु परिवर्तन के कारण वायु प्रदूषण बढ़ने से श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बीजिंग, नई दिल्ली और बैंकॉक में खराब वायु गुणवत्ता दैनिक वास्तविकता है, जो प्रदूषकों के संपर्क में आने वाले श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। आदर्श रूप में इन मूल कारणों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। डिलीवरी बॉय या सड़क के किनारे ठेला लगाने वाले को पूरे दिन जहरीली हवा में सांस लेना पड़ता है। इसलिए जागरूकता, रक्षा उपकरण और जहां तक संभव हो सके, काम करने के तरीके में बदलाव की आवश्यकता है, जो इसके प्रभाव को न्यूनतम कर सके।' प्रचंड गर्मी और वायु प्रदूषण के अलावा, चरम मौसमी घटनाओं की आवृत्ति एवं तीव्रता में भी बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त चुनौती पेश करती है। चक्रवात, बाढ़, सूखा, दावानल, प्राकृतिक आपदाएं कामकाज में व्यवधान पैदा करती हैं और श्रमिकों के जीवन को जोखिम में डालती हैं। मियाकावा लिखते हैं कि आपदाओं के बाद 'पहले की स्थिति की बहाली के प्रयासों में श्रमिकों की सुरक्षा एवं कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा आवश्यक सेवाओं, सुरक्षात्मक उपकरणों और मनोसामाजिक समर्थन तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए।' भारत विशेष रूप से संवेदनशील है। पिछले वर्ष फोर्ब्स मैगजीन ने लिखा था, 'निर्माण गतिविधियों के साथ भारतीय कृषि और उद्योग विशेष रूप से गर्मी से संबंधित तनावों के कारण श्रमिकों की उत्पादकता के नुकसान के प्रति संवेदनशील हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी के तनाव के कारण उत्पादकता के नुकसान के चलते अनुमानित 8 करोड़ वैश्विक नौकरियों में से 3.4 करोड़ रोजगार की हानि भारत में हो सकती है।'

आप का नजरिया

सीजन की आफत में

प्रदेश में पर्यटन सीजन की आफत में नागरिक चिंताएं स्वाभाविक हैं। यह इसलिए भी कि अप्रैल से जून महीने तक यह प्रदेश अपने प्रबंधों में गोता खाता है, जबकि साधारण जनता के लिए ट्रैफिक जाम, वाहनों का प्रदूषण और जलापूर्ति के संकट बढ़ जाते हैं। पर्यटकों का हल्ला गुल्ला जब डलहौजी, मकलोडगंज, कसौली, शिमला व मनाली के कानों में सुराख और आंखों को थका देता है, तो अपनी जनता को सुकून कौन देगा। मसला सरकार का नहीं, बल्कि पर्यटन उद्योग से जुड़े व्यवसायियों का भी है। पर्यटन को पार्टनर चाहिए, तो पर्यटक स्थलों को रक्षक चाहिए। होटल इंडस्ट्री, दुकानदार, रेस्तरां-कैफे, टैक्सी आपरेटर तथा गिफ्ट विक्रेता यह तो चाहते हैं कि पर्यटक सीजन उनके अरमानों को बुलंदी तक पहुंचाए, लेकिन बदले में ऐसे स्थलों के प्रति उनकी वफादारी है क्या। पर्यटक किसी होटल के कमरे का बिल नहीं या टैक्सी पर मात्र यात्री है, बल्कि एक सीजन, सारी बस्ती, सारे शहर और सारे परिवेश का हुलिया बिगाड़ देता है। हर शहर में पर्यटन कचरे का जिम्मेदार शहरी निकाय को क्यों माना जाए। क्यों न हर होटल को सीजन के हिसाब से जिम्मेदार माना जाए। यह मसला गंदगी से आवारा पशुओं और पुलिस व्यवस्था तक खर्च मांग रहा है। अगर पर्यटक शहर के पानी को ही गटक जाएं तो इसका असर सामान्य जीवन पर भी त

विदेश में काम करने की इच्छा रखने वालों की संख्या कम हुई, बीसीजी सर्वे में किया गया दावा

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

विदेशों में अवसरों की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या में 2023 में गिरावट आई है। हाल के एक अध्ययन के अनुसार, विदेश में काम करने के इच्छुक भारतीयों की संख्या 2020 के 78 प्रतिशत से घटकर 2023 में 54 प्रतिशत हो गई है। यह तथ्य बीसीजी (बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप) द्वारा आयोजित एक अध्ययन इंटरनेशनल मोबिलिटी ट्रेंड्स में सामने आया है। बीसीजी एक वैश्विक परामर्श फर्म है। पसंदीदा गंतव्य के रूप में भारत की रैंकिंग में भी पिछले पांच वर्षों में 6 अंक की वृद्धि हुई है। हालांकि बेंगलुरु और दिल्ली, भारत में काम करने के इच्छुक लोगों के लिए पसंदीदा स्थान बने हुए हैं। लेकिन वैश्विक शहरों में उनकी समग्र रैंकिंग नीचे फिसल गई है। वहीं, अहमदाबाद 2018 में रिपोर्ट लॉन्च होने के बाद से पहली बार शीर्ष 100 वैश्विक शहरों में शामिल हुआ है। निष्कर्षों से पता चलता है कि विभिन्न देशों के व्यक्तियों ने भारत में काम करने में गहरी रुचि व्यक्त की है। इनमें यूएई के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद नाइजीरिया और केन्या का नंबर है। यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत में काम के अवसरों की बढ़ती अपील की ओर इशारा कर रही है। बीसीजी के इंडिया लीड पीपल एंड ऑर्गनाइजेशन प्रैक्टिस की एमडी और पार्टनर नीतू चितकारा ने कहा, हाल के वर्षों में, भारत घरेलू और वैश्विक स्तर पर गतिशील कैरियर के अवसरों की तलाश करने वाले पेशेवरों के लिए एक पसंसदीदा स्थान के रूप में उभरा है। लोकप्रियता में यह उछाल पसंदीदा कामकाजी स्थलों के वैश्विक सूचकांक पर भारत की बढ़ती रैंक के कारण है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में इस सूचकांक पर छह रैंक अंक हासिल किए हैं। दूसरी ओर, विदेशों में रोजगार चाहने वाले भारतीय श्रमिकों की प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। पहले भारतीयों द्वारा काम करने के लिए शीर्ष प्राथमिकता वाली जगह यूएई थी, लेकिन 2024 के वर्तमान परिदृश्य में यूएई रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन लॉन्च, यह आता है बेस्ट साउंड क्लैरिटी के साथ

नई दिल्ली । भारत में वीयू टेलीविज़न ने वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन लॉन्च किया है। इस टीवी में खास 50 वॉट का ट्यूब स्पीकर मिलता है, जिनके बारे में दावा किया जाता है कि यह बेस्ट साउंड क्लैरिटी के साथ आता है। नया लॉन्च किया गया वीयू सिनेमा टीवी 2024 एडिशन दो साइज़ में आता है, जिसमें 43-इंच और 55-इंच शामिल है। नया लॉन्च किया गया वीयू सिनेमा टीवी दो साइज़ में आता है। 45-इंच वीयू सिनेमा 43 इंच टीवी की कीमत 25,999 रुपये और इसके 55-इंच टीवी की कीमत 34,999 रुपये रखी गई है। ये दोनों वेरिएंट फ्लिपकार्ट और पूरे भारत के सभी रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। इसके स्पीकर यूज़र को हाई क्वालिटी वाला साउंड का एक्सपीरिएंस मिलेगा। नए टीवी की एक खास बात ये भी है कि इसमें एयरप्ले कनेक्टिविटी का ऑप्शन मिलता है, जो आईफोन यूज़र्स को टीवी पर अपनी कंटेंट को दिखाने की अनुमति देता है। नए वीयू सिनेमा टीवी 2024 में 400 नीटस की पीक ब्राइटनेस के साथ 4के आईपीएस डिस्प्ले मिलता है। इसमें वॉयस सर्च फीचर भी दिया गया है, और रिमोट कंट्रोल में पॉपुलर ऐप्स के लिए शॉर्टकट भी दिए गए हैं। रिमोट में 'मूवीज़' लेबल वाली एक हॉटकी भी है जिसमें एक ही जगह पर अलग-अलग प्लेटफार्म से फिल्मों की एक लिस्ट है ताकि इसे यूज़र्स द्वारा आसानी से एक्सेस किया जा सके। टीवी में डॉल्बी ऑडियो एन्हांसमेंट भी है। वीयू सिनेमा टीवी वेब ओएस पर काम करता है, और इसमें 1000 से ज्यादा ऐप्स मिलती हैं, जिनमें नेटफ्लिक्स, प्राइम वीडियो, यूट्यूब और अन्य जैसे पॉपुलर ऐप शामिल हैं।

अधूरे केवाईसी वाले 1.3 करोड़ म्यूचुअल फंड खातों पर रोक, 1 अप्रैल से बंद किएजा रहे ऐसे म्यूचुअल फंड फोलियो

नई दिल्ली । अधूरे केवाईसी के कारण लगभग 1.3 करोड़ म्यूचुअल खातों पर बाजार नियामक सेबी ने रोक लगा दी है। इन खाताधारकों ने केवाईसी के रूप में गैर-आधिकारिक वैध दस्तावेज जमा किए हैं। केवाईसी पंजीकरण संस्थाओं (केआरए) के अनुसार, इस साल एक अप्रैल से ऐसे खातों से निकासी फ्रीज कर दी गई है, जिनमें केवाईसी नहीं हैं या अधूरे हैं। कई ग्राहकों ने केवाईसी के नाम पर बिजली बिल या बैंक खाते जैसे दस्तावेज जमा कराए हैं। हालांकि, इन दस्तावेजों को अब केवाईसी के रूप में नहीं माना जा रहा है। म्यूचुअल फंड में पैन और आधार का लिंक होना जरूरी है। 7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी 11 करोड़ निवेशकों में से लगभग 7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी है। 1.6 करोड़ निवेशकों के केवाईसी पंजीकृत श्रेणी में हैं, जिनकी निवेश तक सीमित पहुंच है। कुल खातों में से 12 फीसदी ग्राहक डीमैट म्यूचुअल फंड खातों का संचालन नहीं कर पा रहे हैं। संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी वैकल्पिक सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी के नियम को वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही, फंड हाउस को अब जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की मंजूरी मिल गई है। मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए नॉमिनी की आखिरी तारीख 30 जून, 2024 है।

वेदांता की भारत में 4 साल में 20 अरब डॉलर निवेश करने की योजना, बोले अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली । वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि समूह ने अगले चार साल में भारत में अपने सभी कारोबारों में 20 अरब डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा है। अग्रवाल ने कंपनी के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि समूह अपने इस्पात कारोबार को केवल सही कीमत पर बेचेगा और सही कीमत नहीं मिलने पर वह इसे चलाना जारी रखेगा। अग्रवाल ने कहा, फिलहाल हमारी योजना चार साल में विभिन्न क्षेत्रों में 20 अरब डॉलर निवेश करने की है। उन्होंने कहा कि यह निवेश प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्लास व्यवसायों के अलावा ऐसे अन्य गतिविधियों पर केंद्रित होगा जिसमें समूह शामिल है। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और लैपटॉप स्क्रीन बनाने में उपयोग किए जाने वाले सेमी-कंडक्टर और ग्लास भविष्य के दृष्टिकोण से बहुत आवश्यक हैं, उन्होंने कहा कि समूह पहले से ही दोनों व्यवसायों में मौजूद है। कंपनी के पास सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए गुजरात में जमीन है ।

एआई निर्माण के लिए तकनीकी कंपनियों में होड़ अमेजन से मेटा तक इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नत करने की योजना

न्यूयॉर्क, 02 मई (एजेंसियां) ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर पूरी दुनिया की दिग्गज तकनीकी कंपनियों में होड़ लगी है। अब ये कंपनियां एक-दूसरे को मात देने के लिए तैयार हो रही है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और गूगल की संस्थापक कंपनी अल्फाबेट ने यह खुलासा भी किया कि वर्ष के प्रथम तीन माह में उसने साझा तौर पर 32 अरब डॉलर से अधिक रकम डाटा सेंटर्स और अन्य पूंजीगत व्यय पर खर्च की।

प्रतिस्पर्धा के चलते ये कंपनियां एआई तकनीक के विकास को लेकर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा, प्रणाली व प्रक्रिया को उन्नत करने की योजनाएं ला रही हैं। यही वजह है कि यदि 2023 तकनीकी उद्योग में चैटबॉट का साल था तो साल 2024 एआई का होने जा रहा है। उद्योगों में आए एआई बूम के लिए परदे के पीछे की तकनीक पर तेजी से अरबों डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। अमेजन और मेटा, एआई के समर्थन के लिए अपने डाटा सेंटर्स को नया रूप दे रहे हैं। ये बड़ी नई सुविधाओं में निवेश कर रहे हैं। वहीं सऊदी अरब एआई के नियंत्रण के लिए सुपरकंप्यूटरर्स बना रहा है। माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और गूगल-अल्फाबेट ने निवेशकों से कहा है कि उनकी एआई खर्च में कमी की कोई योजना नहीं है। स्पष्ट संकेत हैं कि एआई बड़ा तकनीकी बुनियादी ढांचा खड़ा करने जा रहा है।

एआई का बुनियादी ढांचा

एआई बुनियादी ढांचे की मांग पर कुछ एआई डेवलपर्स ने कहा, इसके लिए 1 अरब डॉलर से अधिक खर्च संभव है। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों ने कहा, एआई में अगुआ बने रहने को साझेदारों के साथ अत्याधुनिक सिस्टम पर काम करने में सक्षम होना जरूरी है।

क्लाउड कंप्यूटिंग में एआई का बढ़ता योगदान

माइक्रोसॉफ्ट अपने बनाए एआई कारोबार के वित्तीय ब्योरे की रिपोर्ट करने वाली इकलौती मुख्य तकनीकी कंपनी है। सीईओ सत्या नडेला ने कहा, एआई में निवेश माइक्रोसॉफ्ट की मुख्य क्लाउड कंप्यूटिंग पेशकश 'एज्योर' के लिए के एक ऐसा परिवेश तैयार कर रहा जिससे उसे नए ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद मिल रही है। यह किसी भी एआई के लिए सबसे भरोसेमंद और पंसदीदा विकल्प बन गया है। वहीं गूगल का कहना है कि उसके क्लाउड डिवीजन से बिक्री 28 प्रतिशत बढ़ी है, जिसमें एआई का बढ़ता योगदान भी शामिल है। अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने भी शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में कहा कि एआई खास है।

धैर्य रखें निवेशक : जुकरबर्ग

मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने निवेशकों से कहा, मुझे लगता है कि एआई पर जाना सही है और हम ऐसा करने जा रहे हैं। उन्हें उस पैसे के बारे में कोई खेद नहीं है जो उनकी कंपनी एआई पर फेंक रही है। इसके लिए उन्होंने कंपनी के निवेशकों से वर्षों तक धैर्य रखने का आग्रह भी किया।

एनवीडिया अग्रणी

फिलहाल चिप बिक्री में गत वर्ष के मुकाबले तीन गुना तेजी से बढ़ी एनवीडिया कंपनी एआई क्षेत्र में अग्रणी है। माइक्रोसॉफ्ट और ओरेकल, चिप निर्माता इंटेल व सिस्को भी इस दिशा में अग्रणी बन रही हैं।

रियल एस्टेट खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ हुआ पिछले साल से 3 गुना बढ़ गया निवेश

नई दिल्ली । आवासीय रियल एस्टेट खंड में निवेश मार्च तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 5,743 करोड़ रुपये हो गया। एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी के अनुसार यह रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल प्रवाह का 63 प्रतिशत है। जारी पूंजी बाजार की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च तिमाही के दौरान रियल एस्टेट में निवेश बढ़कर 9,124 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान अवधि में 8,830 करोड़ रुपये था।रिपोर्ट के अनुसार कुल निवेश में से आवासीय खंड में निवेश बढ़कर 5,743 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल समान तिमाही में 1,735 करोड़ रुपये था। कार्यालय संपत्तियों में निवेश मामूली बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 2,248 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,180 करोड़ रुपये था हालांकि, मिश्रित उपयोग वाली परियोजनाओं में निवेश मार्च तिमाही में घटकर 865 करोड़ रुपये रह गया, पिछले साल समान तिमाही में 1,645 करोड़ रुपये था। औद्योगिक और लॉजिस्टिक खंड में भी मार्च तिमाही में 268 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,170 करोड़ रुपये था। होटल परियोजनाओं में निवेशकों ने समीक्षाधीन तिमाही में कोई रुचि नहीं दिखाई। हालांकि पिछले साल समान तिमाही में इस खंड में 1,100 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

यात्री वाहनों की बिक्री 3.38 लाख के पार, मारुति ने बेचीं 1.37 लाख से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर मामूली 1.17 फीसदी बढ़कर 3,38,341 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,32,468 यात्री वाहन बिके थे। उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण गाड़ियों की मांग लगभग स्थिर रही है। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 1,37,952 यात्री वाहन बेचे। यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 1,37,320 इकाई से ज्यादा है। ह्यूंडई मोटर इंडिया के यात्री वाहनों की बिक्री एक फीसदी बढ़कर 50,201 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 47,883 इकाई पहुंच गई।

चुनाव की वजह से सुस्ती

मारुति के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव खत्म हो जाएं तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे। ह्यूंडई के सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, सामान्य मानसून का अनुमान विशेष रूप से ग्रामीण बिक्री के नजरिये से अच्छा है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी बढ़ोतरी

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी अप्रैल के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली।

टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 3,01,449 इकाई पहुंच गई।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 75,038 इकाई पहुंच गई।अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 68,881 इकाई था।

वीसी कमर्शियल व्हीकल्स लि. के वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री 18.1 फीसदी की गिरावट के साथ5,377 इकाईरह गई।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में एक बार फिर नहीं किया बदलाव, जुलाई 2023 से है अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका से आर्थिक जगत के लिए एक महत्वपूर्ण खबर आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने एक बार फिर प्रमुख ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। ब्याज दरों को 5.25 प्रतिशत से 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। बाजार के जानकारों के अनुसार कारोबार के लिहाज से यह बहुत उत्साह बढ़ाने वाली खबर नहीं है। भारतीय समयानुसार मध्यरात्रि (12 बजे) यूएस फेड ने ब्याज दरों पर अपना फैसला सुनाया।

इसके साथ ही यूएस फेड ने ट्रेजरी रिडेम्पशन कैप में भी कटौती की है। फेडरल रिजर्व का निर्णय निवेशकों के लिए काफी उबाऊ रहा। अधिकारियों ने ब्याज दरों को वही रखा, जैसा जुलाई 2023 में रखा गया था। हालांकि कुछ जानकार कारोबारी फेड के एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर उत्साहित हैं। फेड ने घोषणा की कि वह जून में शुरुआत करते हुए अपने मात्रात्मक कसावट कार्यक्रम को महत्वपूर्ण रूप से कम करेगा।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की दो दिन की फेडरल ओपन मार्केट कमेटी बैठक खत्म हो गई। बाजार में पहले से ही अनुमान जताया जा रहा था कि यूएस फेड बेंचमार्क ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा और इन्हें लगातार छठी बैठक में भी 5.25 फीसदी से 5.50 फीसदी पर बनाए रखेगा। अमेरिकी शेयर बाजार यानी वॉल स्ट्रीट ने भी यही अनुमान जताया था।

अमेरिका में महंगाई पर काबू पाने के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने मार्च 2022 से नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया गया। इसके बाद जुलाई 2023 इसे 5.25 फीसदी से 5.50 फीसदी के बीच बरकरार रखा गया है। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कर्नाटक के कारोबारी की 30 साल की पत्नी और 11 साल के बेटे जैन भिक्षु बने, मिला नया नाम

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

कर्नाटक के मनीष नाम के एक व्यापारी की 30 वर्षीय पत्नी स्वीटी और 11 वर्ष के बेटे ऋषान दीक्षा ग्रहण कर जैन भिक्षु बन गए हैं। वे अब दोनों सूरत में रहते हैं। जैन समुदाय में जब कोई व्यक्ति भिक्षु बनने का फैसला लेता है तो उन्हें बड़ा सम्मान दिया जाता है। जैन भिक्षु बनकर लोग दुनिया की सबसे बुनियादी आवश्यकताओं, जैसे एयर कंडीशनर, पंखे, बिस्तर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल भी छोड़ देते हैं।

हाल ही में कर्नाटक के एक बिजनेसमैन मुकेश की 30 साल की पत्नी स्वीटी और उनका 11 साल का बेटा ऋषान जैन संन्यासी बन गए। जैन भिक्षु बनने के बाद अब उन्हें नया नाम दिया गया है। जहां मां को भावशुधि रेखा श्री जी नाम मिला है वहीं बेटे को हिताशय रतनविजय जी का नाम मिला है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कारोबारी मनीष के एक रिश्तेदार विवेका ने बताया कि भावबुद्धि रेखा श्री जी ने गर्भवती होने के दौरान ही अपने बेटे के साथ एक भिक्षु बनने का निर्णय लिया। साथ ही उन्होंने यह भी तय किया कि उनका बच्चा उनके नक्शेकदम पर चलकर जैन संन्यासी बनेगा। नतीजतन, उसके बेटे को इसी भावना के साथ बड़ा किया गया कि वह अंतत: भिक्षु जीवन में प्रवेश करेगा।

मां-बेटे की जोड़ी का दीक्षा समारोह जनवरी 2024 में गुजरात के सूरत में बहुत उत्साह के साथ हुआ। दोनों अब सूरत में ही रहते हैं। उनके दीक्षा ग्रहण करने से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं और इसे एक मिलियन से अधिक बार देखा गया है।

इससे पहले, गुजरात के एक धनी जैन दंपति ने भिक्षु बनने के लिए लगभग 200 करोड़ दिए थे। भावेश भंडारी और उनकी पत्नी ने फरवरी में अपनी सभी चीजें देने के लिए एक औपचारिक समारोह आयोजित किया था।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार, आंकड़े जारी

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि अप्रैल में धीमी रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही।

इसके अलावा, अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। सामग्री और श्रम लागत में वृद्धि की खबरों के बीच भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में अपने विक्रय मूल्यों में वृद्धि की।

भंडारी ने कहा, ''कीमत की बात करें तो कच्चे माल और श्रम की उच्च लागत के कारण कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन मुद्रास्फीति ऐतिहासिक औसत से नीचे बनी हुई है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिसके परिणामस्वरूप मुनाफे में सुधार हुआ। एचएसबीसी इंडिया ने विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

मारुति सुजुकी ने अप्रैल में बेचीं 1.68 लाख कारें

नई दिल्ली । देश की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 4.7 प्रतिशत बढ़कर 1,68,089 इकाई रही। कंपनी ने अप्रैल, 2023 में 1,60,529 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 1,37,952 इकाई रही, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1,37,320 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री अप्रैल, 2023 के 14,110 इकाई की तुलना में घटकर पिछले महीने 11,519 इकाई रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री भी पिछले महीने घटकर 56,953 इकाई रह गई, जो पिछले साल अप्रैल में 74,935 इकाई थी। ब्रेज़ा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 56,553 इकाई रही, जबकि अप्रैल, 2023 में यह 36,754 इकाई थी। अप्रैल में वैन की बिक्री 12,060 इकाई रही, जबकि एक साल पहले यह 10,504 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री अप्रैल, 2023 के 2,199 इकाई से पिछले महीने बढ़कर 2,496 इकाई हो गई। एमएसआई के अनुसार, पिछले महीने उसका निर्यात 22,160 इकाई रहा, जबकि पिछले साल अप्रैल में यह 16,971 इकाई रहा था।

मयंक यादव के दोबारा चोटिल होने के लिए सुपर जॉयंट्स का प्रबंधन दोषी : ब्रेट ली

सिडनी, 02 मई (एजेंसियां) ।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने लखनऊ सुपर जॉयंट्स के उभरते हुए तेज गेंदबाज मयंक यादव के दूसरी बार चोटिल होने पर चिन्ता जताते हुए टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। ब्रेट ली के अनुसार मयंक को पूरी तरह से फिट होने तक नहीं दिया जा रहा है। टीम प्रबंधन ने अपने लाभ के लिए उन्हें जबरदस्ती मैदान में उतारा था। इसी कारण वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना ओवर तक पूरा नहीं कर पाये। ली ने कहा कि मयंक को समय से पहले ही मैदान में उतार दिया गया जबकि उन्हें जिस प्रकार से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आया है उसे ठीक होने में काफी समय लगता है।

मयंक इस आईपीएल सत्र में इतिहास की सबसे तेज गेंद फेंककर चर्चाओं में आये थे। उन्हें गत माह गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान पेट में जकड़न महसूस हुई। यह उनका तीसरा आईपीएल मैच था। अपने शुरुआती दोनों मैच में 150 से अधिक की गति से गेंद फेंकी थी। इसी का उसे दोनो ही मैच में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का इनाम भी मिला था। इसके बाद उसने मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक बार फिर वापसी की पर वह इस बार भी चौथे ओवर के बाद खेल नहीं पाया।

वहीं उनकी टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि इस युवा तेज गेंदबाज को उसी स्थान पर दर्द हुआ जिसके कारण वह लगभग तीन सप्ताह तक मैदान से बाहर था। ली ने कहना है किलखनऊ टीम के शीर्ष प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की गलती के कारण आज मयंक की ये हालत हुई है। उन्होंने कहा कि जकड़न ठीक होने में कम से कम चार से छह सप्ताह का समय लगता है। हमें नहीं पता कि यह कितना गंभीर है पर जो खिलाड़ी 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने शरीर पर बोझ डाल रहा है उसके लिए यह बिलकुल भी अच्छा प्रबंधन नहीं कहा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

धोनी जैसे फिनिशर बन सकते हैं रिंकू : सिद्धू

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू का मानना है कि रिंकू सिंह एक बेहतरीन फिनिशर हैं और वह इस भूमिका में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह ले सकते हैं। धोनी के संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम किसी अच्छे फिनिशर की तलाश में है और सिद्धू का मानना है कि ये रिंकू से पूरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि रिंकू इस मामले में टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। रिंकू ने कुछ मैचों में भारतीय टीम के लिए अपनी प्रतिभा दिखाई है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए वह फिनिशर की भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू को इस सत्र में अब तक बल्लेबाजी कौशल दिखने का पूरा अवसर नहीं मिला है। सिद्धू ने कहा, रिंकू धोनी की जगह ले सकते हैं। वह दिग्गज खिलाड़ी की तरह खेल खत्म कर सकते हैं। रिंकू काफी प्रतिभाशाली है और मैदान के सभी हिस्सों में शॉट लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही स्वभाव की बात करें तो वह धोनी की तरह ही वह शांत और तनावमुक्त रहता है। कठिन अवसरों पर भी बल्लेबाजी करते समय वह दबाव में नहीं आता और खुलकर बल्लेबाजी करता है। ऐसे में वह भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं और अवसर दिये जाने पर वह वह लंबे समय तक टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभा सकता है।

साद बिन जफर पहली बार कनाडा की टी20 विश्व कप टीम की कप्तानी करेंगे

ओंटारियो। कनाडा ने वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें ऑलराउंडर साद बिन जफर को कप्तान बनाया गया है। जफर पहली बार टी20 विश्व कप में कनाडा की कप्तानी करेंगे। टीम को पूर्व श्रीलंकाई और कनाडाई अंतर्राष्टीय पुबुदु दस्सानायके द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिन्होंने 2022 में बागडोर संभाली थी। कनाडा को ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है। वे 1 जून को डलास में पड़ोसी देश अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, इसके बाद उत्तरी अमेरिकी देश को 7 जून को आयरलैंड का सामना करना है। इसके बाद 11 जून को पाकिस्तान और 15 जून को भारत के खिलाफ उनका मुकाबला होगा। टीम: साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, डिलन हेलिगर, दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर (विकेटकीपर), नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, रेयानखान पठान, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर)। रिर्जव: तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार।

प्लेऑफ के लिए दिल्ली , गुजरात और पंजाब की उम्मीदें शीर्ष पांच टीमों के परिणामों पर निर्भर

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में जहां मुम्बई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स आरसीबी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं तीन टीमों का प्लेऑफ में पहुंचना बचे हुए मैचों में जीत के साथ ही अन्य टीमों के परिणामों पर भी निर्भर करेगा। इसका कारण है कि ये तीन टीमें हैं दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग अब अपने-अपने सारे मैच जीत लें तो भी अधिकतम 16 अंक तक ही पहुंच सकती हैं। इस प्रकार से इन तीनों के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तो बनी है पर ऐसा तभी होगा जब अंक तालिका की शीर्ष-5 में से कम से कम दो या तीन टीमें अपने ज्यादातर मैच हार जाएं। आईपीएल 2024 के लिए प्लेऑफ का वास्तविक मुकाबला इन पांच शीर्ष टीमों के बीच ही है। राजस्थान रॉयल्स अगर अपने बाकी बचे 5 मैचों में से एक भी जीत ले तो उसके 18 अंक हो जाएंगे। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हो गये हैं। अगर ये दोनों टीमें अपने बाकी बचे 5 में से 3 मैच जीत जाएं तो भी आसानी से प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी।

रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने राजस्थान को एक रन से हराया

हैदराबाद, 02 मई (एजेंसियां)।

नितीश कुमार रेड्डी नाबाद (76) और ट्रैविस हेड (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की और उसके गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 50वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया है।

मुकाबला इतना रोमांचक था कि राजस्थान रायल्स की टीम जीता हुआ मैच आखिरी गेंद पर रोवमन पॉवेल के पगबाधा आउट होने से एक रन से हार गई। 202रनों के लक्ष्य पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में जॉस बटलर (शून्य) का विकेट गवां दिया। उसके बाद तीसरे ओवर में कप्तान संजू सैमसन भी (शून्य) पर पवेलियन लौट गये।

ऐसे में यशस्वी और रियान ने ना केवल पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। यशस्वी जायसवाल ने 40गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुये (67) रन बनाये। रियान पराग ने 49 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के लगाते हुए (77) रनों की पारी खेली। शिमरॉन हेटमायर (13), ध्रुव जुरेल (1) रवि अश्विन (1) और रोवमन पॉवेल (27) बनाकर आउट हुये। रवि अश्विन (दो) रन पर नाबाद रहे। राजस्थान की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 200 रन ही बना सकी और मुकाबला एक रन से हार गई।

हैदराबाद की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लिये। पैट कमिंस और थंगारसु नटराजन ने दो-दो विकेट लिये। इससे पहले नितीश कुमार रेड्डी नाबाद (76) और ट्रैविस हेड (58) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करनी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा (12) का विकेट गवां दिया।

इसके बाद अगले ही ओवर में अनमोलप्रीत सिंह (5) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय नितीश कुमार रेड्डी ने ट्रैविड हेड के साथ पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए (96) रन जोड़े। ट्रैविस हेड ने 44 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए (58) रन बनाये। वहीं नितीश कुमार रेड्डी ने 42 गेंदों में तीन चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद (76) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन 19 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (42) रन बनाये। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 201 रनों का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान की ओर से आवेश खान ने दो विकेट लिये। संदीप शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ओसुलिवान स्नूकर विश्व चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल में हार गए

लंदन, 02 मई ।

दुनिया के नंबर 1 रोनी ओसुलिवान की आठवें खिताब की संभावना, जो उन्हें स्टीफन हेंड्री के कुल खिताब से एक आगे ले जाती, एक और साल के लिए खत्म हो गई है, क्योंकि वह विश्व चैंपियनशिप केक्वार्टर फाइनल में स्टुअर्ट बिंघम से 10-13 से हार गए। सात बार के विश्व चैंपियन ओसुलिवान अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीज़न की ओर बढ़ रहे थे, उन्होंने यूके चैम्पियनशिप और मास्टर्स सहित पांच खिताब जीते थे। लेकिन पहली बार एक ही सीज़न में तीनों स्पर्धाओं में उतरने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गई । विश्व स्नूकर की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्व की नंबर एक रैंकिंग भी खो दी, जो अप्रैल 2022 से उनके पास थी। मार्क एलन अपने करियर में पहली बार आधिकारिक सूची में शीर्ष पर पहुंचेंगे और यह दर्जा हासिल करने वाले 12वें खिलाड़ी बन जाएंगे। समापन सत्र की उच्च गुणवत्ता वाली शुरुआत में, ओसुलिवान ने 136 के ब्रेक के साथ पहला फ्रेम लिया और 9-8 से आगे हो गए, फिर बिंघम ने 63 के साथ बराबरी कर ली। फ्रेम 19 में, ओसुलिवान 39 पर सेंटर पॉकेट में एक मुश्किल रेड से चूक गए। और उसके प्रतिद्वंद्वी ने उसे 67 के स्कोर से दंडित किया। बिंघम ने 48-वर्षीय ओसुलिवान को 22 करियर मुकाबलों में केवल चौथी बार हराया। मैंने इसका आनंद लिया, और मेरे लिए नंबर एक चीज खेल का आनंद लेना है। दो साल में पहली बार मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं खेलना चाहता हूं। मैं अपने क्यू आउट और गेंदों की आवाज का इंतजार कर रहा हूं। यह कुछ भी नहीं है। विश्व स्नूकर के अनुसार, बिंघम अपने तीसरे क्रूसिबल सेमीफ़ाइनल में है और स्टीव डेविस, हेंड्री, मार्क विलियम्स, ओसुलिवान, जॉन हिगिंस और मार्क सेल्बी के बाद शेफ़ील्ड में एक से अधिक बार ट्रॉफी उठाने वाला केवल सातवां खिलाड़ी बनने का लक्ष्य बना रहा है।

फ्रेज़र-मैकगर्क और स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम से बाहर, मार्श को कप्तानी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की प्रतिभाशाली युवा टी20 बल्लेबाजी प्रतिभा जेक फ्रेजर-मैकगर्क और उनकी पीढ़ी के तीन प्रारूपों के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक स्टीवन स्मिथ दोनों को ऑस्ट्रेलिया की अस्थायी 15 सदस्यीय टी20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया है और चयनकर्ताओं ने एश्टन के रूप में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर को लेने का विकल्प चुना है। पूरे टूर्नामेंट में उन्हें अधिक लचीलापन देने के लिए एगर और कैमरून ग्रीन के रूप में एक अतिरिक्त ऑलराउंडर की नियुक्ति की गई है । जैसी कि उम्मीद थी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा स्थायी टी20 कप्तान के रूप में उनके पद की पुष्टि के बाद मिशेल मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श पिछले 12 महीनों में अंतरिम कप्तान के रूप में तीन टी20ई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व कर चुके हैं।

पाक ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का एलान, प्रमुख तेज गेंदबाज की हुई वापसी

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। तेज गेंदबाज हैरिस रउफ कंधे की चोट से उबर चुके हैं और राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं, एक और तेज गेंदबाज हसन अली की भी स्क्वाड में वापसी हुई है।

पाकिस्तान की टीम आयरलैंड के खिलाफ तीन और इंग्लैंड के खिलाफ चार टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। इस तरह पाकिस्तान की टीम आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 की तैयारी करेगी। पाकिस्तान की चयनकर्ता समिति ने लाहौर में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान टी20 इंटरनेशनल स्क्वाड की घोषणा की। 10 मई से पाकिस्तान के आयरलैंड दौरे की शुरुआत होगी। बाबर आजम टीम के कप्तान होंगे।

हाल ही में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू जमीन पर पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली थी, जो 2-2 से बराबर रही क्योंकि पहला मैच बारिश के कारण धुल गया था।

पाकिस्तान स्क्वाड - बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हैरिस रउफ, हसन अली, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सैम अय्यूब, सलमान अली आघा, शादाब खान, शाहीन अफरीदी और उस्मान खान।

जापान से हारकर भारतीय महिलाओं का अभियान क्वार्टर फ़ाइनल में समाप्त

चेंगदू, 02 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने एकल खिलाड़ियों के शानदार प्रयास के बावजूद पूर्व चैंपियन जापान से 0-3 से हारकर क्वार्टर फाइनल में अपना बीडब्ल्यूएफ थॉमस और उबेर कप 2024 अभियान समाप्त कर दिया। सभी अनुभवी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में, फिर भी कनाडा और सिंगापुर पर दो ठोस जीत के साथ अंतिम आठ चरण में जगह बनाना युवा दल के लिए एक बड़ा मौका था। शुरुआती एकल में, अश्मिता चालिहा ने वर्ल्ड नंबर 11 अया ओहोरी के खिलाफ एक मैच प्वाइंट बचाया। और निर्णायक गेम में ब्रेक पर 11-9 से आगे थीं। लेकिन ओहोरी ने अपने पूरे अनुभव का इस्तेमाल करते हुए तुरंत गति बढ़ा दी और लगातार पांच अंक ले लिए और फिर एक घंटे और सात मिनट में मैच 21-10, 22-24, 21-15 से जीत लिया। अपने प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए अश्मिता ने कहा, सैयद मोदी इंटरनेशनल में मैं उनसे बहुत बुरी तरह हार गई थी और मैं इस मानसिकता के साथ मैच में उतरी थी कि मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेलना है... तीसरे गेम में, मैंने 11-9 के बाद कुछ मूर्खतापूर्ण गलतियाँ कीं और इसके कारण मुझे मैच गंवाना पड़ा। इसके बाद नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जोड़ी ने राष्ट्रीय चैंपियन प्रिया कोन्जेंगबाम और श्रुति मिश्रा पर 21-8, 21-9 से जीत के साथ जापान की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद ईशरानी बरुआ ने अपनी क्षमताओं का अच्छा लेखा-जोखा दिया और पूर्व विश्व चैंपियन नोज़ोमी ओकुहारा के साथ मुकाबला बनाए रखा और शुरुआती गेम में 14-11 की बढ़त भी बना ली, लेकिन अनुभवी जापानी खिलाड़ी ने अगले 11 में से 10 अंक जीतकर पासा पलट दिया। दूसरा गेम भी पहले गेम के समान ही रहा क्योंकि दोनों खिलाड़ी 9-9 तक बराबरी पर थे, जिसके बाद ओकुहारा ने 21-15, 21-12 से जीत हासिल कर जापान के पक्ष में क्वार्टर फाइनल में जीत पक्की कर दी। थॉमस कप खिताब का बचाव कर रही भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन से भिड़ेगी। परिणाम: भारत जापान से 0-3 से हार गया (अश्मिता चालिहा अया ओहोरी से 10-21, 22-20, 15-21 से हार गई; प्रिया कोन्जेंगबाम/श्रुति मिश्रा नामी मत्सुयामा/चिहारू शिदा से 8-21, 9-21 से हार गईं; ईशरानी बरुआ नोज़ोमी ओकुहारा से 15-21, 12-21 से हार गयी)

चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025: पीसीबी ने ड्राफ्ट शेड्यूल में भारत के सभी मैच लाहौर में रखे

मुम्बई, 02 मई (एजेंसियां) ।

2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड जो शेड्यूल तैयार कर रही है उसमें भारत को पूरे टूर्नामेंट के लिए एक ही शहर में रोका जा सकता है। पीसीबी वह हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे 17 साल में पहली बार भारतीय टीम का पाकिस्तान दौरा संभव हो सके। दो सप्ताह के टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए पीसीबी कराची, लाहौर और रावलपिंडी पर विचार कर रही है। भारत के सभी मैच लाहौर में सकते हैं क्योंकि यहीं पर फ़ाइनल भी खेला जाना है।

भारत को एक ही शहर में रोकने से सुरक्षा संबंधी चिंता को कम किया जा सकता है। लाहौर में होने से वाघा बॉर्डर भी पास पड़ेगा, जिससे कि भारतीय फ़ैंस के लिए भी वहां जाना आसान होगा। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नक़वी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि उन्होंने एक ड्राफ़्ट बनाकर आईसीसी को भेज दिया है। ड्राफ़्ट पर पर चर्चा होनी बाक़ी है और सबसे अहम मुद्दा यही होगा कि क्या भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी या नहीं।

2008 में हुए एशिया कप के बाद से भारतीय टीम ने पाकिस्तान में नहीं खेला है। उसी साल हुए मुंबई हमले के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध लगातार ख़राब ही होते रहे हैं। पिछले साल जब पाकिस्तान ने एशिया कप की मेज़बानी की थी, तो उन्हें मजबूरी में हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ा था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे और इसमें पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हुआ मैच भी शामिल था।

पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में अपने लिए पाकिस्तान ने भी हाइब्रिड मॉडल की मांग की थी, लेकिन इस पर कभी गंभीर चर्चा हुई ही नहीं। पांच अलग-अलग मैदानों में पाकिस्तान ने अपने मैच खेले थे और ग्रुप चरण से बाहर हुए थे। चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भारतीय टीम पाकिस्तान जाएगी या नहीं, इसका फैसला बीसीसीआई की बजाय भारत सरकार के हाथों में है।

कराची में नक़वी ने उम्मीद जताई है कि इस टूर्नामेंट के लिए सभी आठ टीमें पाकिस्तान आएंगी। 1996 विश्व कप में भारत और श्रीलंका के साथ संयुक्त मेज़बानी करने के बाद यह पहला आईसीसी इवेंट होगा, जिसे पाकिस्तान मेज़बानी करता नजर आएगा। 2008 में ही पाकिस्तान इसे होस्ट करने वाला था, लेकिन टूर्नामेंट स्थगित कर दिया गया था और फिर इसे सुरक्षा कारणों से साउथ अफ़्रीका स्थानांतरित कर दिया गया था।

संयुक्त राष्ट्र सदस्यता देने की फलस्तीन की मांग का भारत ने किया समर्थन, अमेरिका ने किया था विरोध

वॉशिंगटन, 02 मई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक बार फिर इजराइल-फलस्तीन विवाद पर भारत का रुख साफ किया और कहा कि दो राष्ट्र सिद्धांत ही दोनों देशों के बीच विवाद का समाधान कर सकता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत, दो राष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। तभी फलस्तीन के लोग सुरक्षित सीमाओं के साथ आजादी से रह सकेंगे। साथ ही इजराइल की सुरक्षा चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा।

फलस्तीन की संयुक्त राष्ट्र सदस्यता का भारत ने किया समर्थन - भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिए फलस्तीन की मांग का समर्थन किया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका ने फलस्तीन की इस मांग का विरोध किया था। रुचिरा कंबोज ने कहा कि हमें उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन की सदस्यता पर उचित समय पर पुनर्विचार किया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने के फलस्तीन के प्रयास को समर्थन मिलेगा। गौरतलब है कि साल 1974 में फलस्तीन मुक्ति संगठन को फलस्तीन के लोगों के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाला भारत पहला गैर अरब देश था।

साल 1988 में भारत ने फलस्तीन को अलग देश की मान्यता दी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत के नेतृत्व ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि इजराइल और फलस्तीन के बीच सीधी और सार्थक बातचीत होनी चाहिए और दोनों देशों में दो राष्ट्र के सिद्धांत से ही शांति आ सकती है। भारत ने इस दिशा में दोनों देशों से सीधी शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील की।

इजराइल पर हुए 7 अक्तूबर के हमले की भी भारत ने की आलोचना - इजराइल हमास के बीच जारी युद्ध पर भारत ने कहा कि इस संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों, खासकर महिलाओं और बच्चों की जान गई है और गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है, जो बिल्कुल अस्वीकार्य है। कंबोज ने इजराइल पर 7 अक्तूबर को हुए हमले की भी कड़ी निंदा की और कहा कि वह आतंकी हमला चौंकाने वाला था और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। भारत का रुख आतंकवाद के सभी रूपों के साथ समझौता न करने वाला रहा है। भारत सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग करता है। कंबोज ने कहा कि गाजा में हालात बिगड़ने से रोकने के लिए तुरंत मानवीय सहायता पहुंचाई जानी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

प्रवासियों की बात करते-करते चीन से भारत-जापान की तुलना करने लगे राष्ट्रपति बाइडन, दे दिया अटपटा बयान

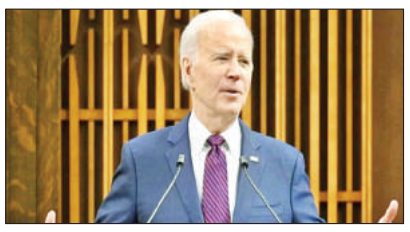

वॉशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने बयानों के कारण अक्सर काफी सुर्खियों में रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया, जिससे विवाद बढ़ सकता है। दरअसल, प्रवासियों का जिक्र करते हुए बाइडन ने भारत-जापान की तुलना चीन से कर दी। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और जापान में जेनोफोबिया यानी प्रवासियों के प्रति डर है, इसलिए इन देशों का आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है। साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि प्रवासन संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। फंड जुटाने वाले एक कार्यक्रम में बोले बाइडन गौरतलब है, अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों नेता एक दूसरे से आगे निकलने के लिए एक दूसरे पर वार-पलटवार करते रहते हैं। इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव के लिए फंड जुटाने वाले एक कार्यक्रम में बाइडन ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था क्यों बढ़ रही है इसका एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं। उन्होंने कहा कि हम इसलिए आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। आर्थिक रूप से क्यों पिछड़ रहा चीन अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह क्यों पिछड़ रहा है। जापान को क्यों समस्या हो रही है, रूस और भारत को क्यों हैं, क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। वे प्रवासियों को नहीं चाहते हैं। अप्रवासी ही हमें मजबूत बनाते हैं। आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्थाओं पर क्या कहा बाइडन का बयान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पिछले महीने के पूर्वानुमान को लेकर आया है। दरअसल, आईएमएफ का कहना था कि प्रत्येक देश साल 2023 की तुलना में 2024 में अपनी वृद्धि में गिरावट देखेगा। जापान में 0.9 फीसदी से लेकर भारत में 6.8 फीसदी तक गिरावट दर्ज की जा सकती है।

भारतीय राजदूत ने मालदीव के व्यापार मंत्री से की मुलाकात आर्थिक सहयोग पर हुई चर्चा

माले । मालदीव में भारत के राजदूत मनु महावर ने मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद के साथ मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार और आर्थिक सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय ने एक्स पर इस बैठक के बारे में जानकारी दी। मंत्रालय के पोस्ट का जवाब देते हुए उच्चायोग ने जुड़ाव जारी रखने की नई दिल्ली की इच्छा व्यक्त की। उच्चायोग ने दिया जवाब भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम भारत-मालदीव आर्थिक सहयोग को और बढ़ाने के लिए मंत्रालय के साथ निरंतर जुड़ाव की आशा करते हैं। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। उनके सत्ता संभालने के बाद यह पहली बैठक है। उन तनाव के बावजूद भारत ने अपना नरम कूटनीतिक रुख बरकरार रखा। मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीएनसी को 67 सीटों पर जीत हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में, 20वीं पीपुल्स मजलिस में 93 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 368 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 130 स्वतंत्र उम्मीदवार थे। समाचार पोर्टल के अनुसार, पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) 90 सीटों पर तो मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने 89 सीटों पर चुनाव लड़ा।

फिलीपींस में भीषण गर्मी से सूखा बांध....दिखाई दी 300 साल पुरानी बस्ती

मनीला । फिलीपींस में इनदिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी कितनी खतरनाक हैं, कि यहां बांध भी सूखने लगे हैं। फिलिपींस के क प्रमुख बांध का पानी सूखने के कारण 300 साल पुरानी बस्ती फिर दिखाई दी हैं। राष्ट्रीय सिंचाई प्रशासन के पर्यवेक्षक इंजीनियर मार्लोन पलाडिन ने कहा कि कई महीनों तक बारिश नहीं हुई है। इस कारण मार्च में नुएवा एसिजा प्रांत में पेंटाबांगन बांध का पानी सूखने लगा। बांध के सूखने के बाद अब एक चर्च, मकबरा और एक कस्बे का हॉल सहित प्रमुख संरचनाएं दिखाई दे रही हैं। इस कस्बे का नाम पेंटाबंगन है। 1970 के दशक में जब बांध बनाया गया तब यह जलाशय के कारण पानी के नीचे डूब गया। लेकिन इस समय देश के लगभग आधा हिस्से सूखे की चपेट में है। इससे बांध का जल स्तर भी नीचे हो गया। फिलीपींस सरकार की मौसम एजेंसी के आकड़ों के मुताबिक 30 अप्रैल को यह स्तर सामान्य से 50 मीटर कम था। पलाडिन ने आगे कहा, बांध बनने के बाद यह छठी बार है जब यह शहर एकबार फिर दिखने लगा है। लेकिन इस बार यह सबसे लंबे समय तक दिख रहा है।

अमेरिका के नास्त्रेदमस ने की राष्ट्रपति चुनाव की भविष्यवाणी

वॉशिंगटन, 02 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के नास्त्रेदमस कहे जाने वाले एलन लिक्टमैन राष्ट्रपति चुनाव से पहले हमेशा भविष्यवाणी करते हैं। सबसे खास बात यह है कि उनकी भविष्यवाणियां अक्सर सही साबित होती हैं। पिछले 10 अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में से नौ भविष्यवाणियां एकदम सही निकली हैं, जिनकी वजह से उन्हें एक अलग पहचान मिली है।

लिक्टमैन ने फिलहाल यह नहीं बताया है कि इस बार कौन जीतेगा। हालांकि, कार्यालय पर कौन कब्जा करेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी करने के लिए उन्होंने एक मॉडल पेश किया है, जिसे वह व्हाइट हाउस के लिए 13 कुंजी कहते हैं।

ऐसे तैयार किया है मॉडल

कुंजियां, जिनमें सही या गलत प्रश्नों की श्रृंखला, आर्थिक प्रदर्शन, सामाजिक स्थिरता और मौजूदा करिश्मा सहित विभिन्न कारकों का आकलन करना शामिल है। अब्राहम लिंकन के समय के बाद से ऐतिहासिक डाटा के सावधानीपूर्वक विश्लेषण के माध्यम से लिक्टमैन ने एक पूर्वानुमानित मॉडल तैयार किया है जो पारंपरिक चुनाव विशेषज्ञों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक तरीकों से परे है।

इस तरह की जाती है भविष्यवाणी

एलन लिक्टमैन ने कहा, मैंने अभी तक अंतिम भविष्यवाणी नहीं की है, लेकिन मेरे पास व्हाइट हाउस के लिए 13 कुंजियों का एक मॉडल है जो 1984 के बाद से भविष्यवाणियों को सही साबित करता आ रहा है। जिस तरह से यह काम करता है वह यह है कि यदि 13 में से छह या अधिक कुंजी वर्तमान पार्टी के खिलाफ जाती हैं तो उनके हारने की भविष्यवाणी की जाती है। यदि छह से कम है तो उनके जीतने की भविष्यवाणी की जाती है।

उन्होंने कहा, इस चुनाव में जो बाइडन के हारने के लिए अभी बहुत कुछ गलत करना होगा। वह इस समय सिर्फ दो कुंजियों से नीचे है।

बाइडन को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दूसरी बार चुनौती दिए जाने की उम्मीद है, जो नवंबर में होने वाले 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के लिए रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा बनने की संभावना है। लिक्टमैन का कहना है कि बाइडन को चुनौती देने वालों की राह आसान नहीं होने वाली है।

13 कुंजी क्या हैं

लिक्टमैन का अनुमान हर बार सही साबित होता है। ऐसे में हर बार लोगों की निगाहें उन्हीं पर टिक जाती हैं। एक बार फिर लोग जानने के लिए उत्सुक हैं कि वो इस साल क्या भविष्यवाणी करेंगे। आर्थिक मंदी के बीच रोनाल्ड रीगन की फिर से चुनाव जीत से लेकर जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश के खिलाफ बिल क्लिंटन की जीत तक लिक्टमैन ने सही भविष्यवाणियां की थीं।

लिक्टमैन की यह है 13 कुंजियां

पार्टी का जनादेश: मध्यावधि चुनावों के बाद, मौजूदा पार्टी पिछले मध्यावधि चुनावों की तुलना में अधिक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा सीटें हासिल करती है।

नामांकन प्रतियोगिता: मौजूदा पार्टी के नामांकन के लिए कोई महत्वपूर्ण चुनौती नहीं है।

सत्ता: वर्तमान अध्यक्ष मौजूदा पार्टी का प्रतिनिधित्व करता है।

थर्ड पार्टी फैक्टर : कोई थर्ड पार्टी या स्वतंत्र अभियान नहीं है।

अल्पकालिक आर्थिक स्थिरता: चुनाव अवधि के दौरान अर्थव्यवस्था को मंदी का सामना नहीं करना पड़ता है।

दीर्घकालिक आर्थिक विकास: वास्तविक प्रति व्यक्ति आर्थिक विकास पिछले दो कार्यकालों की औसत वृद्धि के बराबर या उससे अधिक है।

नीति परिवर्तन: मौजूदा प्रशासन राष्ट्रीय नीति में बड़े बदलाव करता है।

सामाजिक स्थिरता: पूरे कार्यकाल में कोई दीर्घकालिक सामाजिक अशांति नहीं है।

घोटाला मुक्त: मौजूदा प्रशासन बड़े घोटालों से मुक्त रहता है।

विदेशी/सैन्य दुर्घटनाएं: मौजूदा प्रशासन के तहत विदेशी या सैन्य मामलों में कोई महत्वपूर्ण विफलता नहीं होती है।

विदेशी/सैन्य जीत: निवर्तमान प्रशासन विदेशी या सैन्य मामलों में महत्वपूर्ण सफलताएँ प्राप्त करता है।

मौजूदा आकर्षण: मौजूदा पार्टी के उम्मीदवार के पास करिश्मा है या उसे राष्ट्रीय नायक का दर्जा प्राप्त है।

चुनौती देने वाली अपील: विरोधी पार्टी के उम्मीदवार के पास करिश्मा या राष्ट्रीय नायक का दर्जा नहीं है।

फिलहाल पूर्वानूमान का कोई मूल्य नहीं

हाल के सर्वों से संकेत मिलता है कि अमेरिकी मतदाता राष्ट्रपति बाइडन की तुलना में ट्रंप को अर्थव्यवस्था के लिए अधिक अनुकूल मानते हैं। सर्वे में, 41 प्रतिशत प्रतिभागियों ने बाइडन के मुकाबले ट्रंप के आर्थिक दृष्टिकोण का समर्थन किया, जबकि 34 प्रतिशत ने बाइडन का समर्थन किया। शेष उत्तरदाताओं ने या तो अनिश्चितता व्यक्त की या महसूस किया कि किसी भी उम्मीदवार का बेहतर रुख नहीं था। हालांकि, लिक्टमैन ने कहा कि शुरुआती चुनावों में भविष्य कहने का कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि उदाहरण से समझ सकते हैं कि अगर आज चुनाव हुए तो उम्मीदवार यहीं खड़े हैं। फिलहाल चुनाव आज नहीं हो रहा है, इसलिए चुनावों का पूर्वानुमान लगाने का कोई मूल्य नहीं है। शुरुआती चुनाव अक्सर आपको भटका देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत बोला- इजराइली बंधकों को रिहा करे हमास

आतंकवाद को सही नहीं ठहरा सकते, आजाद फिलिस्तीन देश की मांग का समर्थन किया

नई दिल्ली, 02 मई (एजेंसियां) ।

भारत ने इजराइल- हमास संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र(यूएन) में फिलिस्तीन के टू स्टेट सॉल्यूशन की मांग का समर्थन किया है। यूएन में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा भारत इजराइल और फिलिस्तीन के बीच टू स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां फिलिस्तीन के लोग अपने देश में सुरक्षित रह सकें। कंबोज ने हमास के 7 अक्टूबर को इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा भी की और बंधकों की जल्द से जल्द रिहाई की मांग की है। हमास के हमलों पर बोलते हुए कंबोज ने कहा है आतंकवाद को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत हमेशा से आतंकवाद का विरोध करता है और करता रहेगा। उन्होंने कहा, हम सभी बंधकों की रिहाई की मांग करते हैं। कंबोज ने इजराइल और हमास दोनों को अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानवीय कानूनों का पालन करने को कहा।' इससे पहले हमास के नेता भी कह चुके है कि अगर फिलिस्तीन को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता मिलती है। तो हमास हथियार डाल देगा।भारत ने यूएन में फिलिस्तीन की परमानेंट मेंबरशिप का समर्थन किया है। भारत की ओर से रुचिका कंबोज ने कहा, मौजूदा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत उम्मीद करता है कि सही समय पर यूएन की परमानेंट मेंबरशिप के आवेदन पर पुनर्विचार किया जाएगा और यूएन का सदस्य बनने में फिलिस्तीन के प्रयासों को समर्थन मिलेगा। 18 अप्रैल को यूएन की सिक्योरिटी काउंसिल में फिलिस्तीन की परमानेंट मेंबरशिप को लेकर प्रस्ताव लाया गया था। इस प्रस्ताव को 12 सदस्य देशों का समर्थन भी मिला था। लेकिन अमेरिका के वीटो के कारण यह प्रस्ताव यूएन से पास नहीं हो सका था। अगर प्रस्ताव यूएनएससी में पास हो जाता है, तो उसे वोटिंग के लिए यूएन में भेजा जाता।भारत ने गाजा में मानवीय सहायता बढ़ाने पर जोर देने की भी बात कही है। कंबोज ने कहा है कि गाजा में स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए लोगों की सहायता करना जरूरी है। भारत फिलिस्तीन में सहायता प्रदान करता रहेगा। और बाकि देशों से भी मानवीय मदद बढ़ाने का आग्रह करता है। भारत ने कहा है कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का स्वागत करते हैं।इस सॉल्यूशन की बात सबसे पहले 1991 में मैड्रिड शांति सम्मेलन में उठी थी। फिलिस्तीनी कई सालों से इसकी मांग करते आए है। फिलिस्तिनयों का का कहना है कि उन्हें 1967 में हुई इजराइल- अरब वॉर से पहले का इलाका मिले। जहां वो एक स्वतंत्र फिलिस्तीन देश की स्थापना करें, जिस पर इजराइल का कोई अधिकार न हो। दरअसल , 1967 में अरब देशों और इजराइल के बीच जंग हुई थी।

मेक्सिको की खाड़ी में मिला दुनिया का सबसे गहरा ताम जा ब्लू होल, नहीं जा सका है कोई गोताखोर व सबमरीन

मेक्सिकोसिटी, 01 मई ।

मेक्सिको में दुनिया सबसे गहरा ब्लू होल मिला है। यह मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप के चेतुमल खाड़ी में है। इसका नाम है 'ताम जा ब्लू होल'। अभी तक वैज्ञानिक इसकी गहराई नाप नहीं पाए हैं लेकिन शुरुआती गणना के अनुसार ये करीब 1,380 फीट गहरा है और समुद्र के नीचे की सतह में है। इससे पहले सबसे गहरे गड्ढे का रिकॉर्ड दक्षिणी चीन सागर में मौजूद ड्रैगन होल के नाम था। यह 990 फीट गहरा था। जबकि, ताम जा ब्लू होल चीन के गड्ढे से 390 फीट ज्यादा गहरा है। पिछले वर्ष छह दिसंबर को गोताखोरों ने इस गड्ढे को ढूंढ निकाला था। इस संबंध में बीते 29 अप्रैल को फ्रंटियर्स इन मरीन साइंस जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। वैज्ञानिकों ने इसकी गहराई नापने के लिए कंडक्टिविटी, टेंपरेचर एंड डेप्थ प्रोफाइलर (सीटीडी) तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे समंदर के नीचे की सतह का रियल टाइम डेटा मिलता है। जिससे पता चलता है कि यह दुनिया का सबसे गहरा ब्लू होल है। जिसकी तलहटी तक अभी कोई गोताखोर या सबमरीन जा नहीं पाई है। गड्ढे से कई गुफाएं और सुरंगें भी निकलती हैं सीटीडी प्रोफाइलर से यह भी पता चला है कि 1,312 फीट की गहराई में इस गड्ढे से कई गुफाएं और सुरंगें भी निकलती हैं। जो आपस में जुड़ी हुई हैं। यहां पर तापमान और सैलिनिटी यानी नमक की मात्रा कैरिबियन सागर की तरह है। ये जमीन के अंदर गड्ढे होते हैं, जो बाद में नीचे सुरंगों का जाल से जुड़े होते हैं या फिर कभी-कभी नहीं भी जुड़े होते। असली गहराई तक जाने में लग सकता है समय इनकी तलहटी में मार्बल, जिप्सम पाया जाता है। ऐसा ही एक बहामास का डीन्स ब्लू होल भी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, गड्ढे की असली गहराई पता करने में थोड़ा समय और लग सकता है, क्योंकि उनके यंत्र उतनी गहराई तक नहीं जा सकते। सीटीडी प्रोफाइलर 1,640 फीट तक जा सकता है लेकिन पानी में करंट के चलते केबल टूटने का खतरा था।

ब्रिटेन पहुंचे हजारों शरणार्थियों को भेजा जाएगा रवांडा, हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई शुरू

लंदन, 02 मई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन की संसद ने हाल ही में विवादित रवांडा डिपोर्टेशन विधेयक पारित किया था। ऋषि सुनक ने प्रधानमंत्री बनने से पहले रवांडा पॉलिसी लागू करने का वादा किया था। अब इसी के तहत जुलाई की शुरुआत में ब्रिटेन से अवैध शरणार्थियों के पहले जत्थे को रवांडा भेजना शुरू किया जाएगा। इसके लिए यहां की सरकार ने शरणार्थियों को हिरासत में लिए जाने का काम शुरू कर दिया है। गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा, हमारी प्रवर्तन टीमें उन लोगों को तेजी से हिरासत में लेने के लिए गति से काम कर रही हैं, जिन्हें यहां रहने का कोई अधिकार नहीं है। हिरासत में लेने के बाद इन्हें रवांडा भेजा जाएगा।

शरणार्थियों को रोकना सरकार की प्राथमिकता - बता दें कि हाल के सालों में हजारों की संख्या में लोग गरीबी और युद्ध की मार से परेशान होकर अफ्रीका, मिडिल ईस्ट और एशियाई देशों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। ये लोग अपनी जान जोखिम में डाल छोटी-छोटी नौकाओं से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचते हैं। इन शरणार्थियों को रोकना ब्रिटेन सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि शरणार्थियों को रवांडा भेजना अमानवीय है। ब्रिटिश सुप्रीम कोर्ट भी शरणार्थियों को रवांडा डिपोर्ट करने की पॉलिसी को गैरकानूनी करार दिया है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हाल ही में यूरोप से छोटी नौकाओं से पहुंचने वाले प्रवासियों को लेकर कहा था कि इन लोगों पर रोक लगाने के लिए पहले हिरासत में लिया जाएगा। उसके बाद इन्हें अगले 10 से 12 सप्ताह में रवांडा भेजा जाएगा। चैरिटी फ्रीडम फ्रॉम टॉर्चर ने सरकार के कार्यों की निंदा की। साथ ही कहा कि इस सरकार ने मानवता को खो दिया है।

ब्रिटेन की रवांडा पॉलिसी विवादित क्यों है - ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की रवांडा पॉलिसी लगातार विवादों में बनी हुई है। वह अवैध रूप से ब्रिटेन आने वालों के लिए बनाई गई रवांडा पॉलिसी को लेकर कई बार घिर चुके हैं। ब्रिटेन की रवांडा पॉलिसी उन शरणार्थियों पर लागू कर रहे हैं, जो इंग्लिश चैनल पार करके आ रहे हैं। ये वे लोग हैं, जो अवैध तरीके से ब्रिटेन पहुंचते हैं। ब्रिटिश नेशनलिटी एंड बॉर्डर्स एक्ट के मुताबिक, केवल उन्हीं लोगों को देश में शरण मिल सकती है, जो वैध ढंग से आए हों और यूरोप के किसी देश के रहने वाले हों। लेकिन ज्यादातर लोग युद्ध में घिरे देशों से भागकर आए हैं। ब्रिटेन उन्हें वापस भगाकर खुद को क्रूर नहीं दिखा सकता। यही वजह है कि उसने रवांडा के साथ ऐसा करार किया, जिससे वहां आए अवैध लोग रवांडा डिपोर्ट किया जाए। बता दें कि अप्रैल 2022 में ब्रिटेन और रवांडा के बीच असाइलम पॉलिसी पर एग्रीमेंट हुआ था।

फिटनेस इंस्ट्रक्टर को 11 साल की जेल, मानवाधिकार संगठन का आरोप- सोशल मीडिया पोस्ट के लिए हुई सजा

दुबई, 02 मई (एजेंसियां) ।

मुस्लिम देश सऊदी अरब महिला अधिकारों के दमन को लेकर जाना जाता है। हाल के सालों में महिलाओं के लिए कई सुधार किए हैं। फिर भी काफी हद तक यह देश पीछे ही है। दरअसल, यहां एक 29 साल की फिटनेस इंस्ट्रक्टर को उसके कपड़ों और सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने को लेकर 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। हालांकि, इंस्ट्रक्टर के बचाव में मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल उतर आया है। उसने सऊदी अरब से महिला को सजा से रिहा किए जाने को कहा है।

साथ ही देश की पुरुष को बढ़ावा देने वाली प्रणाली को खत्म करने का आग्रह किया है।

जनवरी में सुनाई गई थी सजा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुरोध पर सऊदी अरब के औपचारिक जवाब सामने आने पर लंदन स्थित एमनेस्टी ने कहा कि मनाहेल अल-ओतैबी को जनवरी में सजा सुनाई गई थी। एमनेस्टी और लंदन स्थित अल-क्यूस्ट का कहना है कि ओतैबी पर आरोप लगाया गया था कि उसने सोशल मीडिया पर पुरुष संरक्षकता को खत्म करें पोस्ट किया और साथ ही उसके वीडियो सामने आए, जिसमें उसने ढंग के कपड़े नहीं पहने थे।

हालांकि, इन सब पर जब एक न्यूज एजेंसी ने सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय मीडिया कार्यालय से जानकारी लेनी चाहिए, तो सवालों का जवाब नहीं दिया गया।

सऊदी अरब ने किया इनकार

वहीं, सऊदी अरब ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकार कार्यालय को अपने औपचारिक जवाब में इस बात से इनकार किया कि अल-ओतैबी को सोशल मीडिया पोस्ट के लिए सजा सुनाई गई थी। इसमें कहा गया कि उन्हें आतंकवादी अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था, जिसका उनके विचारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रयोग या उनके सोशल मीडिया पोस्ट से कोई लेना-देना नहीं है।

बताया जा रहा है कि फिटनेस इंस्ट्रक्टर को दोषी ठहराने पर संयुक्त राष्ट्र ने सऊदी अरब की आलोचना की।

ओतैबी की बहन पर भी आरोप

एमनेस्टी के अनुसार, अल-ओतैबी की बहन फौजिया पर भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं, लेकिन 2022 में पूछताछ के लिए बुलाए जाने के बाद वह सऊदी अरब से भाग गई थी। सऊदी अरब पर एमनेस्टी के प्रचारक बिसान फकीह ने कहा कि ऐसी सजाओं के चलते सऊदी ने हाल के वर्षों में महिला अधिकार सुधारों की योजना के खोखलेपन को उजागर किया है। महिलों की बात को दबाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

मोहम्मद बिन सलमान ने किया था बदलाव लाने का वादा

सऊदी अरब एक कट्टर इस्लामिक देश है, जो पहले वहाबी विचारधारा का सबसे बड़ा समर्थक था। पर साल 2017 में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने महिलाओं की स्थिति में बदलाव लाने का वादा किया और सत्ता में आ गए। हालांकि, सत्ता में आने के बाद उन्होंने पुरुष संरक्षकता कानूनों में कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। इससे महिलाओं के गाड़ी चलाने का अधिकार, पासपोर्ट प्राप्त करने और अकेले यात्रा करने का अधिकार मिल गया। हालांकि, भारतीय नागरिकता की तुलना में सऊदी महिलाओं को ज्यादातर क्षेत्रों में पुरुषों के बराबर का दर्जा नहीं है।

5 मई को है माह का पहला प्रदोष व्रत

प्रदोष का पावन व्रत हर माह में आता है। ये एक ऐसा व्रत है जिसे बहुत कल्याणकारी माना जाता है। इस व्रत को जो भी लोग करते हैं वो उस दिन भगवान शिव का आराधना में लीन रहते हैं। ये भी मान्यता होती है कि जो भी इस दिन इस व्रत को करते हैं, शिव और पार्वती उनकी सभी मनोकामनाओं की पूर्ति भी हैं। ये व्रत निः संतानों को संतान देने वाला भी माना जाता है। अपने परिवार की सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ बहुत से लोग नियमित रूप से प्रदोष का व्रत रखते हैं। आपको बताते हैं कि मई माह ये व्रत कब आने वाला है इसका शुभ मुहूर्त क्या है।

मई माह में प्रदोष व्रत

मई का पहला प्रदोष व्रत माह के पांचवें दिन यानी कि 5 मई को आएगा। इस दिन वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि होगी। इसी दिन शाम पांच बजकर 41 मिनट से प्रदोष का व्रत शुरू हो ये तिथि अगले दिन तक जारी रहेगी। तिथि का समापन 6 मई 2024 की दोपहर को दो बजकर 40 मिनट पर होगा। इस हिसाब से प्रदोष का व्रत 5 मई को रखना शुभ माना जा रहा है। इस बार ये तिथि रविवार को होगी। इसलिए इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जा रहा है।

ये है पूजा का मुहूर्त और पौराणिक महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। ये भी मान्यता होती है कि इस दिन व्रत रखने वाले को थोड़े कठिन नियमों का पालन करना चाहिए। कठिन व्रत रखने वालों को भगवान शिव सुख सेहत के साथ समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। कुछ लोगों में इस दिन खासतौर से भगवान शिव के नटराज स्वरूप को पूजना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव के इस स्वरूप के पूजन से अनश्वर फलों की प्राप्ति होती है। इस रूप से जुड़ी एक अन्य भी कही जाती है। जिसके अनुसार भगवान शिव ने नटराज रूप लेकर नृत्य किया और एक अप्सरा रूपी राक्षस का अंत किया। यही वजह है कि भक्त भगवान के नटराज स्वरूप का पूजन करते हैं।

तीन देवी-देवताओं को पान के पत्ते पर भोग लगाने से खुल जाती है किस्मत

हिंदू धर्म में पान के पत्तों का काफी महत्व है। पूजा-पाठ में इसे चढ़ाना शुभ माना जाता है। पान के पत्तों को शुभता और लाभ का प्रतीक माना गया है। पूजा के दौरान पान के में सुपाड़ी और अक्षत रखकर देवी-देवताओं को अर्पित किया जाता है। मान्यता है कि पूजा से जुड़े अनुष्ठानों में पान के पत्ते चढ़ाना देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के समान है। पान के पत्तों में देवी-देवताओं का निवास भी माना गया है। ऐसे में तीन ऐसे देवी-देवता हैं, जिन्हें पान पत्ते चढ़ाने या भोग लगाने से सोई किस्मत भी जाग सकती है।

पान तीन देवताओं का प्रतीक

ज्योतिष के अनुसार, पान तीन देवताओं का प्रतीक है। इसका सिरा भगवान शिव का प्रतीक माना गया है। बीच का भाग भगवान विष्णु का प्रतीक होता है। वहीं, तना वाले भाग में लक्ष्मी का निवास माना गया है। कहा जाता है कि इन तीनों भगवान को पान के पत्ते का भोग लगाना अत्यंत शुभ और लाभदायी है।

भगवान शिव को चढ़ाएं पान

मान्यता के अनुसार, भगवान शिव को पान के पत्तों के साथ लौंग, सुपारी, इलायची और कपूर रखकर अर्पित करना शुभ होता है। इससे सौभाग्य बढ़ता है और किस्मत खुल जाती है। भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होकर जीवन सुखमय बनाते हैं।

भगवान विष्णु को पान पर भोग

मान्यता है कि भगवान विष्णु को भी पान बेहद प्रिय है। उन्हें पान के पत्तों पर तुलसी, फल और कमल फूल रखकर भोग से वैवाहिक जीवन हमेशा सुखमय बना रहता है और जीवन में प्रगति होती रहती है।

मां लक्ष्मी को पान का भोग

धन की देवी मां लक्ष्मी को भी पान अत्यंत प्रिय है। उन्हें पान के पत्ते पर कमल का फूल, श्रीफल और फल रखकर भोग लगाना शुभ माना गया मान्यता है कि ऐसा करने से आर्थिक तंगी हमेशा के लिए दूर हो जाती है।

देव गुरु बृहस्पति कर चुके हैं वृषभ राशि में गोचर

बढ़ सकती हैं इन राशियों की परेशानियां

देवताओं के गुरू बृहस्पति एक वर्ष बाद 1 मई को दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर गोचर कर अपनी शत्रु राशि वृषभ में प्रवेश कर चुके हैं। ग्रहों के राशि परिवर्तन का कभी अच्छा तो कभी बुरा प्रभाव राशियों पर पड़ता है। कुछ राशियों पर यह ज्यादा हो सकता है। बृहस्पति के वृषभ में गोचर करने से कुछ राशियों के जातकों के जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं। आइए जानते हैं बृहस्पति के वृषभ राशि में गोचर करने से किन छह राशियों के जीवन में आ सकती हैं दिक्कतें।

बृहस्पति का वृषभ राशि में गोचर

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों को बृहस्पति के वृषभ में गोचर करने के कारण यात्रा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस समय संभल कर यात्रा करें। इसके साथ ही समय खराब होने के कारण ऋण बढ़ने का खतरा है।

कर्क राशि – कर्क राशि के विरोधियों पर नजर रखें। इस समय दुश्मन नुकसान पहुंचाने का प्रयत्न कर सकते हैं। इसके साथ ही जीवनसाथी से मनमुटाव बढ़ने का भी खतरा है।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातक इस समय व्यय में वृद्धि का सामना कर सकते हैं। अनावश्यक चीजों पर खर्च के कारण स्थिति प्रभावित हो सकती है।

तूला राशि – तुला राशि के जातकों को नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। छोटे भाई या बहन से सहयोग में कमी का अनुभव कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों को परिजनों से का सामना करना पड़ सकता है। कार्य स्थल पर जल्दीबाजी में निर्णय लेने से समस्याएं आ सकती है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों को विरोधी परेशान कर सकते हैं। दुर्घटना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों से परेशान हो सकते हैं।

भगवान भोलेनाथ की पूजा करने से पहले जान लें सही नियम

भगवान भोलेनाथ को सोमवार का दिन प्रिय है। कहते हैं कि सोमवार के दिन अगर उनकी आराधना सच्चे मन से जाए, तो वो अपने भक्तों पर असीम कृपा बरसाते हैं। ऐसे में अगर आप सोमवार के दिन भगवान शिव के किसी मंदिर में उनकी आराधना करने के लिए जाएं और शिवलिंग की पूजा करें, तो उससे पहले ये नियम जान लें कि पर सबसे पहले क्या चढ़ाना चाहिए जल या बेलपत्र, जिससे भगवान भोलेनाथ प्रसन्न हो जाएं।

शिवलिंग पर सबसे पहले चढ़ाएं जल– भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने से पहले उन्हें जल जरूर अर्पित किया जाता है। जलाभिषेक करने से वो अति प्रसन्न होते हैं, इसके बाद उन्हें भांग, धतूरा, आदि चीजें अर्पित की जानी चाहिए। कहते हैं सोमवार को विधि-विधान के साथ शिवलिंग पर जलाभिषेक करने और भगवान भोलेनाथ की प्रिय चीजें अर्पित करने से वह भक्तों की सभी परेशानियों को दूर कर देते हैं और उन्हें मनचाहा वरदान भी देते हैं। पर जल चढ़ाना यूं तो बहुत शुभ माना जाता है, लेकिन सबसे पहले आपको शिवलिंग के दाहिने और बाहिने स्थान पर स्थित गणेश जी और कार्तिकेय भगवान पर जल अर्पित करना चाहिए। इसके बाद शिवलिंग का गोल घेरा यानी कि चारों ओर मां पार्वती को समर्पित है वहां जल चाहिए। इसके बाद मध्य का भाग जो शिवजी और पार्वती जी की पुत्री अशोक सुंदरी का है वहां जल अर्पित करना चाहिए, तत्पश्चात शिवलिंग के ऊपर जल चढ़ाना चाहिए। शिवलिंग पर भगवान शिव के साथ उनका पूरा परिवार विराजमान रहता है और उनकी पूजा करने से पहले सबसे पहले जी, कार्तिकेय जी, मां पार्वती और अशोक सुंदरी जी की पूजा की जाती हैं।

जलाभिषेक के बाद क्या चढ़ाएं –शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के बाद आप दूध, दही और शहद भी शिवलिंग पर अर्पित कर सकते हैं और उसके बाद पुनः जल से स्नान कराएं। भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र सफेद फूल चढ़ाएं और एक धतूरा भी आप उन्हें अर्पित कर सकते हैं।

रक्षा सूत्र कितनी बार लपेटना शुभ, जानें कितने दिनों तक पहनना चाहिए कलावा

हिंदू धर्म में किसी भी मांगलिक कार्य से पहले कलाई पर कलावा बांधा जाता है। इसे रक्षा सूत्र या मौली भी कहा जाता है। रक्षा सूत्र बांधना वैदिक परंपरा का रहा है। यज्ञ में इसे बांधने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसका उल्लेख पौराणिक कथाओं में भी है। जिसमें बताया गया है कि असुरों के दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए भगवान वामन ने उनकी कलाई पर कलावा बांधा था। ऐसे में अगर आप भी रक्षा सूत्र पहनते तो आइए जानते हैं इसे कितनी बार लपेटना चाहिए, कौन सा रक्षा सूत्र नहीं पहनना चाहिए और इसे बांधने के क्या नियम हैं।

रक्षा सूत्र कितने दिनों तक पहनना चाहिए

कई बार ऐसा होता है, जब कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने के कई-कई दिनों तक हम उसे निकालना ही जाते हैं। ज्योतिष के अनुसार, ज्यादा दिन तक हाथ में रहने वाले कलावे का जब रंग उतरने लगता है तो उसकी ऊर्जा भी कम होने लगती है और एक समय बाद खत्म हो जाती है, इसलिए शास्त्रों में बताया गया है कि इसे कितने दिन पहनना चाहिए। शास्त्रों के हाथ में कलावा 21 दिनों से ज्यादा नहीं बांधना चाहिए, क्योंकि इतने दिन में उसका रंग उतरने लगता है और जिस कलावा का रंग उतर जाए, उसे नहीं पहचना चाहिए।

अशुभ होता है ऐसा कलावा

शास्त्रों में बताया गया है कि जिस कलावा का रंग उतर गया है, उसे नहीं बांधना चाहिए। ऐसे में उसे उतार देना चाहिए। 21 दिनों के बाद फिर किसी शुभ मुहुर्त में इसे बंधवा सकते हैं। कहा यह भी जाता है कि हाथ से उतारा हुआ कलावा भी नहीं पहनना चाहिए, क्योंकि इससे निगेटिविटी बढ़ती है। हाथ से उतारा हुआ रक्षा सूत्र बहती नदी में प्रवाहित करना चाहिए। यह शुभ माना गया है।

कलावा बांधने का सही नियम क्या है

* पुरुषों और अविवाहित कन्याओं को अपना दाएं हाथ में रक्षा सूत्र बांधना चाहिए।
* शादीशुदा महिलाएं बाएं हाथ में रक्षा सूत्र बंधवाए
* कलावा बंधवाते समय उस हाथ की मुट्ठी बंद रखें।
* कलावा बंधवाते वक्त दूसरा हाथ हमेशा सिर पर रखना चाहिए।
* कलावा सिर्फ तीन बार ही लपेटाना चाहिए।

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने का नहीं बन रहा है बजट तो ये चीजें ले आएं

मां लक्ष्मी घर में करेंगी बरकत

हर साल के वैशाख माह में शुक्ल पक्ष की तीसरी तिथि भी आती है। ये तिथि ही अक्षय तृतीया कहलाती है। इस साल ये शुभ दिन 10 मई 2024 को आने वाली है। अक्षय तृतीया वो पावन दिन होता है जब पूजा पाठ के कार्य संपन्न होते हैं। शुभ और मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। साथ ही सोना खरीदना भी शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में ये मान्यता होती है कि इस दिन सोना या सोने के आभूषण खरीदे जाने चाहिए। लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए। पूजा करने के बाद इन कौड़ियों को लाल रंग के कपड़ें में लपेटें और उस जगह रखें, जहां आप धन संचय करते हैं।

चांदी–जिस तरह सोना बहुत शुभ होता है उसी तरह अक्षय तृतीया के मौके पर चांदी खरीदना भी शुभ होता है। अगर आप इस पावन दिन सोना न खरीद सकें तो आप चांदी का कोई आभूषण, सिक्का या कोई मूर्ति भी खरीद सकते हैं।

इसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति का तरीका माना जाता है। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। लेकिन सोना दिन प्रतिदिन महंगा होता जा रहा है। अब सोना खरीदना सबके बजट की बात नहीं होती है। लेकिन जो लोग सोना नहीं खरीद सकते वो लोग क्या करें। कुछ और ऐसी वस्तुएं हैं जिन्हें खरीद कर उतना ही पावन फल प्राप्त किया जा सकता है।

अक्षय तृतीया पर खरीदें ये चीजें

अक्षय तृतीया के दिन कौड़ी खरीदना सोना खरीदने जितना ही शुभ है। ये माना जाता है कि कौड़ियां माता लक्ष्मी को अति प्रिय होती हैं। अक्षय तृतीया पर कौड़ियां खरीद कर इसे माता

मिट्टी का मटका– अक्षय तृतीया के मौके पर मिट्टी का पात्र या खासतौर से मटका खरीदना भी शुभ होता है। इस खास दिन पर आप घड़ा खरीदें और इसमें शरबत बनाकर रखें। पूजा पाठ के बाद ये शरबत आप दान कर दें। इस तरह का दान करना भी अक्षय तृतीया पर बहुत पुण्यदायी होता है।

जौ–अक्षय तृतीया पर सोना न खरीद सकें तो कोई बात नहीं जौ खरीद कर भी वही पुण्य हासिल किया जा सकता है। इस अन्न को धरती मां का दिया सबसे पहला अन्न माना जाता है। कुछ लोगों मान्यता है कि ये अन्न विष्णुजी का प्रतीक होते हैं। इसलिए जौ खरीदना और मां लक्ष्मी को अर्पित करना शुभ माना जाता है।

मान्यतानुसार घर आती है खुशहाली अगर वैशाख माह में तुलसी की ऐसे करते हैं पूजा

सनातन धर्म में वैशाख का महीना बहुत पवित्र माना जाता है। कहते हैं कि इस महीने स्नान-दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इतना ही नहीं माना जाता है कि अगर वैशाख के महीने में की पूजा की जाए और उन्हें कुछ विशेष चीजें अर्पित की जाएं, तो इससे भी घर से तंगहाली दूर होती है और घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस बार वैशाख महीने की शुरुआत 21 अप्रैल 2024, रविवार से हो चुकी है, जो 21 मई 2024, मंगलवार तक ऐसे में वैशाख के महीने में आपको तुलसी पर क्या उपाय करने चाहिए, जानें यहां।

तुलसी की विशेष पूजा

गुरुवार का दिन मां तुलसी को समर्पित होता है, ऐसे में इस दिन उनकी विशेष पूजा करने से भक्तों को विशेष लाभ मिलते हैं। गुरुवार को की पूजा करते समय एक बर्तन में 7 हल्दी की गांठ, एक गुड़ का टुकड़ा और 7 चने की दाल डालें और उसे तुलसी के पास रख दें, ऐसा करने से आपकी हर मनोकामना पूरी होती है।

जल में हल्दी मिलाकर करें अर्पित

वैशाख के महीने में जब आप में जल चढ़ाएं तो एक कटोरे में जल लेकर उसमें थोड़ी सी हल्दी डालें और इसे अर्पित करें। हल्दी और पानी को हाथ में लें और अपनी मनोकामना मन में बोलते हुए तुलसी को अर्पित कर दें। इससे इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है।

गुरुवार को जलाएं आटे का दीया

इसके अलावा हर गुरुवार को वैशाख के महीने में अगर तुलसी के पास शाम के समय आटे का दीया जलाया जाए और उसमें घी की बाती रखी जाए, तो इससे तुलसी मैया बहुत प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर असीम कृपा बरसाती हैं।

वैशाख महीने की एकादशी है खास

महीने में आने वाली एकादशी पर तुलसी की पूजा का विशेष महत्व होता है, इस दिन तुलसी के पौधे पर आप लाल रंग की चुन्नी चढ़ाएं, सुहाग की चीजें अर्पित करें। ऐसा करने से लक्ष्मी मां की कृपा बनी रहती है। इस बार वैशाख महीने में एकादशी 4 मई 2024 को मनाई जाएगी।

साउथ एक्ट्रेस टैग के चलते बॉलीवुड में काम मिलने में आ रहीं परेशानियां : सीरत कपूर

एक्ट्रेस सीरत कपूर का कहना है कि साउथ एक्ट्रेस के रूप में पहचाने जाने के चलते हिंदी सिनेमा में प्रोजेक्ट के ऑफर्स मिलने में परेशानियां हुई है।31 वर्षीय एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में खुद को स्थापित करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में बात की।रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रॉकस्टार में असिस्टेंट कोरियोग्राफर के रूप में सिनेमा में अपनी जर्नी शुरू करने वाली सीरत ने कहा, कई लोग मुझे साउथ एक्ट्रेस के रूप में जानते हैं और मुझे लगता है कि कभी-कभी यह बॉलीवुड में ऑफर्स मिलने के बीच रूकावटें पैदा करता है।दर्शकों के लिए यह सोचना आसान है कि अगर आप साउथ इंडियन इंडस्ट्री में अच्छा कर रहे हैं तो आपको बॉलीवुड में आसानी से काम मिल सकता है। हालांकि, असल बात यह है कि बॉलीवुड में लीड रोल के लिए कोई भी प्रोजेक्ट पाने की प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण है।सीरत और भी बॉलीवुड फिल्में करने की इच्छुक हैं।उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने लाइफटाइम में कम से कम एक बार बॉलीवुड एक्टर्स के साथ काम करूंगी।उन्होंने कहा कि तेलुगु सिनेमा से मेरा नाता हमेशा रहेगा।उन्होंने कहा, टॉलीवुड ने मुझे वह सब कुछ दिया है जो आज मेरे पास है और मैं इसे पीछे नहीं छोडना चाहती। यहीं से मैंने शुरुआत की और यह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।सीरत ने कई तेलुगु फिल्मों में काम किया है, जैसे रन राजा रन, टाइगर, राजू गरी गांधी 2, ओक्का क्षणम और मां विंता गाधा विनुमा आदि।2022 में, उन्होंने तुषार कपूर के साथ मारीच के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

ईशा गुप्ता ने देसी आउटफिट में गिराई बिजली

ईशा गुप्ता बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस के दिलों को कैसे चोरी करना है। आए दिन एक्ट्रेस अपनी सेक् और ग्लैमरस तस्वीरें से फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। ईशा ने डीप नेक देसी आउटफिट मल्टीकलर घागरा चोली पहनी है। लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने हेयर ओपन रखे हैं और सेक्सी पोज दे रही हैं। माथे की बिंदी और नेकलेस उनपर काफी जच रहा है और खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स का पसीना छूटना लाजमी है। बॉलीवुड स्टार ईशा गुप्ता अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता अक्सर ही इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अदाकारा ईशा गुप्ता का बोल्ड अवतार फैंस को भी भाता है। उनकी एक अलग ही फैन फॉलोइंग है। अदाकारा को इंस्टाग्राम पर 18 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। साथ ही ईशा के फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।फैंस कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछर कर रहे हैं। ईशा को आखिरी बार प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम 3 में देखा गया था।

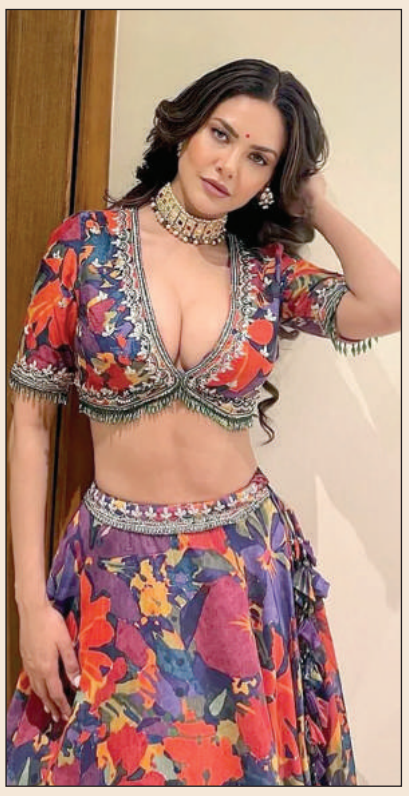

पुष्पा 2 द रूल का पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज

मिका सिंह की आवाज और अल्लू अर्जुन के डांस ने ढाया कहर

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा: द रूल का पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज हो गया है। इस गाने का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे थे। रॉकस्टार डीसीपी के लिखे गाने पुष्पा-पुष्पा को 6 भाषाओं में रिलीज किया गया है। पुष्पा-पुष्पा गाने के लिरिकल वीडियो ने पूरे इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। फैंस अल्लू अर्जुन के स्टेप्स के कायल हो गए हैं और गाने पर भरपूर प्यार लुटा रहे हैं। वीडियो में पुष्पा ब्रांड की ताकत को दिखाया गया है।गाने के जबरदस्त हुक स्टेप ने पुष्पाइज्म के क्रेज को बढ़ा दिया है, जो पुष्पा: द राइज के डेब्यू के बाद से पॉप कल्चर का हिस्सा बन गया है। पुष्पा 2 के पहले सिंगल पुष्पा-पुष्पा को 6 भाषाओं में रिलीज किया गया है। ये गाना तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषाओं में रिलीज हुआ है।देवी श्री प्रसाद ने गाने के अलग-अलग वर्जन गाने के लिए नकाश अजीज, दीपक ब्लू, मीका सिंह, विजय प्रकाश, रंजीत गोविंद और तिमिर बिस्वास जैसे पॉपुलर सिंगर्स को शामिल किया है।पुष्पा 2 का टीजर पहले ही रिलीज कर दिया गया था। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी फिल्म पुष्पा 2 इसी साल 15 अगस्त को थिएटर्स में दस्तक देगी।पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के साथ एक बार फिर रश्मिका मंदाना लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। इसके अलावा फहद फासिल भी फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्म से अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। अब फैंस को बस फिल्म की रिलीज का इंतजार है।अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा 2 साल 2021 की उनकी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है। इस फिल्म ने ना सिर्फ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बल्कि वर्ल्डवाइड ताबड़तोड़ कलेक्शन किया था। फिल्म का डायलॉग- पुष्पा, मैं झुकेगा नहीं साला, काफी पॉपुलर हुआ था। इसके अलावा फिल्म के गाने श्रीवल्ली ने भी खूब वाहवाही बटोरी थी, जिसमें रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की शानदार केमिस्ट्री दिखाई दी थी।

30 साल पहले ही खत्म हो जाता अजय देवगन का करियर

2 करोड़ की इस फिल्म ने रातों-रात बना डाला स्टार

अजय देवगन बॉलीवुड के टॉप कलाकारों में से एक हैं। इस साल भी वह दो फिल्म शैतान और मैदान में नजर आ चुके हैं। शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई भी की है। अजय देवगन बॉलीवुड के उन कलाकारों में से एक उनकी फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया जब वह बैक टू बैक फ्लॉप से परेशान हो गए थे। इतना ही नहीं उनका करियर डूबने की कगार पर था, लेकिन एक फिल्म ने उनके करियर को रातों-रात बदल डाला। इस फिल्म का नाम दिलवाले हैं।

यह फिल्म साल 1994 में आई थी। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ सुनील शेट्टी, रवीना टंडन और परेश रावल सहित कई कलाकार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में अजय देवगन की एक्टिंग को देख फैंस भी हैरान हो गए थे। उन्होंने दिलवाले में एक पागल की एक्टिंग की थी, जिसे खूब पसंद किया गया था। इस फिल्म का बजट सिर्फ 2 करोड़ रुपये था और दिलवाले ने दुनियाभर में 12 करोड़ रुपये की कमाई की थी। यह 1994 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी।

दिलवाले से पहले अजय देवगन ने बैक टू बैक आठ फिल्में धनवान, बेदर्दी, एक ही रास्ता, दिल है बेताब, शक्तिमान, संग्राम, प्लेटफॉर्म और दिव्य शक्ति फ्लॉप दे चुके हैं। इन आठ फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद अजय देवगन का करियर डूबने की कगार पर आ गया था। लेकिन दिलवाले ने उनके डूबते करियर को बचा लिया था। यह फिल्म तीन महीने से ज्यादा समय तक सिनेमाघरों में चली थी। फिल्म दिलवाले का निर्देशन हैरी बावेजा ने किया था।

उर्फी जावेद ने यूनिक आउटफिट में दिखाईं अदाएं

टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपनी यूनिक ड्रेस और अदाओं के लिए फैंस के बीच मशहूर हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली उर्फी जावेद आए दिन अपनी तस्वीरें शेयर कर अपने चाहने वालों का ध्यान खींचती हैं। उर्फी जावेद ने एक बार फिर रेड कलर की यूनिक आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है। उर्फी जावेद ने अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं और उन्हें देखकर फैंस फिदा हो रहे हैं।उर्फी जावेद रेड कलर की ड्रेस पहनी है और फोटोशूट करवाया है। उर्फी जावेद ने अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। उर्फी जावेद ने रेड कलर की ड्रेस में एक-से बढ़कर एक पोज दिए हैं। उर्फी जावेद की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल हो गईं।उर्फी जावेद का कातिलाना अंदाज फैंस को घायल कर रहा है। उर्फी जावेद की एक-एक तस्वीरें फैंस का ध्यान खींच रही है। उर्फी जावेद की तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, 'कितनी क्यूट हो।' एक फैन ने लिखा है, 'अच्छी ड्रेस पहनी है।'उर्फी जावेद को ट्रोल भी किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा है, 'ये लाल परी कहीं उड़ ना जाए।' एक यूजर ने लिखा, 'इनका अलग ही ड्रामा रहता है।उर्फी जावेद ने कुछ दिन पहले भी रेड कलर की यूनिक ड्रेस पहनकर जलवा दिखाया था। उर्फी जावेद की तस्वीरें देख फैंस ने आहें भरी थीं।उर्फी जावेद ड्रेस के मामले में काफी क्रिएटिव हैं। उर्फी जावेद कब क्या पहनकर आ जाएंगी कोई अंदाज भी नहीं लगा सकता है। उर्फी जावेद की सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग है। वहीं, उर्फी जावेद को ट्रोल्स की बातों की बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है।

इमरान खान की बॉलीवुड में होगी धमाकेदार वापसी

आमिर खान की फिल्म 'हैप्पी पटेल' में लीड रोल में आएंगे नजर!

आमिर खान के भतीजे इमरान खान ने अपनी पहली फिल्म जाने तू या जाने से डेब्यू किया था। पहली फिल्म के बाद से ही इमरान इंडस्ट्री में छा गए थे। उनकी डेब्यू फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। मगर उसके बाद इमरान खान का जादू लोगों पर नहीं चला और उन्होंने इंडस्ट्री से ब्रेक ले लिया। अब 9 साल बाद इमरान खान एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने जा रहे हैं। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसे वीर दास डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम हैप्पी पटेल है और इससे वीर डायरेक्शन में कदम रखने जा रहे हैं।इमरान खान को लंबे समय से बड़े पर्दे पर फैंस देखने का इंतजार कर रहे थे। अब जैसे ही इमरान के कमबैक का उन्हें पता चला है तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। सभी को इस फिल्म का

बेसब्री से इंतजार है।रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। उन्होंने गोवा में फिल्म की शूटिंग शुरू की है। इमरान के साथ फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होने वाली हैं ये अभी फाइनलाइज नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स की माने तो मोना सिंह फिल्म में अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। मोना इससे पहले ही आमिर खान की कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। वो लाल सिंह चड्ढा, 3 इडियट्स में काम कर चुकी हैं।इमरान खान की कमबैक फिल्म का नाम हैप्पी पटेल है। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसमें आमिर खान का कैमियो भी होने वाला है। हैप्पी पटेल की बात करें तो ये कॉमेडी से भरपूर फिल्म होने वाली है।

दो फुटवियर कंपनियों में लगी आग

काबू पाने के लिए दिल्ली व रोहतक से मांगनी पड़ी मदद

बहादुरगढ़, 02 मई (एजेंसियां)।

एचएसआईआईडीसी सेक्टर-17 में स्थित दो फुटवियर कंपनियों में गुरुवार सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। दोनों फैक्टरियों में आग लगने से लाखों रुपए का हुआ है। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंची। फैक्टरी नंबर 218 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने एक घंटे में काबू पा लिया। जबकि 241 नंबर फैक्टरी में लगी आग को बुझाने में कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। करीब घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

एचएसआईआईडीसी सेक्टर-17 में जूते-चप्पल बनाने वाली दो फैक्टरियों में अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण फैक्टरी के अंदर रखा लाखों रुपये का कच्चा और तैयार माल जलकर

तरह से राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की बहादुरगढ़ से पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। फायर ब्रिगेड ऑफिसर रविंद्र कुमार ने बताया कि सुबह 10 बजकर 50 मिनट पर उन्हें सूचना मिली थी एचएसआईडीसी सेक्टर-17 में स्थित फैक्टरी संख्या 218 और 241 में लैम एंड फैब नाम से चल रही फैक्टरी में आग लगी हुई है। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने करीब 1 कड़ी मशक्कत के बाद फैक्टरी संख्या 218 में लगी आग पर काबू पा लिया, लेकिन फैक्टरी संख्या 241 में आग भीषण होने के कारण उसे काबू करने में 8 घंटे का समय लगा।

फैक्टरी संख्या 241 के मालिक सुनील जिंदल ने बताया कि फैक्टरी में आग लगने से भारी हुआ है। कच्चा व तैयार माल के साथ बिल्डिंग को भी क्षति पहुंची है। नुकसान का आकलन आग बुझने के बाद ही लगाया जा सकता है। वहीं 218 नंबर फैक्टरी के मालिक आकाश कपूर ने बताया कि फैक्टरी में आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। इस पर बीसीसीआई के प्रधान सुभाष जग्गा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट नरिंदर छिकारा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

फैक्टरियों में आग लगने के दौरान आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। जिस समय इन दोनों फैक्टरी में आग लगी उस समय फैक्टरी के अंदर जूते और चप्पल बनाने का किया जा रहा था। गनीमत यह रही की आग लगने की सूचना पाकर सभी कर्मचारी समय रहते फैक्टरी से बाहर निकल आए। वरना यह हादसा और भी बड़ा हो सकता था। बहादुरगढ़ के एचएसआईआईडीसी की दो फैक्टरियों में आग लगने की घटना के बाद आग बुझाने में 11 गाड़ियों मदद ली गई। जबकि 40 कर्मचारी आग बुझाने में जुटे रहे। न केवल बहादुरगढ़ से बल्कि झज्जर, रोहतक और दिल्ली से भी दमकल गाड़ियां मंगवाई गई। आग बुझाने का काम किया गया। 241 नंबर फैक्टरी में लगी आग को लगभग 5 बजे काबू किया गया। 218 नंबर फैक्टरी में लगने से कम नुकसान हुआ। जबकि 241 में ज्यादा नुकसान हुआ है। इस फैक्टरी के भवन को भी आग की वजह से काफी क्षति हुई है। फैक्टरी के अंदर अत्यंत ज्वलनशील केमिकल और रबड़ होने के कारण आग रह रह कर भड़कती रही।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा।साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, आज के दिन आप कार्यक्षेत्र में कुछ बढ़िया कर सकते हैं। आज आप अपना ख़ाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। वैवाहिक जीवन मे बहुत ख़ूबसूरती रहेगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दफ़्तर में स्नेह का माहौल बना रहेगा। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका गुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने गुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका गुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आज आपके पास ख़ाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। बदलते समय के साथ क़दमताल करने के लिए नई तकनीक से तालमेल बैठाना महत्वपूर्ण रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपको अपने जीवनसाथी का सहयोगी पक्ष देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

खाते-पीते वक़्त सावधान रहें। लापरवाही बीमारी की वजह बन सकती है। आकस्मिक चुनौती या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड ख़राब कर सकता है।अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अपने भाई बहनों की सलाह लें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। दफ़्तर में शांत और संतुष्ट सोच आपके मन को उत्साहित रखेगी। भविष्य की योजनाओं के लिए आपको नए संपर्क बनाने की ज़रूरत है। वे करिअर की तरक़्क़ी में बहुत मददगार रहेंगे। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस ख़ाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ़्तगू कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 03 मई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 11:26 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 12:07 तक
योग : ब्रह्म दोपहर 02:18 तक
करण : वणिज दोपहर 12:43 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:41 से रात्रि 11:35 तक , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई पहले दिन 27 वाहन दबोचे गए

जयपुर, 02 मई (एजेंसियां)।

खनन विभाग द्वारा बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ चलाये अभियान के तहत पहले दिन 27 वाहन पकडे.वहीं चार प्राथमिकी दर्ज कराई गई हैं। खान निदेशक भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा जयपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर अतिरिक्त निदेशक माइंस के कार्य क्षेत्र में बजरी खनन, परिवहन और भण्डारण वाले क्षेत्रों में सघन जांच और कार्यवाही लिये 27 दस्ते गठित किये गये हैं। अभियान के पहले दिन एक मई को सघन चेकिंग के दौरान एक स्थान पर बजरी का अवैध खनन पाया गया, वहीं बजरी के अवैध परिवहन करते हुए 15 वाहन पकड़े गये हैं

श्री कलाल ने बताया कि एक मई को दस्तों के के आदेश जारी होने के साथ ही टीम द्वारा क्षेत्र में जांच का कार्य आरंभ कर दिया और इसी दौरान

बजरी के साथ ही मैसेनरी स्टोन के अवैध परिवहन करते हुये 12 वाहन पकड़े गये हैं। इस दौरान छह लाख 77 हजार रुपए की राशि भी वसूली गयी है। बताया कि विभाग द्वारा चारों अतिरिक्त निदेशकों को अपने स्तर से भी पड़ताल करने और वरिष्ठ अधिकारियों को भी औचक जांच के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यालय स्तर पर अतिरिक्त निदेशक पी आर आमेटा मोनेटरिंग प्रभारी बनाये गये हैं। अभियान के पहले दिन यानी कि एक मई को बजरी अवैध परिवहन पर जोधपुर जोन में आठ वाहन जब्त किये गये हैं, वहीं मैसेनरी स्टोन के अवैध परिवहन करते आठ वाहन जब्त किये गये हैं। अतिरिक्त निदेशक जोधपुर योगेन्द्र सिंह सहवाल ने बताया कि उनके कार्यक्षेत्र में छह दल गठित किये गये हैं। इनमें से बाड़मेर एमई वेदप्रकाश के में सिणधरी तहसील के पाइला और बायतू में बजरी का अवैध परिवहन करते हुए वाहन पकड़े गये हैं। इसी तरह से सोजत एमई विनित गहलोत के निर्देशन में पाली में सदर थाने के पास और जैतारण तहसील के नीमाज में अवैध बजरी परिवहन करते हुए वाहन पर कार्यवाही की है। पहले दिन एक मई को कोटा क्षेत्राधिकार में 4 एफआईआर भी दर्ज करायी गयी है।

छप्पर में लगी आग से पांच भैंसे जिंदा जलीं, पिता-पुत्र झुलसे

झुंझुनू, 02 मई (एजेंसियां)।

जिले के बुहाना में गुरुवार को छप्पर में आग लग गयी जिसमें पांच भैंस जिंदा जल गयीं और पिता-पुत्र झुलस गए। पशुओं को बचाने के प्रयास में माता-पिता और उनका बेटा भी गंभीर रूप झुलस गया, जिनका उपचार जारी है। घटना बुहाना थाना क्षेत्र के कुहाड़वास गांव की है। इस दौरान आग को बुझाने का किया गया, लेकिन कच्चा घर होने के कारण आग तेजी से फैली और मवेशियों को चपेट में ले लिया।

आग से झुलसे दयानंद (60), पत्नी निर्मला देवी (55) और उनका बेटे मंजीत (35) को झुंझुनू के राजकीय बीडीके अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आग से झुलसे दयानंद के विकास ने बताया कि घर के पास बने छप्पर में भैंसों को बांधकर खेत में काम रहे थे। इस दौरान अचानक बिजली का तार टूट कर छप्पर पर गिरा जिससे आग लग गयी। आग की लपटें देख वह और उनके साथ काम कर रहे अन्य लोग उसे बुझाने के दौड़े। इस बीच, जब मौके पर पहुंचे तो चाचा-चाची और उनका बेटा छप्पर में बंधे पशुओं को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन फूस से बने होने के कारण आग इतनी तेजी से फैली की छपरे में बंधे पशुओं को खोलने का मौका भी नहीं मिला। जब आग पर काबू पाते, तब तक छप्पर पूरी से जल चुका था। उसमें बंधी पांच भैंस जिंदा जल गईं।

सीएचसी भवन में लाग लगने से लाखों का नुकसान

भरतपुर, 02 मई (एजेंसियां)।

सवाई माधोपुर में तहसील मुख्यालय पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) भवन में गुरुवार तड़के भीषण आग लग जाने से लाखों रुपए का नुकसान हो जाने का समाचार प्राप्त हुआ है।

मेडिसिन स्टोर में रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से ब्लास्टिंग होने के बाद पूरे मेडिसिन स्टोर में भीषण आग लग गयी, जिसने अस्पताल को अपनी जद में ले लिया। करीब तीन घण्टे बाद सवाई माधोपुर से पहुंची दमकल ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया गया कि मित्रपुरा तहसील मुख्यालय पर दमकल की व्यवस्था नहीं होने की वजह से पहले वैकल्पिक संसाधनों से ही आग बुझाने प्रयास शुरू किये गये। टैंकर मंगवाकर पानी की मोटर चलाई और आग बुझाने की कोशिश की गयी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आगजनी में मेडिसिन स्टोर की सभी दवायें जलकर खाक होने के साथ अस्पताल के कई दरवाजे भी क्षतिग्रस्त हो गये।

पुलिस ने लापता कोचिंग छात्रा को लुधियाना से किया बरामद

कोटा, 02 मई (एजेंसियां)।

कोटा से लापता कोचिंग छात्रा तृप्ति सिंह को पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से बरामद कर लिया कोटा शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि दस दिन पहले थाना अनन्तपुरा स्थित पीजी से टेस्ट देने कोचिंग के लिए निकलने के बाद लापता हुई छात्रा तृप्ति सिंह को गुरुवार को दस्तयाब के बाद लुधियाना में उसके परिजनों से मिलवा कर सुपुर्द कर दिया गया। इस छात्रा ने अपना पूरा समय वृंदावन के मंदिरों में गुजारा।

कोचिंग छात्रा तृप्ति सिंह अनन्तपुरा थाना क्षेत्र के गोबरिया बावडी ट्रासपोर्ट नगर में एक पीजी हॉस्टल मे रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। वह गत 21 अप्रैल को साप्ताहिक टेस्ट के लिए पीजी से कोंचिग के लिए

निकली वापस नहीं लौटी। इस पर पीजी संचालिका ने 23 अप्रैल को अनन्तपुरा थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई और इस पर घरवालों को सूचना दी गई।

कोचिंग छात्रा के अचानक लापता हो जाने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में एक विशेष अभियान चलाया गया। क्रम में सीओ मनीष शर्मा के सुपरविजन एवं एसएचओ भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे एक टीम गठित की गई। पुलिस ने जब लापता छात्रा के कमरे की तलाशी ली तो कमरे के अन्दर एक कॉपी में छात्रा का हस्तलिखित सुसाईड नोट लिखा मिला। जिसमे नदी में कूदने की बात गई थी।

पुलिस ने सुसाइड नोट को गंभीरता से लेते हुए चम्बल नदी मे एक बार सिविल डिफेन्स एवं नगर निगम के गोताखोर की टीम एवं दूसरी बार एसडीआरएफ एवं आरएसी कम्पनी के गोताखोर की टीम से तलाश कराई मगर लापता छात्रा के बारे में कोई सुराग नहीं मिला। की कॉपी मे बहुत सी जगह राधा-कृष्ण का नाम लिखे होने एवं मोबाईल की डिटेल में इससे पहले एक बार छात्रा का मथुरा वृन्दावन की तरफ जाना पाये जाने पर एक टीम मथुरा-वृन्दावन भेजी गई जहां बुधवार को विश्वसनीय सूत्रों से पता चला कि इस हुलिये की लड़की लुधियाना तरफ निकल गई है। इस सूचना पर गुरुवार को पुलिस की टीम लुधियाना पहुंची। छात्रा तृप्ति सिंह को तलाश कर दस्तयाब किया गया। छात्रा को लुधियाना मे ही उसके परिजनो से मिलवा कर सुपुर्द किया गया। छात्रा उत्तर प्रदेश की रहने वाली है।

कांग्रेस की सरकार आने पर प्रदेश से गुंडाराज पूरी तरह से होगा खत्म : हुड्डा

कुरुक्षेत्र, 02 मई (एजेंसियां)।

आगामी 25 मई को होने वाले चुनाव केवल लोकसभा के लिए ही नहीं है बल्कि यह लड़ाई की सत्ता की भी है। करीब तीन माह बाद प्रदेश में आने वाली सरकार की भी तस्वीर यह चुनाव साफ कर देंगे। यह तय है कि प्रदेश में आने वाली सरकार कांग्रेस की ही होगी। लेकिन इसके लिए हर कार्यकर्ता को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। यह कहना पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का।

वे गुरुवार को सेक्टर 17 में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसके बाद जुलूस के साथ डॉ. सुशील गुप्ता जिला सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन

किया। इस भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह, आप वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा, पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा भी रहे। जनसभा में हुड्डा ने कहा कि भाजपा के दस साल के शासन में प्रदेश बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून व्यवस्था में नंबर एक गया है। प्रदेश ही नहीं पूरे देश में आज हाहाकार मचा है और हर कोई भाजपा को सत्ता से बाहर करने को तैयार है। प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार आने पर गुंडाराज पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। यहीं नहीं पुरानी पेंशन बहाल की जाएगी, 300 रुपये बिजली फ्री कर दी जाएगी, प्रदेश में दो लाख व देश में 30 लाख नौकरियां खाली पदों पर दी जाएंगी। बुर्जुगों की पेंशन छह हजार रुपये की जाएगी। इस दौरान प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने आह्वान किया कि एक-एक वोट का ख्याल रखना होगा। पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह दिल्ली से राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता ने भी इंडिया गठबंधन को जिताने का आह्वान किया। इस दौरान लाडवा विधायक मेवा सिंह, पूर्व मंत्री बलबीर सैनी, सुधीर मेहता, विधायक सुलतान जडौला, दिल्लू राम बाजीगर, आप जिलाध्यक्ष विशाल खुब्बड़, सुमित हिंदुस्तानी भी मौजूद रहे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान ने कहा कि यह चुनाव हम सभी का और देश व प्रदेश की जनता का इम्तिहान है और इसमें सफल होना ही है। इस चुनाव के जरिए किसानों, पहलवानों, महिलाओं व अन्य वर्गों के हुए सरेआम शोषण का बदला लेना है। एक-एक बूथ को जितने के लिए किलेबंदी करनी होगी।

निर्माणाधीन मकान की गिरी, दो मजदूरों की मौत

धौलपुर, 02 मई (एजेंसियां)।

जिले में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से दो मजदूरों की मौत हो तथा छह घायल हो गये। प्राप्त जानकारी अनुसार घटना शहर के बाड़ी कोतवाली क्षेत्र में संत नगर सड़क मार्ग की राजपूत कॉलोनी में बुधवार रात 12 बजे की

हादसे के बाद चीख-पुकार मच गयी। लोगों ने पुलिस और उपखंड प्रशासन अधिकारियों को सूचना दी। फौरन मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन ने रेस्क्यू शुरू किया। बताया जा रहा है कि ईंट का पिलर टूटने से हादसा हुआ। उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा ने बताया कि संत नगर सड़क पर नीरज कुमार के मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। मकान में करीब 20 मजदूर काम कर रहे थे। मकान की तीसरी मंजिल पर 8 मजदूर आरसीसी छत डाल रहे थे। रात करीब 12 बजे छत गिर गयी। तीसरी मंजिल की छत पर काम कर रहे आठ मजदूर गिर गये और मलबे में दब गये। मटेरियल चढ़ा रहे अन्य 12 मजदूरों में भगदड़ मच गयी। हादसे में लखन लोधा (35) निवासी मूसलपुर और भोला (32)की मौत हो गयी।

'लालटेन छोड़ किसी दूसरे को वोट दोगे तो हमको बर्दाश्त नहीं होगा', सामने आई धमकी देने वाले युवक की सच्चाई

लखीसराय (एजेंसियां)।

बिहार के लखीसराय से वोटिंग के लिए धमकाने का एक मामला सामने आया है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक मतदाता को चेतावनी देता दिख रहा है। धमकी दे रहे युवक को राजद का समर्थक बताया जा रहा है। वह आरजेडी के पक्ष में वोट देने और ऐसा न करने पर बूथ पर नहीं जाने देने की धमकी देता युवक दिख रहा है। इस घटना का वीडियो किसी ने रिकॉर्ड कर लिया। वहीं, जब इसकी सूचना जिला प्रशासन को मिली तो पुलिस फौरन हरकत में आई और धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, लखीसराय जिले के हलसी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत साढमाफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के मुताबिक, एक परिवार के दरवाजे पर एक युवक पहुंचा। फिर वह राजद को ही वोट देने की चेतावनी देने लगा। युवक पहले निवेदन करता दिख रहा है। लेकिन उसके बाद वह चेतावनी देने लगा। वीडियो में वह कह रहा है कि हम किसी को तब वोट नहीं देने देंगे, हम लालटेन पर वोट देने बोल रहे हैं। दूसरे की बात पर जाओगे तो हमको बर्दाश्त नहीं होगा।

कथित वायरल वीडियो में युवक कह रहा है कि लालटेन छोड़कर अगर किसी दूसरे पर वोट दोगे तो हमको बर्दाश्त नहीं होगा। युवक आगे कहने लगा कि हम लालू के लाल हियौ... सबको समझा रहे हैं। हम पैर पकड़कर जा रहे हैं, पर बूथ पर गलत मत करना कोई। वहीं, इसके बाद सभी लोग उसे फफटकारते दिख रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या ज्यादा पी लिये हो।

धमकी देने वाले युवक की पहचान साढमाफफ निवासी योगेश्वर यादव के बेटे अनिल यादव (28) के रूप में हुई है। वहीं, जिस व्यक्ति को धमकी दी गई उसकी पहचान गोवर्धन यादव के रूप में की गई। इधर, वीडियो सामने आते ही पुलिस भी सक्रिय हो गई और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, आरोपी युवक को लेकर तरह-तरह की चर्चा भी लोगों के बीच है, कोई उसे मानसिक रूप से बीमार बता रहा है तो कोई उसे शराब के नशे में धुत बताकर इस मामले को अलग तरीके से देख रहा है। हालांकि पुलिस की ओर से युवक को लेकर अभी कोई पुष्टि नहीं की गई है।

बालू घाट पर दो गुटों के बीच फायरिंग, दो की मौत

एक घायल मजदूर से अस्पताल में पूछताछ कर रही पुलिस

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर के कोइलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत कमालू चक बालू घाट पर दो गुटों की वर्चस्व की लड़ाई को लेकर जमकर गोलीबारी हुई। इसमें दो मजदूरों की मौत हो गई। वहीं एक मजदूर जख्मी हो गया है। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद कोईलवर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही दोनों मजदूर के शवों को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल ले आई है।

वहीं वर्चस्व को लेकर हुई गोलीबारी में मरने वालों की पहचान छपरा के डोरीगंज थाना क्षेत्र के सुरथपुर पंचायत निवासी विकास महतो (20) और चकिया गांव निवासी सुदर्शन राय (40) है। सुदर्शन राय को चार गोली थी। वहीं जख्मी के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। कोइलवर पुलिस की टीम जख्मी के बारे में भी जानकारी इकट्ठा करने में जुटी हुई है। हालांकि जख्मी के बारे में अभी तक साफफ नहीं हो पाया है।

घटना को लेकर मृतक सुदर्शन राय के पिता तुलसी राय ने बताया कि बुधवार देर रात में सुदर्शन राय घर से खाना खाने के बाद बालू घाट पर काम करने के लिए गया था, उसी दौरान बालू घाट पर गोलीबारी हुई, जिसमें मेरे बेटे समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं घटना के बाद बालू घाट पर गरमा गरमी का माहौल बना हुआ है। दूसरी तरफ घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। साथ ही दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल ले आई है। जहां दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

वहीं घटना के बारे में भोजपुर एसपी नीरज कुमार ने घटना की पुष्टि के साथ ही दो लोगों की मौत की भी पुष्टि की है। वहीं घटना करीब सुबह तीन बजे का बताया जा रहा है।

वहीं भोजपुर जिले की पुलिस कमालु चक बालू घाट पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब बालू घाट पर अपना दबदबा कायम रखने के लिए बंदूके गरजी हो। बालू घाट पर वर्चस्व को लेकर पहले भी काम करने वाले कई मजदूरों की मौत हो गई है। जिसे अपराधियों और दबंगों ने अपना शिकार बनाया है।

दरभंगा जंक्शन के पास मालगाड़ी की तीन बोगियां बेपटरी

पांच घंटे से आवागमन ठप रहने के कारण लोग परेशान

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जंक्शन के निकट दरभंगा सीतामढ़ी रेलखंड के कंगवा गुमटी पर एक मालगाड़ी की तीन बोगियां बेपटरी हो गई। इस कारण करीब पांच घंटे तक सड़क पर आवागमन बाधित हो गया है। बताया जाता है कि बुधवार मध्य रात्रि को मालगाड़ी का सन्टिंग किया जा रहा था। इस दौरान कंगवा गुमटी संख्या एक पर मालगाड़ी की तीन बोगियां बेपटरी हो गई। घटना इलाके में हड़कंप मच गया। रेलवे की टीम मौके पर पहुंची और तीनों बॉगी को पटरी पर लाने के कोशिश में जुट गई।

घटना की जानकारी मिलते ही समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव भी दरभंगा पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही इस फाटक पर यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

बता दें कि दरभंगा-सीतामढ़ी रेलखंड के कंगवा गुमटी संख्या एक के पास मालगाड़ी का सन्टिंग किया जा रहा था इस दौरान दोनो रेल गुमटियों के बीच मालगाड़ी की तीन बोगियां पटरी से उतर गई। हालांकि इस मालगाड़ी के बेपटरी होने रेल यातयात प्रभावित नहीं हुआ। लेकिन, दरभंगा को आसपास के इलाके सहित सकरी तक जाने वाली सड़क यातयात करीब पांच घंटे से प्रभावित है। इस कारण रानीपुर चूनाभट्ठी सहित डीएवी स्कूल हैरो इंग्लिश स्कूल जाने वाले स्कूली बच्चों और अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

सड़क हादसे में युवक की मौके पर मौत, परिजनों और ग्रामीणों ने यातायात ठप कर किया प्रदर्शन

मोतिहारी (एजेंसियां)।

बिहार के मोतिहारी में अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। खबर मिलने के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और ग्रामीण सड़क जाम कर विरोध जताने लगे। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फेनहारा थानाध्यक्ष सुषमा कुमारी ने ग्रामीणों को समझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। यह घटना फेनहारा थाना क्षेत्र के खान पिपरा चिकनी के पास की है। मृतक की पहचान खान पिपरा निवासी बैजू सहनी के बेटे धीरज कुमार (19) के रूप में हुई है।

घटना को लेकर मृतक के दादा ने बताया कि धीरज सुबह शौच के लिए आया था। इसी बीच अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वह बाहर रह कर मजदूरी करने का काम करता था। वह चचेरी बहन की शादी में शामिल होने आया था। वहीं, घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक, जैसे ही गांव वालों को पता चला कि धीरज की टक्कर लगने से मौत हो गई है।

उसके बाद भारी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और बांस-बल्लों से सड़क घेर कर मृतक के परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग करने लगे। जैसे ही इस बात की जानकारी फफेनहारा थानाध्यक्ष को लगी, उन्होंने मौके पर पहुंच ग्रामीणों को समझाकर जाम खत्म कराया। फिर धीरज के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

फेनहारा थानाध्यक्ष सुषमा कुमारी ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई है। परिजनों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम किया था, सभी को समझाकर जाम खुलवा दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। परिजन की तरफ से आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गया व्यवहार न्यायालय के जज कार्यालय में लगे एसी में धमाके से लगी आग

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया व्यवहार न्यायालय में एक जज के कार्यालय कक्ष में गुरुवार की सुबह अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही फफायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। न्यायालय सूत्रों ने बताया कि जिला जज के कार्यालय कक्ष में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक धुआं उठने लगा था। इसके अलावा कोई विशेष नुकसान होने की खबर नहीं है। आग लगने के कारण उठ रहे धुआं के कारण कोर्ट में काम करने वाले कर्मचारियों और अधिवक्ताओं में कुछ देरी के लिए अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया था।

आग गया व्यवहार न्यायालय के सबसे ऊपर के तल पर जज के कार्यालय में लगी बताई जा रही है। फफायर ब्रिगेड की टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़े नुकसान से बचा लिया। कोर्ट इन दिनों सुबह चल रहा है। कोर्ट में जिस वक्त आग लगने की खबर आई, उस वक्त काफफी कम संख्या में अधिवक्ता कोर्ट परिसर में ही आए थे।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की सुबह गया सिविल कोर्ट में स्थित जिला सत्र न्यायाधीश के चैंबर में अचानक धमाका हुआ। धमाके की खबर मिलते ही कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि जिला सत्र न्यायाधीश के चैंबर में लगा एसी खराब था। जैसे ही एसी चालू किया। शॉर्ट सर्किट होने के कारण एसी में धमाका हो गया। उक्त घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट प्रशासन ने फफायर ब्रिगेड को सूचना दी। प्रशासन ने कहा कि कोर्ट परिसर में प्रतिदिन एक फफायर ब्रिगेड की गाड़ी लगाने का निर्देश जारी किया गया है।

भड़का राजपूत समाज

हम नीतीश-मोदी को वोट देंगे, पर ललन सिंह को एक भी वोट नहीं

मुंगेर (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण के तहत मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में 13 मई को मतदान होना है। इस बीच मुंगेर जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में राजपूत समाज के मतदाता बिहार सरकार के मंत्री सुमीत सिंह के सामने कहते दिख रहे हैं कि हम लोग नीतीश कुमार और पीएम मोदी को वोट देंगे, लेकिन एनडीए प्रत्याशी ललन सिंह को एक भी वोट नहीं देंगे।

दरअसल, मुंगेर के हवेली खड़गपुर प्रखंड के प्रसन्नडो गांव में आसपास के ग्यारह गांवों के राजपूत समाज की बैठक ललन सिंह के पक्ष में बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह की पहल पर आयोजित की गई थी। उसमें एनडीए प्रत्याशी ललन सिंह पर राजपूतों का आक्रोश उबल पड़ा। राजपूत समाज के लोगों ने ललन सिंह पर राजपूतों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए चुनाव में इसकी कीमत चुकाने की बात कही।

साथ ही उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि सुमित सिंह का टिकट भी ललन सिंह के कहने पर काटा गया था। लेकिन सुमित सिंह अपनी लोकप्रियता और समाज के दम पर निर्दलीय चुनाव जीते भी और मंत्री भी बने। राजपूत समाज के लोगों ने कहा कि हम लोग नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री को वोट देंगे, लेकिन एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को एक भी वोट नहीं देगे। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

हाईवा ने किसान को रौंदा, मौत

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर में सब्जी बेचकर घर लौट रहे एक व्यक्ति को हाइवा ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर कई बालू लदे ट्रकों में तोड़फोड़ करते हुए एक ट्रक में आग भी लगा दी। घटना पीरो थाना क्षेत्र के पीरो बाजार की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि पीरो थाना क्षेत्र के मसरहिया टोला निवासी बालेश्वर राम रोजाना की तरह आज भी सब्जी बेचकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक हाइवा ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे सब्जी विक्रेता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने ट्रकों में तोड़फोड़ शुरू कर दिए। इस वजह से कुछ ही देर में माहौल तनावपूर्ण हो गया और प्रदर्शनकारियों ने एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पूरा ट्रक धू-धूकर जलने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जहां स्थिति तनावपूर्ण था। कुछ ही देर में घटनास्थल पर पीरो डीएसपी सहित कई थानॉन की पुलिस को बुलाया। पुलिस ने तुरंत अग्निशमन को बुलाया और कड़ी मशक्कत के बाद हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को भगाया गया। डीएसपी राहुल सिंह ने बताया कि ट्रक से दुर्घटना में साइकिल सवार सब्जी विक्रेता की मौत हुई है, जिसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और कुछ ट्रकों में तोड़फोड़ के साथ एक ट्रक में आग लगा दिए।

गया में बदमाशों ने युवक को मारी दो गोली, हालत गंभीर

गया (एजेंसियां)।

इन दिनों गया पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ड्रोन को शामिल किया है। वहीं दूसरी ओर असामाजिक तत्वों पुलिसिया व्यवस्था को ध्वस्त करने में जुटे हैं। आए दिन जिले में अपराधियों द्वारा लूट, हत्या और चोरी की घटना समेत अन्य संगीन मामले को अंजाम देने में जुटी है। इसी क्रम में बुधवार की देर रात बदमाशों ने आपसी विवाद में एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

गोलीबारी की सूचना के बाद बेलागंज थाने की पुलिस घटनास्थल पहुंच कर घायल युवक को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। साथ ही मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि जख्मी युवक की पहचान बेलागंज थाना क्षेत्र के समहपुर गांव के रहने वाले मो. अनवर अंसारी के 28 वर्षीय पुत्र मो. वकील के रूप में हुई है।

इधर, बेलागंज थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष विनय कृष्णा प्रसाद ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं उन्होंने बताया कि घायल युवक समसपुर गांव के रहने वाले मो. अनवर अंसारी के 28 वर्षीय पुत्र मो. वकील है।

तीसरे चरण में 54 प्रत्याशी चुनावी मैदान में, इनमें से 13 पर अपराधिक मामले दर्ज

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में तीसरे चरण का चुनाव सात मई को होने वाला है। झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया सीट पर होने वाले चुनाव में इस बार 54 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें से 13 उम्मीदवारों पर अपराधिक मामले दर्ज हैं। यानी 24 प्रतिशत पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। 12 यानी 22 प्रतिशत उम्मीदवारों पर गंभीर किस्म के आपराधिक मामले दर्ज हैं वहीं 20 उम्मीदवार करोड़पति हैं। उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2.79 करोड़ रुपये की है।

जानकारी के अनुसार, पांचों लोकसभा सीट पर राष्ट्रीय जनता

दल ने तीन जगह पर उम्मीदवार उतारे हैं। सभी तीनों उम्मीदवारों के खिलाफफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं जदयू, भाजपा, वीआइपी, और बसपा के एक-एक उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इधर, जदयू और राजद के तीन-तीन उम्मीदवार करोड़पति हैं, जबकि भाजपा, भाकपा माले, वीआईपी और लोजपा रामविलास के एक-एक उम्मीदवार करोड़पति हैं।

जदयू के तीन उम्मीदवारों की औसत संपत्ति छह करोड़ से अधिक है।

वहीं राजद के तीन उम्मीदवारों की संपत्ति पांच करोड़ रुपये से अधिक है। बसपा के उम्मीदवारों की संपत्ति साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं, भाजपा के एक उम्मीदवार की औसत संपत्ति एक करोड़ रुपये है। भाकपा माले के उम्मीदवारों की औसत संपत्ति दो करोड़ रुपये से अधिक है। मुकेश सहनी के पार्टी के उम्मीदवर की संपत्ति सात करोड़ रुपये से अधिक है। वहीं लोजपा रामविलास के उम्मीदवार की औसत संपत्ति पांच करोड़ रुपये है।

बाइक सवार को गली से जाने से टोका तो बीस से ज्यादा बदमाशों ने की 25 राउंड फायरिंग

नालंदा (एजेंसियां)।

बिहार के नालंदा के बिहार शरीफ में दिनदहाड़े बदमाशों ने मामूली विवाद में ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। मामला लहेरी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 24 काशी तकिया मोहल्ले का है। बताया जा रहा है कि मारपीट की घटना में काशी तकिया निवासी मो. अरशद जख्मी हो गया। वहीं, मोहल्ले में रहने वाला राजा भी मामूली रूप से चोटिल हो गया। घटना को लेकर मो. अरशद ने बताया कि नगर थाना के कागजी मोहल्ला निवासी शाहनबाज ट्रिपल लोड बाइक पर सवार होकर मोहल्ले से गुजर रहा था। एक दिन पहले ही मोहल्ले में पीसीसी ढलाई की गई थी, जिसके कारण आने-जाने के लिए लोगों को रोका जा रहा था। जब उसने और कुछ अन्य लोगों ने शाहनबाज को उक्त रास्ते से जाने से मना किया तो वह गाली-गलौज पर उतर आया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com